ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 04 जून, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-153

जब राजगोपालचारी ने कन्नड़ को तमिल से विकसित कहने पर माफी मांगी थी...: कोर्ट @ नम्मा बेंगलूरु

बंगाल में तहस-नहस हो गई नारी प्रतिष्ठा की संस्कृति

शर्मिष्ठा की अर्जी पर हाईकोर्ट ने की फूहड़ टिप्पणी

जमानत नहीं दी तो क्या आसमान टूट पड़ेगा!

कलकत्ता, 03 जून (एजेंसियां)।

बंगाल की संस्कृति मां-बेटियों को सम्मान देने और उनकी पूजा करने के लिए विख्यात रही है। उस बंगाल में न्यायालय तक का चारित्रिक स्खलन इस स्तर पर पहुंच गया है कि एक मासूम लड़की को जेल में भी बलात्कार करने और सिर तन से जुदा करने जैसी गंदी धमकियां दी जा रही हैं। जेल में उसे अशुद्ध पानी दिया जा रहा है और उसे जरूरी दवाइयां भी नहीं दी जा रही हैं। लेकिन अदालत कहती है कि जमानत नहीं देने से कोई आसमान नहीं टूट पड़ेगा। चरित्र और नैतिकता का आसमान टूट ही चुका है, यह देखने की नैतिक शक्ति न पश्चिम बंगाल सरकार के पास बची है न सत्ता-चाटुकार अदालतों के पास। जिस व्यक्ति की शिकायत पर कलकत्ता की अदालत ने एक छोटी बच्ची का मान-मर्दन किया, वह शख्स देवी कामाख्या समेत अन्य हिंदू देवी-देवताओं पर गंदी टिप्पणी करने के मामले में कुख्यात है। लेकिन उस पर कार्रवाई करने में ममता सरकार को कोई रुचि नहीं है और अदालतों को उस पर संज्ञान लेने की फुर्सत है। उसे तो पहलगाम में हिंदुओं को चुन-चुन कर मारे जाने की निंदा करने वाले संजीदा हिंदुओं को निपटाने की जल्दी है।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने 22 वर्षीय छात्रा शर्मिष्ठा पनोली को जमानत देने से यह कहते हुए इंकार कर दिया कि शर्मिष्ठा को जमानत नहीं देने से कोई आसमान नहीं गिर पड़ेगा। टिप्पणी का यह स्तर कलकत्ता हाईकोर्ट का है। इससे आप निचली अदालतों का स्तर समझ सकते हैं। इससे पहले, कलकत्ता स्थित अलीपुर कोर्ट ने 31 मई को शर्मिष्ठा के जमानत आवेदन को खारिज कर दिया था और उसे 14 दिनों के लिए जेल भेज दिया था।

शर्मिष्ठा को जेल में मिल रही धमकियां एनएचआरसी ने की पुष्टि

जेल में शर्मिष्ठा पनोली को मिल रही गंदी धमकियों और गंदा पानी की शिकायतों को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने संज्ञान में लिया है। आयोग ने बंगाल सरकार से त्वरित रूप से जवाब मांगा है और शर्मिष्ठा की हिफाजत का पूरा ध्यान रखने की सख्त हिदायत दी है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने कहा, शर्मिष्ठा को गिरफ्तार होने के बाद से बलात्कार और जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं, जिसके बाद आयोग ने यह कदम उठाया है। मानवाधिकार आयोग ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव और डीजीपी से शर्मिष्ठा की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा है। साथ ही, हरियाणा सरकार से भी पूछा है कि क्या गिरफ्तारी के दौरान सभी नियम-कानूनों का पालन किया गया था? उल्लेखनीय है कि कलकत्ता पुलिस ने पिछले दिनों हरियाणा के गुरुग्राम आकर शर्मिष्ठा को गिरफ्तार कर लिया और गुरुग्राम प्रशासन मुंह ताकता रहा। शर्मिष्ठा की तरफ से अलीपुर जिला अदालत में दाखिल याचिका में कहा गया था कि उन्हें जेल के अंदर अन्य कैदियों से कई तरह की धमकियां मिल रही हैं। शर्मिष्ठा ने कहा था कि उन्हें अपनी सुरक्षा का डर सता रहा है। शर्मिष्ठा को अलीपुर के महिला सुधार गृह में रखा गया है। ▶10 पर

भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने विश्व में बढ़ाया देश का मान

युद्ध-विराम में कोई मध्यस्थ नहीं था : शशि थरूर

ब्रासीलिया, 03 जून (एजेंसियां)।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद विश्व के देशों का दौरा कर रहे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की एक टीम के नेता शशि थरूर ने अमेरिका समेत कई देशों के समक्ष यह स्पष्ट कर दिया है कि पाकिस्तान के साथ हुए युद्ध विराम में किसी भी तीसरे पक्ष की भूमिका नहीं थी। शशि थरूर ने साफ-साफ कहा कि युद्ध विराम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कोई भूमिका नहीं थी। युद्ध विराम का प्रस्ताव पाकिस्तान की तरफ से आया था और भारत सरकार ने इस पर विचार करने के बाद सम्यक निर्णय लिया। थरूर ने कहा, भारत अपने मामले में किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा। शशि थरूर ने कहा, हमने 7 मई को शुरू से ही कहा कि हम संघर्ष को लंबा खींचने के इच्छुक नहीं हैं। यह किसी तरह के युद्ध की शुरुआत नहीं है। यह सिर्फ आतंकवादियों के खिलाफ प्रतिशोध है, बस। अगर पाकिस्तान ने प्रतिक्रिया नहीं की होती, तो हम भी प्रतिक्रिया नहीं करते।

ऑपरेशन सिंदूर पर सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम में तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से इंकार किया और कहा कि संघर्ष विराम के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच सीधी बातचीत हुई। थरूर के नेतृत्व वाला सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल फिलहाल ब्राजील में है और ब्राजील से अमेरिका के लिए रवाना होगा। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार दावा कर रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम के लिए उन्होंने मध्यस्थता की। इसे शशि थरूर ने साफ-साफ नकार दिया है।

पाकिस्तान का प्रस्ताव था, भारत ने निर्णय लिया

ऑपरेशन सिंदूर को ब्राजील का भी समर्थन मिला

ब्राजील में शशि थरूर ने कहा, हम अमेरिकी राष्ट्रपति पद का बहुत सम्मान करते हैं और हम उसी सम्मान को ध्यान में रखते हुए बात करेंगे, लेकिन मोटे तौर पर कहें तो हमारी समझ थोड़ी अलग है। हमें रोकने के लिए किसी को मनाने की जरूरत नहीं थी। हमने पहले ही रुकने के लिए कह दिया था। अगर अमेरिकी राष्ट्रपति या उनके वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किसी को मनाने की जरूरत थी, तो वह पाकिस्तानियों को मनाने की थी। उन्हें मनाना पड़ता। हमें मनाने की जरूरत नहीं है क्योंकि हम युद्ध नहीं चाहते। हम विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। यही मूल संदेश है।

डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि भारत-पाकिस्तान के बीच उन्होंने ही मध्यस्थता कराई। ट्रंप ने ही सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में सबसे पहले भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की जानकारी दी थी। हालांकि भारत ने ट्रंप ने दावे को उस समय भी खारिज कर दिया था। भारत ने बताया था कि पाकिस्तान के डायरेक्टर जनरल मिलिट्री ऑपरेशन (डीजीएमओ) ने भारतीय समकक्ष को फोन करके संघर्ष विराम की अपील की थी। जिसके बाद संघर्ष विराम हुआ।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर को ब्राजील का समर्थन मिला है। ब्राजील ने भारत सरकार के द्वारा आतंकी गतिविधियों की रोकथाम के लिए ऑपरेशन सिंदूर के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया और पाकिस्तान के द्वारा क्रॉस बॉर्डर टेररिज्म की कड़ी भर्त्सना की। प्रतिनिधिमंडल में शामिल भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने यह आधिकारिक जानकारी दी। तेजस्वी सूर्या शशि थरूर की अगुवाई वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य हैं। सूर्या ने कहा, ब्राजीलिया में हमने ब्राजील की संसद के अध्यक्ष, कार्यवाहक विदेश मंत्री और भारत-ब्राजील मैत्री समूह के ▶10 पर

पाकिस्तान छोड़ कर आए लोगों को हक देने की सुध आई

अब तक शरणार्थी थे, अब मिलेगा मालिकाना हक

लखनऊ, 03 जून (एजेंसियां)।

उत्तराखंड की तर्ज पर उत्तर प्रदेश में भी उन पाकिस्तानी शरणार्थियों को जमीन का मालिकाना हक दिया जाएगा जो देश विभाजन के समय पाकिस्तान से भारत आ गए थे। आंजनेय कमेटी की रिपोर्ट पर योगी सरकार शीघ्र ही औपचारिक निर्णय लेगी। इस पर योगी सरकार बाकायदा कानून बनाने पर विचार कर रही है।

मुरादाबाद के मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह की अध्यक्षता में बनी कमेटी ने अपनी रिपोर्ट शासन को सौंप दी है। वर्तमान में करीब 20 हजार शरणार्थी परिवार 50 हजार एकड़ भूमि पर रह रहे हैं, लेकिन उन्हें जमीन का मालिकाना हक आज तक नहीं मिला। 1947 में भारत-पाक विभाजन के समय पाकिस्तान से आए शरणार्थियों को लखीमपुर खीरी, रामपुर, बिजनौर और पीलीभीत में बसाया गया था। इन्हें जीविकोपार्जन के लिए जमीन भी दी गई थी। इनमें से अधिकतर हिंदू और सिख शरणार्थी थे। लेकिन, इनमें से तमाम परिवारों को संक्रमणीय भूमिधर अधिकार नहीं मिला। यानि, इन परिवारों के वारिस अपनी जमीन पर बैंक से फसली ऋण के अलावा कोई और ऋण नहीं ले सकते। उन्हें जमीन बेचने का भी अधिकार नहीं है।

रामपुर में शरणार्थियों के 23 गांव हैं। बिजनौर में ये शरणार्थी अलग-अलग 18 गांव में बसे हैं। लखीमपुर खीरी और पीलीभीत में अलग-अलग गांवों में या जंगलों के किनारे ये लोग बसाए गए। आंजनेय कमेटी की रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ शरणार्थी परिवारों को तब गवर्नमेंट ग्रांट एक्ट (सरकारी भूमि अनुदान अधिनियम) के तहत जमीन दी गई थी। ग्राम सभा और विभिन्न विभागों की स्वामित्व वाली जमीन पर भी बसाया गया। वर्तमान में गवर्नमेंट ग्रांट एक्ट समाप्त हो चुका है। इन शरणार्थी परिवारों को दी गई जमीन पर पूर्ण स्वामित्व यानी संक्रमणीय भूमिधर अधिकार देने के लिए अलग से कानून बनाने की आवश्यकता होगी, ताकि इन मामलों में मौजूदा नियम शिथिल किए जा सकें। उत्त-राखंड के कई जिलों में स्वामित्व देने का काम जमीन का कुछ प्रतिशत मूल्य लेकर किया जा चुका है। उत्तराखंड की तरह ही यहां भी कुछ मूल्य लेकर या निशुल्क संक्रमणीय भूमिधर अधिकार दिया जा सकता है। अलबत्ता, कुछ शरणार्थी परिवार आरक्षित श्रेणी की वन भूमि, चरागाह और तालाब पर भी बसे हैं।

यूपी में रह रहे हैं 20 हजार शरणार्थी परिवार

आंजनेय कमेटी ने की ऐतिहासिक सिफारिश

आंजनेय कमेटी की रिपोर्ट में कहा गया है कि इन्हें अन्यत्र जमीन देने या फिर उसी जमीन पर स्वामित्व अधिकार देने के लिए कानून में बदलाव करने पर विचार करना होगा। वन भूमि पर अधिकार देने के लिए केंद्र सरकार के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट की अनुमति भी लेनी होगी। वहीं, नियमानुसार ग्राम सभा की भूमि उसी गांव के मूल निवासियों को दी जा सकती है। इसी तरह से विभागों की भूमि देने का अधिकार भी संबंधित विभागों को ही है। इस मामले में अब आगे विचार करने के लिए कैबिनेट की उप समिति बनाई जा सकती है। अंतिम निर्णय सरकार को ही लेना है।

कमेटी से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि शरणार्थी परिवारों को दी गई जमीन पर पूर्ण स्वामित्व यानि संक्रमणीय भूमिधर अधिकार देने के लिए अलग से कानून बनाने की आवश्यकता होगी, ताकि इन मामलों में मौजूदा नियम शिथिल किए जा सकें। उत्त-राखंड के कई जिलों में स्वामित्व देने का काम जमीन का कुछ प्रतिशत मूल्य लेकर किया जा चुका है। उत्तराखंड की तरह ही यहां भी कुछ मूल्य लेकर या निशुल्क संक्रमणीय भूमिधर अधिकार दिया जा सकता है। अलबत्ता, कुछ शरणार्थी परिवार आरक्षित श्रेणी की वन भूमि, ▶10 पर

एलन मस्क के पिता ने की सनातन धर्म की सराहना

दुनिया शिव की आराधना करे, सब ठीक हो जाएगा

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां)।

अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क के पिता एरोल मस्क ने सनातन धर्म की सराहना करते हुए कहा कि दुनिया भगवान शिव का अनुसरण करना शुरू कर दे तो सब ठीक हो जाएगा। एरोल ने कहा, मैं सनातन धर्म का कोई विशेषज्ञ तो नहीं हूं, लेकिन इससे प्रभावित जरूर हूं। यह इतना पुराना धर्म है कि ये मुझे हैरान कर देता है। यह हमें बताता है कि हकीकत में हम कितना कम जानते हैं। एलन मस्क के पिता एरोल मस्क ने अपने भारत दौरे पर अयोध्या में राम मंदिर का भी दर्शन किया। राम मंदिर का दर्शन करने के बाद एरोल मस्क ने कहा, मैं सनातन की प्राचीनता से चकित हूं। दुनिया को शिव की आराधना करनी चाहिए। इससे सब ठीक हो जाएगा। सीनियर मस्क ने भारत को विश्व शक्ति कहा और ▶10 पर

पाक के ब्रह्मपुत्र-प्रलाप का असम के सीएम ने दिया करारा जवाब

परमाणु ब्लैकमेल नहीं चला, ब्रह्मपुत्र ब्लैकमेल भी नहीं चलेगा

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां)।

सिंधु नदी जल समझौता स्थगित होने से पाकिस्तान एक बार फिर चीन के कंधे पर सवार होकर भारत के खिलाफ दुष्-प्रचार कर रहा है। पाकिस्तानी प्रोपेगंडा को लेकर फैल रही खबरों पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने मोर्चा संभाला है। उन्होंने पाकिस्तान की झूठी कहानी की हवा निकाल दी है।

मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि भारत ने जबसे सिंधु जल संधि स्थगित कर दी, तबसे पाकिस्तान एक नई घबराहट फैलाने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान कह रहा है, अगर चीन ब्रह्मपुत्र का पानी रोक दे तो? इस पर मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि इस झूठी कल्पना को डर से नहीं, बल्कि तथ्यों और राष्ट्रीय स्पष्टता से देखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अगर चीन ब्रह्मपुत्र का पानी रोक दे तो वह भारत के लिए मददगार साबित होगा, क्योंकि हर वर्ष असम में आने वाली भीषण बाढ़ से लाखों लोग विस्थापित होते हैं और भारी तबाही होती है। ब्रह्मपुत्र एक ऐसा नद है जो भारत में बढ़ता है, घटता नहीं है। चीन ब्रह्मपुत्र के कुल जल प्रवाह में केवल 30-35 प्रतिशत योगदान देता है। वह भी ज्यादातर हिमनदों के पिघलने और सीमित वर्षा से। शेष 65-70 प्रतिशत जल भारत के भीतर ही उत्पन्न होता है, क्योंकि अरुणाचल प्रदेश, असम, नगालैंड और मेघालय में मूसलाधार मानसूनी वर्षा, प्रमुख सहायक नदियां जैसे सुबनसिरी, लोहित, कामेंग, मानस, धनसिरी, जिया-भाराली, कोपिली के जरिए ब्रह्मपुत्र में जाता है। वहीं, मेघालय की खासी, गारो और जयंतिया पहाड़ियों से जल कृष्णाई, दिगारू, कुलसी आदि सहायक नदियों के जरिए ब्रह्मपुत्र में जाता है। भारत-चीन सीमा (तूतिंग) पर प्रवाह 2,000-3,000 घन मीटर/सेकंड है। ▶10 पर

पाकिस्तान को यथार्थ का ज्ञान नहीं केवल बकवास पर भरोसा

कार्रवाई में दखल देने से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

कुख्यात बाटला हाउस पर चलेगा बुलडोजर

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां)।

दिल्ली के जामिया नगर स्थित बाटला हाउस में 40 सम्पत्ति मालिकों के अवैध कब्जे को ध्वस्त करने के लिए राज्य सरकार की ओर से जारी किए गए नोटिस पर सुप्रीम कोर्ट ने किसी भी तरह से हस्तक्षेप करने से इंकार कर दिया है। साथ ही अदालत ने इन याचिकाकर्ताओं को इस मामले से जुड़े संबंधित अधिकारियों से संपर्क करने का सुझाव दिया है। इस तरह बाटला हाउस पर कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया है।

जस्टिस संजय करोल और सतीश वर्मा की पीठ अवकाश पीठ ने इस मामले की अगली सुनवाई को एक माह के बाद जुलाई तक के लिए आगे बढ़ा दिया है। याचिकाकर्ताओं ने दिल्ली विकास प्राधिकरण के नोटिस को गलत करार देते हुए आरोप लगाया था कि उन्हें मामले ▶10 पर

जेपीपी प्रीमियर लीग टर्फ क्रिकेट टूर्नामेंट 29 जून को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु स्थित जेपीपी जैन युवा फाउंडेशन के तत्वावधान में आगामी 29 जून को भव्य जेपीपी प्रीमियर लीग - टर्फ क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। यह टूर्नामेंट खेल के माध्यम से युवाओं को एकजुट करने एवं नेतृत्व विकास को प्रोत्साहित करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

संस्था के अध्यक्ष चेतन कोठारी ने बताया कि जयगच्छाधिपति आचार्य प्रवर पूज्य श्री पार्श्वचंद्र जी एवं डॉ. श्री पद्मचंद्र जी के दिव्य आशीर्वाद से स्थापित जेपीपी जैन युवा फाउंडेशन ने मात्र 60 दिनों में 60 से अधिक युवाओं को सक्रिय रूप से जोड़ा है। इस अल्प समय में संस्था ने उल्लेखनीय

सेवाएं प्रदान की हैं, जिनमें अक्षय तृतीया पर्ण महोत्सव, दैनिक विहार सेवा (बेंगलूरु से अनंतपुर तक), श्री जयमल जैन संस्कार शिविर एवं अहिंसा-पर्यावरण रैली प्रमुख हैं। संस्था का प्रमुख उद्देश्य युवाओं को धर्म, सेवा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ते हुए उनमें नेतृत्व कौशल का विकास करना है। मंत्री अक्षय श्रीश्रीमाल ने बताया प्रथम कार्यकारिणी समिति का गठन भी पूर्ण कर लिया गया हैं और अध्यक्ष के रूप में चेतन कोठारी, उपाध्यक्ष आनंद शियाल एवं सिद्धार्थ गोठावत, मंत्री अक्षय श्रीश्रीमाल, कोषाध्यक्ष निशांत मकाना, सह-मंत्री विशाल लोढ़ा, सवांध्य मंत्री वर्धमान श्रीश्रीमाल, प्रचार-प्रसार मंत्री के रूप में प्रवीण बोहरा को नियुक्त किया गया है। सदस्यों में कल्पेश नाहर, संजय कोठारी, संदीप बाफना, विकास बोहरा, लतेश लोढ़ा, विनोद बोहरा शामिल हैं। जेपीपी प्रीमियर लीग टर्फ क्रिकेट टूर्नामेंट के संचालन हेतु एक विशेष खेल समिति का भी गठन किया गया है। कोषाध्यक्ष निशांत मकाना ने आश्वस्त किया कि जेपीपी जैन युवा फाउंडेशन सदैव समाज व मानवता के हित में कार्य करने वाले संगठनों को पूर्ण सेवा एवं सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेगा।

अभिव्यक्ति काव्य मंच की 39वीं काव्य गोष्ठी आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राष्ट्रीय चेतना परिवार 'अभिव्यक्ति काव्य मंच' की 39वीं काव्य गोष्ठी का आयोजन रविवार को ऑनलाइन गूगल मीट पर हुआ। मीना गुप्ता और स्वीटी सिंघल सखी ने संचालन की बागडोर सँभाली। डॉ.पी. मैथिली राव ने राष्ट्रीय चेतना संस्था का परिचय और उद्देश्यों की जानकारी देते हुए सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रतीक्षा तिवारी की भावपूर्ण सरस्वती वंदना से हुआ। पटल के वरिष्ट सदस्य राधेश्याम सुदर्शन ने मुख्य अतिथि कवि एवं गजलकार मुंबई के यशपाल सिंह यश का परिचय दिया और विशिष्ट अतिथि प्रताप किशोर माथुर तथा कहानीकार पूनम सिन्हा का परिचय क्रमशः उषा गुप्ता और स्वीटी सिंघल द्वारा दिया गया। काव्य गोष्ठी में उर्मिला श्रीवास्तव उर्मि, उषा उमेश गुप्ता, प्रतीक्षा तिवारी, गीता चौबे गूँज,

डॉ. सौम्या, श्रीलाल जोशी, रामगोपाल भारतीय, नरेंद्र शर्मा खामोश, रघुबीर अग्रवाल बंधु, भार्गवी रविन्द्र, राधेश्याम सुदर्शन, सुशील कुमार निर्झर, अमित अनंत, कनु सिंह, मीना गुप्ता, स्वीटी सिंघल 'सखी' ने समसामयिक विषयों पर सुन्दर कविताओं, गीतों और गजलों की प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। अतिथि यशपाल यश ने सभी की प्रशंसा व समीक्षा करते हुए पर्यावरण पर उत्कृष्ट कविता 'थैला लेकर जाइए' और शानदार गीत 'जीवन गर्म चाय की प्याली' सुना कर सभी को आनंदित कर दिया। विशिष्ट अतिथि पूनम सिन्हा ने अपनी कहानी 'घुटन' और प्रताप किशोर माथुर ने देश प्रेम की रचना से गोष्ठी की गरिमा बढ़ाई। अध्यक्ष मंजु गुप्ता लता ने सभी की रचनाओं की प्रशंसा करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया और कर्तव्य और कर्म पर गीत प्रस्तुत कर कर्मठ बन अपना कर्तव्य निभाने की प्रेरणा दी।

अगर किसान फिर से सड़कों पर उतरे तो सरकार की नींव हिल जाएगी: बी.वाई. विजयेंद्र

सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि जिले के किसानों की राय का सम्मान किया जाना चाहिए। जो भी निर्णय लिया जाए, सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए। उन्होंने मंगलवार को भाजपा नेताओं के साथ गुब्बी के सुनकापुर में हेमावती नहर क्षेत्र का दौरा किया और मीडिया से बात की। नहर का काम रोकने की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि हेमावती के पानी के मामले में तुमकुरु के लोगों के साथ किसी भी कारण से अन्याय नहीं किया जाना चाहिए। हेमावती का पानी तुमकुरु के लोगों का अधिकार है। राज्य

सरकार लोगों के संघर्ष और अधिकारों को दबाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि यह अक्षम्य अपराध है। उन्होंने बताया कि पिछले दिनों 20 हजार किसानों ने इसी स्थान पर घेराव किया था। उन्होंने कहा कि हम आज राजनीतिक रंग देने नहीं आए हैं, बल्कि किसानों को धमकाने और एफआईआर दर्ज करने का काम कर रहे लोगों को समझाने आएं हैं। डी.के. शिवकुमार का कहना है कि किसी भी कारण से काम नहीं रोका जाएगा। कृपया इस परियोजना को प्रतिष्ठा के रूप में न लें। यहां के किसानों की राय है कि यह अवैज्ञानिक है। सरकार को अहंकार में आकर कोई फैसला नहीं लेना चाहिए। सरकार को किसानों के साथ बैठकर समस्या का समाधान करना चाहिए। उसे छोड़कर गुंडागर्दी करना, धमकाना या किसानों को गिरफ्तार करना ठीक नहीं है, इससे कुछ नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि अगर किसानों का संघर्ष बिना मान्यता दिए जारी रहा तो सावधान हो जाइए। अगर किसान फिर से सड़कों पर उतर आए तो आपकी सरकार की नींव हिल जाएगी। सभी किसानों को एक साथ लाया जाना चाहिए और उनके नेताओं की वैज्ञानिक जांच होनी चाहिए। वे एक गैर-पक्षपाती संघर्ष कर रहे हैं। मैं मुख्यमंत्री और प्रभारी मंत्री दोनों से अनुरोध करता हूं। उन्होंने सलाह दी कि किसानों के पेट पर लाठियां बरसाकर काम करना ठीक नहीं है। किसी को न्याय देकर तुमकुरु के लोगों के साथ अन्याय करना ठीक नहीं है। इसकी वैज्ञानिक जांच करें ताकि सभी को न्याय मिले। उन्होंने कहा कि किसानों के संघर्ष को हल्के में न लें। इस अवसर पर विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि, विधायक बी. सुरेश गौड़ा, जी.बी. ज्योति गणेश, भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक धीरज मुनिराजू, जिला अध्यक्ष एच.एस. रविशंकर हेब्बाका सहित जिला के नेता व स्थानीय गणमान्य लोग मौजूद थे।

कालिंदी वेलपर मंदिर दर्शन का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारत वर्षीय कर्नाटक दाधीच महिला प्रकोष्ठ टीम ने कोडैकनाल में 3000 वर्ष पूर्व निर्मित कालिंदी वेलपर मंदिर दर्शन का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न किया। जिसमें 30 महिलाओं एवं कुछ बच्चों का संघ बना और सारी व्यवस्था भी कर्नाटक टीम की अध्यक्षा सुषमा आसोपा एवं उनकी टीम ममता दाधिच, रचना सूठवाल, सीमा मुंडेल, पूनम जोशी, नीमा बागड़िया, विजयलक्ष्मी जाजोदिया ने मिलकर संभाला। सभी की सुख सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा गया। गत 30 मई से सोमवार तक के इस दो दिवसीय यात्रा में कोडैकनाल के सुंदर-सुंदर एवं प्रसिद्ध जगहों को देखने का अवसर भी मिला, जिनका सभी ने भरपूर आनंद उठाया। जिससे यह यात्रा सभी के लिए एक अविस्मरणीय एवं यादगार यात्रा बन गई। महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा सुषमा आसोपा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मयूर मित्र वृंदा द्वारा अणम्मा देवी एवं सर्किल मारामादेवी वार्षिकोत्सव मयूर हब्बा 2025 शोभा यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत शामिल हुए।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने आरएसएस नेता को दी राहत दी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ नेता कल्लदका प्रभाकर भट को अंतरिम राहत प्रदान की है तथा राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह गिरफ्तारी आदि जैसी कोई भी बलपूर्वक कार्रवाई न करे। कर्नाटक पुलिस ने भड़काऊ भाषण देने के आरोप में भट के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। न्यायमूर्ति कृष्णकुमार की अध्यक्षता वाली पीठ ने सोमवार को आदेश जारी किया तथा मामले की सुनवाई 10 जून तक स्थगित कर दी। आरएसएस नेता भट ने अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने की मांग करते हुए याचिका दायर की है। उनका दावा है कि भाषण दिए जाने के कई दिनों बाद दुर्भावनापूर्ण इरादे से प्राथमिकी दर्ज की

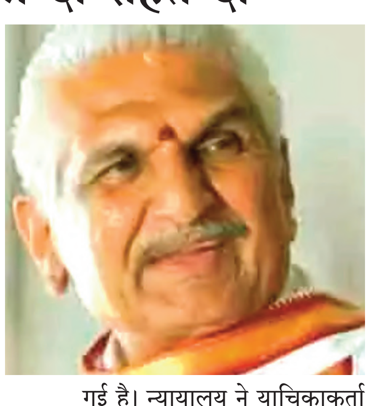

गई है। न्यायालय ने याचिकाकर्ता से जांच में सहयोग करने को कहा तथा अभियोजन पक्ष से कहा कि न्यायालय की सहमति के बिना मामले में आरोप पत्र प्रस्तुत नहीं किया जा सकता। बंटवाल ग्रामीण पुलिस ने मारे गए हिंदू कार्यकर्ता तथा उपद्रवी सुहास शेट्टी की याद में आयोजित कार्यक्रम में कथित रूप से घृणास्पद भाषण देने के आरोप में आरएसएस नेता भट के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता अधिनियम की धारा 353(2) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

तटीय, मलनाड क्षेत्र में सांप्रदायिक ताकतों से निपटने के लिए विशेष टास्क फोर्स का गठन

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के तटीय क्षेत्र और मलनाड क्षेत्रों में सांप्रदायिक अशांति के बढ़ते खतरे को रोकने के लिए एक महत्वपूर्ण और सक्रिय कदम उठाते हुए, राज्य सरकार ने एक विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के गठन को मंजूरी दे दी है। बल का उद्देश्य दक्षिण कन्नड़, उडुपी और शिवमोग्गा के सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील जिलों में शांति बहाल करना और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करना है।

मेंगलूरु में मीडिया से बात करते हुए, गृह मंत्री डॉ जी परमेश्वर ने सरकार के फैसले का खुलासा किया, जिसमें क्षेत्र के सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचाने वाली बार-बार सांप्रदायिक भड़कने की खतरनाक प्रवृत्ति का हवाला दिया गया। नया एसटीएफ एक समर्पित इकाई होगी, जो

जिला पुलिस अधीक्षकों और पुलिस आयुक्तों की सीधी निगरानी में काम करेगी, जो असामाजिक और सांप्रदायिक तत्वों के खिलाफ त्वरित और निर्णायक कार्रवाई सुनिश्चित करेगी। खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, माना जाता है कि छत्तीसगढ़ और झारखंड जैसे क्षेत्रों से नक्सली तत्व कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु के सीमावर्ती क्षेत्रों में पलायन कर रहे हैं और फिर से संगठित हो रहे हैं। इसे ध्यान में रखते हुए सरकार ने मौजूदा नक्सल विरोधी बल (एएनएफ) से कर्मियों के एक हिस्से को पुनः आवंटित करने का निर्णय लिया है। एएनएफ में स्वीकृत 667 पदों में से 248 कर्मियों को अब एसटीएफ में भेजा जाएगा, जबकि 376 पद अगले तीन वर्षों तक एएनएफ संचालन के तहत काम करते रहेंगे। एसटीएफ को तीन कंपनियों में विभाजित किया जाएगा, जिनमें से प्रत्येक को क्रमशः उडुपी, शिवमोग्गा और दक्षिण कन्नड़ में तैनात किया जाएगा। तटीय क्षेत्र में इसकी रणनीतिक केंद्रीयता को देखते हुए, उनके परिचालन मुख्यालय को मेंगलूरु में स्थापित किए जाने की उम्मीद है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने इस घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए कहा उकसावे को रोकने और कानूनी अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए, सरकार ने तटीय क्षेत्र पर केंद्रित एक विशेष टास्क फोर्स का गठन किया है। दक्षिण कन्नड़, उडुपी और शिवमोग्गा को कवर करने वाला यह बल सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ एक सुरक्षा कवच के रूप में काम करेगा, जिसका मुख्यालय मेंगलूरु में होगा। इस कदम ने विभिन्न क्षेत्रों से ध्यान आकर्षित किया है, कई लोगों ने इसे कर्नाटक के सबसे अस्थिर क्षेत्रों में से एक में शांति और सांप्रदायिक सद्भाव को बनाए रखने के लिए समय पर हस्तक्षेप के रूप में देखा है।

वन्यजीव संरक्षण के लिए कर्नाटक वन विभाग के साथ मिलकर काम करेंगे: अनिल कुंबले

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
हाल ही में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले को कर्नाटक वन विभाग और वन्यजीव संरक्षण का राजदूत नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि वे वन और वन्यजीव संरक्षण तथा राज्य में इसके विकास के लिए विभाग के साथ मिलकर काम करेंगे। कुंबले ने मंगलवार को पर्यावरण मंत्री ईश्वर

खंड्रे से मुलाकात की और उन्हें विभाग का राजदूत नियुक्त करने के लिए कर्नाटक सरकार को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक वन्यजीव बोर्ड के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य करने का उनका पिछला अनुभव उन्हें उनकी नई भूमिका में मदद करेगा। मंत्री ने कहा कि कुंबले को वन्यजीव, वन संरक्षण और पर्यावरण के प्रति अत्यधिक चिंता और प्रेम है और उन्होंने बिना किसी पारिश्रमिक की अपेक्षा के वन और वन्यजीवों के लिए राजदूत बनने पर सहमति व्यक्त की है, जो पर्यावरण के प्रति उनकी चिंता और प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पूर्व क्रिकेटर वन और वन्यजीव संरक्षण को बढ़ावा देंगे और लोगों में जागरूकता पैदा करेंगे।

घटते प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ती चिंताओं के बीच पर्यावरण संरक्षण की तत्काल आवश्यकता: राज्यपाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने प्रदूषण और घटते प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ती चिंताओं के बीच पर्यावरण संरक्षण की तत्काल आवश्यकता पर बल देते हुए कहा हमें एक नई चेतना जागृत करनी होगी - जो प्रकृति के प्रति प्रेम और सम्मान, जीवन शैली में सादगी और वनों के प्रति श्रद्धा पर आधारित हो। यहां मंगलवार को आयोजित स्थिरता शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा हाल की चुनौतियों, विशेष रूप से ऑक्सीजन संकट ने हमारे पर्यावरण की रक्षा के महत्वपूर्ण महत्व को रेखांकित किया है। सतत विकास हमारे राष्ट्रीय लोकाचार और शासन दर्शन में गहराई से अंतर्निहित है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत मेक इन इंडिया, स्वच्छ भारत अभियान, राष्ट्रीय ग्रामीण

पेयजल कार्यक्रम, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (शहरी और ग्रामीण), डिजिटल इंडिया, दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना, कौशल भारत और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना सहित कई ऐतिहासिक पहलों के माध्यम से सतत प्रगति के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा राज्य सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और कई राज्य स्तरीय योजनाएं इस राष्ट्रीय दृष्टिकोण में सार्थक योगदान दे रही हैं।

नवाचार और तकनीकी उन्नति के केंद्र के रूप में बेंगलूरु की प्रशंसा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि शहर तेजी से शहरीकरण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव जैसी चुनौतियों से भी जूझ रहा है। यह देखना उत्साहजनक है कि यह शिखर सम्मेलन इन चुनौतियों से निपटने और प्रभाव बढ़ाने के लिए ज्ञान साझा करने और अंतर-क्षेत्रीय सहयोग की शक्ति पर ध्यान केंद्रित करता है।

उन्होंने टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देने और स्थानीय जैव विविधता को संरक्षित करने में भारतीय विश्वविद्यालयों के प्रयासों की सराहना की। देश भर के संस्थान पर्यावरणीय जिम्मेदारी के संरक्षक बन रहे हैं, जो विश्व पर्यावरण दिवस की सच्ची भावना को दर्शाता है।

जब राजगोपालचारी ने कन्नड़ को तमिल से विकसित कहने पर माफी मांगी थी, तो कमल हासन क्यों नहीं: कोर्ट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को अभिनेता कमल हासन से पूछा कि क्या वह अपने इस बयान के लिए माफी मांगना चाहते हैं कि कन्नड़ तमिल से पैदा हुआ है जबकि भारत के तत्कालीन गवर्नर-जनरल सी. राजगोपालचारी ने 1950 के दशक में इसी तरह का बयान देने के लिए माफी मांगी थी। न्यायालय ने राजकमल फिल्म्स इंटरनेशनल का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता से पूछा जब राजगोपालचारी जैसे लोग माफी मांग सकते हैं, तो कमल हासन क्यों नहीं मांग सकते, जिसने हासन की तमिल फिल्म ठग लाइफ की सुचारू रिलीज के लिए कर्नाटक में पुलिस सुरक्षा मांगी है क्योंकि कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स और विभिन्न कन्नड़ समर्थक संगठनों ने अभिनेता द्वारा माफी मांगे जाने तक कर्नाटक में इसकी रिलीज का विरोध किया है। न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने वरिष्ठ अधिवक्ता ध्यान चिन्नप्पा से यह सवाल पूछा कि क्या यह हासन नहीं थे जिन्होंने अपने बयान से कर्नाटक में अशांति की स्थिति पैदा की। हासन याचिकाकर्ता-कंपनी के निदेशकों में से एक हैं। याचिकाकर्ता-कंपनी का प्रतिनिधित्व न्यायालय में एक अन्य निदेशक वी. नारायण ने किया। आप कमल हासन हो सकते हैं, लेकिन किसी भी नागरिक को जनता की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कोई अधिकार नहीं है। तीन चीजें हैं जिनके प्रति लोग बहुत भावुक होते हैं, वे हैं भूमि, जल और भाषा, ये तीनों चीजें किसी भी नागरिक के लिए महत्वपूर्ण हैं। आप जानते हैं कि इस देश का विभाजन भाषाई आधार पर हुआ है। राज्य भाषाई आधार पर बने हैं। इसलिए हासन भाषा के महत्व को जानते हैं। अदालत ने आगे कहा हासन जैसे सार्वजनिक व्यक्ति सार्वजनिक मंच पर यह बयान देते हैं कि एक भाषा दूसरी भाषा से पैदा होती है, जबकि किसी दूसरी भाषा से कोई भाषा

पैदा नहीं हो सकती। इसे समर्थन देने के लिए सामग्री कहां है। उस बयान के कारण जो हुआ है, वह अशांति, वैमनस्य है। कर्नाटक के लोगों ने क्या मांगा? माफी। अब आप अपने द्वारा पैदा की गई परिस्थिति के लिए पुलिस सुरक्षा मांगने के लिए अदालत के सामने आए हैं। क्या कर्नाटक के लोगों ने यह परिस्थिति पैदा की है? जब अदालत ने अधिवक्ता से पूछा कि क्या हासन इतिहासकार हैं, तो अधिवक्ता ने कहा कि अभिनेता ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि वह इतिहासकार नहीं हैं और उनके बयान को संदर्भ से बाहर ले जाया गया है। इस पर अदालत ने पूछा कि किस आधार पर हासन ने विवादास्पद बयान दिया था। न्यायमूर्ति नागप्रसन्ना ने हासन के अधिवक्ता को बताया कि राजगोपालाचारी ने कन्नड़ लेखकों द्वारा लिखे गए पत्र के जवाब में, यह बयान देने के लिए लिखित रूप में माफी मांगी थी कि कन्नड़ तमिल से विकसित हुई है। न्यायालय ने कहा एक माफी से सब कुछ हल हो जाता, जबकि हासन अपने वाणिज्यिक हितों की रक्षा के लिए इस न्यायालय के समक्ष आए हैं।

-ठग लाइफ की रिलीज पर हाईकोर्ट ने रोक लगाई

इसी बीच कर्नाटक और कन्नड़ लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोपों के बाद हाई कोर्ट ने बहुप्रतीक्षित तमिल अभिनेता कमल हासन की फिल्म ठग लाइफ की रिलीज पर रोक लगा दी है।

याचिका की अगली सुनवाई 10 जून को होगी और हाई कोर्ट की एकल सदस्यीय पीठ नागमूर्ति एच. नागप्रसन्ना ने कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स और कमल हासन के बीच विवाद सुलझने तक फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने का आदेश जारी किया है। हाई कोर्ट ने अभिनेता कमल हासन को कड़ी फटकार लगाई है। इसके चलते 5 तारीख को देश-विदेश में रिलीज होने वाली कमल हासन की ठग लाइफ फिल्म कर्नाटक में रिलीज नहीं हो पा रही है। अगर उन्होंने माफी मांगी होती तो याचिका पर सुनवाई हो सकती थी। लेकिन उनका (कमल हासन का) अहंकार आड़े आ रहा है। चैंबर ऑफ कॉमर्स ने उनसे माफी मांगने का अनुरोध किया है। लेकिन कमल हासन का कहना है कि वह माफी नहीं मांगेंगे। एक सप्ताह के भीतर इस मुद्दे का समाधान हो जाना चाहिए। महाधिवक्ता ने तब तक फिल्म को रिलीज न करने का नोटिस जारी किया और याचिका की सुनवाई 10 जून तक के लिए स्थगित कर दी।

नागप्रसन्ना की बेंच ने कमल हासन के वकील ध्यान चिन्नप्पा को निर्देश दिया कि अभी भी अगर आप अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए माफी मांगते हैं तो समस्या का समाधान हो जाएगा। गंभीर परिस्थिति में विवेक का इस्तेमाल जरूरी है। अगर आप जिद्दी बने रहेंगे तो समस्या और बढ़ेगी। आपके मुवक्किलों के लिए समय अभी भी खत्म हो रहा है। अपना सही दिमाग दिखाएं।

अभिनेता कमल हासन के प्रति हमारी कोई नरम भावना नहीं: डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि अभिनेता कमल हासन के प्रति हमारी कोई नरम भावना नहीं है। लेकिन हम चेतावनी दे रहे हैं क्योंकि स्थिति और खराब हो सकती है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कमल हासन ने खुद अदालत का दरवाजा खटखटाया था और अब अदालत ने निर्देश दिया है।

तदनुसार, कमल हासन से माफी मांगने की उम्मीद है। उन्होंने साहित्यकार हम्पा नागराजैया और अन्य लोगों के साथ कमल हासन के बयान पर चर्चा की। इस बात को लेकर आलोचना हुई कि कौन सही है और कौन गलत। सभी द्रविड़ भाषाएं एक जैसी हैं। तमिल, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम एक-दूसरे के साथ मिश्रित हैं। यहां, श्रेष्ठता या हीनता का कोई सवाल नहीं है। कमल हासन व्यक्तिगत रूप से जिद्दी हैं। सभी को अदालत के आदेश का पालन करना चाहिए। अगर अदालत कोई निर्देश देती है, तो उसके अनुसार माफी मांगने की संभावना है। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के इस आरोप का जवाब देते हुए कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार इस मुद्दे पर नरम रुख अपना रहे हैं क्योंकि कमल हासन की पार्टी कांग्रेस की सहयोगी है, उन्होंने कहा भाजपा समाज को बांटती है। हम एकजुट करते हैं। कैंची और सुई दोनों लोहे से बने होते हैं। लेकिन वे अलग-अलग तरीके से काम करते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जाति, धर्म, भाषा और राज्य के नाम पर समाज को विभाजित नहीं करना चाहती। अगर कमल हासन का बयान अति हो जाता है और कम या ज्यादा हो जाता है तो कौन जिम्मेदार है? 50,000 लोग हर दिन बेंगलूरु से होसूर जाते हैं। वे होसूर से यहां आते हैं और यहां बस जाते हैं। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए हमें आगे आना चाहिए। इसमें कोई नरमी नहीं है। उन्होंने कन्नड़ समर्थक संगठनों से स्थिति को चरम पर ले जाए बिना संयम से काम लेने का आह्वान किया।

जश्न मनाते समय कानूनी ढांचे का पालन किया जाना चाहिए: पुलिस आयुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के पुलिस आयुक्त दयानंद ने चेतावनी दी है कि टाटा इंडियन प्रीमियर लीग के फाइनल मैच में किसी भी टीम के जीतने के बाद जश्न मनाते समय कानूनी ढांचे का पालन किया जाना चाहिए और किसी को भी दूसरों को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पुलिस ने पूरे शहर में व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि हमने संवेदनशील इलाकों और सरकारी कार्यालयों के पास पुलिस कर्मियों को तैनात किया है। क्रिकेट प्रशंसकों को जश्न के दौरान किसी भी तरह का अभद्र व्यवहार नहीं करना चाहिए। उन्होंने दोहराया कि उन्हें कानूनी ढांचे के भीतर जश्न मनाना चाहिए और दूसरों को परेशानी नहीं पहुंचानी चाहिए।

आरसीबी और पंजाब के बीच टी-20 क्रिकेट मैच देखने के लिए शहर के अधिकांश हिस्सों में बड़ी स्क्रीन लगाई गई हैं। भीड़भाड़ के कारण होने वाली किसी भी घटना को रोकने के लिए पुलिस वहां भी कार्रवाई करेगी। कुल मिलाकर आयुक्त ने प्रशंसकों से अपील की है कि वे ऐसा व्यवहार करें जिससे कानून-व्यवस्था बाधित न हो।

मेरे शब्दों का उद्देश्य केवल यह बताना था कि हम सभी एक ही परिवार से हैं: कमल हासन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दिग्गज अभिनेता और राजनेता कमल हासन ने मंगलवार को कहा कि वह हमेशा सभी भारतीय भाषाओं की समान गरिमा के पक्षधर रहे हैं और किसी एक भाषा के दूसरे पर प्रभुत्व के खिलाफ हैं, क्योंकि इस तरह का असंतुलन भारत के भाषाई ताने-बाने को कमजोर करता है। कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स को लिखे एक पत्र में, हासन ने उस विवाद को संबोधित किया जो उनकी नवीनतम फिल्म ठग लाइफ के ऑडियो लॉन्च पर उनके द्वारा यह सुझाव दिए जाने के बाद छिड़ा है कि कन्नड़ तमिल से आया है। उनकी टिप्पणियों ने कड़ी प्रतिक्रियाएँ पैदा कीं और परिणामस्वरूप राजनीतिक दलों के विरोध के कारण कर्नाटक में फिल्म के रिलीज न होने की संभावना बन गई। मुझे दुख है कि ठग लाइफ ऑडियो लॉन्च पर मेरे बयान को - जो

कि महान डॉ. राज कुमार के परिवार, विशेष रूप से शिव राजकुमार के प्रति सच्चे स्नेह से कहा गया था - गलत समझा गया और संदर्भ से बाहर ले जाया गया। मेरे शब्दों का उद्देश्य केवल यह बताना था कि हम सभी एक हैं और एक ही परिवार से हैं और किसी भी तरह से कन्नड़ को कमतर नहीं आंकना है। कन्नड़ भाषा के समृद्ध इतिहास के बारे में बोलते हुए हासन ने कहा कन्नड़ भाषा की समृद्ध विरासत पर कोई विवाद या बहस नहीं है। तमिल की तरह, कन्नड़ की भी एक गौरवशाली साहित्यिक और सांस्कृतिक परंपरा है जिसकी मैं लंबे समय से प्रशंसा करता रहा हूँ। अपने पूरे करियर के दौरान मैंने कन्नड़ भाषी समुदाय द्वारा मुझे दी गई गर्मजोशी और प्रभावित करने वाले भाव को संजोया है, और मैं स्पष्ट विवेक और दृढ़ विश्वास के साथ कहता हूँ, भाषा के लिए मेरा प्यार सच्चा है और कन्नड़ लोगों के अपनी मातृभाषा के प्रति प्रेम के लिए मेरे मन में बहुत सम्मान है। हासन ने आगे कहा सिनेमा एक सार्वभौमिक भाषा है जो केवल प्रेम और बंधन को जानती है। मेरा बयान यह स्थापित करने के लिए भी था कि हम सभी के बीच एकता और बंधन है। यह प्रेम और बंधन ही है जो मेरे वरिष्ठों ने मुझे सिखाया था जिसे मैं साझा करना चाहता था। इसी प्रेम और बंधन के कारण शिवन्ना ऑडियो लॉन्च कार्यक्रम में शामिल हुए। मुझे वास्तव में खेद है कि शिवन्ना को इस कारण इतनी शर्मिंदगी से गुजरना पड़ा।

हेमावती नदी जल आंदोलन को दबाना असंभव: बी.वाई. विजयेंद्र

भाजपा हाथ बांधकर नहीं बैठेगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि सरकार की कार्रवाई दक्षिण कन्नड़ और तटीय क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था को पूरी तरह से नष्ट कर रही है। अगर इसे ठीक करने के बजाय सरकार गुंडों की तरह पुलिस का इस्तेमाल करती है, तो भाजपा हाथ बांधकर नहीं बैठेगी। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, मैंने सोमवार रात राष्ट्रीय नेताओं के साथ इस मुद्दे पर चर्चा की।

हमारे सांसद और विधायक वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मिलेंगे। दक्षिण कन्नड़ जिले में कई लोगों के निर्वासन के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा एक समय था जब इस देश पर राजाओं का शासन था।

हमने उस समय सामंतों के बारे में सुना है। मौजूदा कांग्रेस सरकार उन सामंतों की तरह राज्य चला रही है। सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली सरकार तुगलक शैली का प्रशासन चला रही है जो लोकतंत्र को दबाती है। उन्होंने कहा हाल के महीनों में इस कांग्रेस सरकार के शर्मनाक व्यवहार को देखिए। ऐसे समय में जब लोग राज्य में विकास की कमी पर आक्रोश व्यक्त कर रहे हैं, सरकार ऐसी घटनाओं के जरिए अपनी विफलताओं को छिपाने की कोशिश कर रही है। साथ ही, वह हिंदू कार्यकर्ताओं का अपमान करने की साजिश भी कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सुहास की हत्या के दौरान कुछ दुष्ट ताकतों ने गृह मंत्री को सुहास के घर जाने से रोका। उन्होंने कहा कि सुहास शेट्टी की हत्या में महिलाएं भी शामिल थीं और यह सब विजुअल मीडिया पर दिखाया गया। उन्होंने कहा तीन-चार महिलाएं सड़क पर खड़ी थीं और हत्यारों और देशद्रोहियों को कार में बैठने और भागने में मदद कर रही थीं। उन्होंने पूछा इस बारे में क्या किया गया है? क्या उन्हें गिरफ्तार किया गया है? हमें अब यह विश्वास नहीं है कि हमारे राज्य में कोई निर्वाचित सरकार है या पुलिस कानून-व्यवस्था बनाए रख रही है। इस बीच, संघ परिवार के वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह हिंदू नेताओं और कार्यकर्ताओं को धमकाने की साजिश है। पुलिस आधी रात को दरवाजे खटखटा रही है और हमारे कार्यकर्ताओं से पूछताछ कर रही है। क्या हम लोकतंत्र में रह रहे हैं? हम कहाँ हैं?

उन्होंने कहा राज्य सरकार किसानों के अधिकारों का दमन करके अपनी छवि खराब कर रही है। वह हेमावती नदी के पानी के मुद्दे पर किसानों के विरोध को दबाने की कोशिश कर रही है। सरकार इस आंदोलन को दबाने के लिए पुलिस की गुंडागर्दी का इस्तेमाल कर रही है। हो सकता है कि एक या दो लोगों ने पत्थर फेंके हों - यह स्वीकार्य नहीं है। पुलिस हमारे राज्य का हिस्सा है। लेकिन इस तरह की घटनाओं का इस्तेमाल हमारे कार्यकर्ताओं और किसान नेताओं को निशाना बनाने और उन्हें सलाखों के पीछे डालने के बहाने के रूप में करना एक साजिश है।

इससे हेमावती नदी के पानी के विरोध को दबाने में मदद नहीं मिलेगी। उन्होंने यह कहते हुए निष्कर्ष निकाला, मैं और पार्टी के अन्य नेता साइट का दौरा करेंगे। यह निकम्मी कांग्रेस सरकार कोई विकास कार्य नहीं कर रही है। यह विकास के लिए धन भी उपलब्ध नहीं करा सकती है। कानून और व्यवस्था का पतन सरकार की साजिश के कारण है। यह सब उनकी विफलताओं को छिपाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा हम राज्य सरकार को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के बारे में सलाह देने वाले बड़े लोग नहीं हैं, लेकिन भाजपा के पास इस सरकार के गुंडागर्दी और अहंकार को तोड़ने की ताकत है। हमारे कार्यकर्ताओं में वह ताकत है। हम आने वाले दिनों में यह दिखाएंगे।

निजी स्कूल की जमीन हड़पने की कोशिश

शिवकुमार ने कांग्रेस नेता के खिलाफ कार्रवाई के लिए नोटिस जारी किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने अधिकारियों को एक निजी स्कूल की जमीन पर अतिक्रमण करने की कोशिश करने वाले कांग्रेस नेता के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

शहर के विद्यारण्यपुरा के एम.एस. पाल्या स्थित श्री शारदा विद्यानिकेतन स्कूल के शिक्षक, प्रबंधन, अभिभावक और छात्र सदाशिवनगर स्थित डी.के. शिवकुमार के घर पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। धनंजय नामक व्यक्ति ने स्कूल पर अवैध कब्जा कर लिया है और गुंडों का इस्तेमाल कर छात्रों और शिक्षकों को स्कूल परिसर से बाहर निकाल दिया है।

उसने स्टाफ के साथ भी दुर्व्यवहार किया है। उसने शिकायत की है कि वह अभी भी स्कूल परिसर पर अतिक्रमण कर रहा है। अभिभावकों ने अतिक्रमण से हो रही परेशानियों के बारे में बताया। डी.के. शिवकुमार ने तुरंत डीडीपीआई, पुलिस कमिश्नर और वरिष्ठ अधिकारियों को फोन किया। फोन पर बात करते हुए डीडीपीआई ने यह कहने की कोशिश की कि उनके ध्यान में यह मामला नहीं आया है। इस पर नाराज डी.के. शिवकुमार ने कहा,

200 लोग मेरे घर आकर अपनी समस्याएं बता रहे हैं। आप कैसे कह सकते हैं कि आपको नहीं पता? आपको तुरंत मौके पर जाकर देखना चाहिए। दोपहर तक तथ्यों की रिपोर्ट मुझे देनी चाहिए। जब अतिक्रमण करने वाले धनंजय को कांग्रेस नेता बताया गया तो डी.के. शिवकुमार ने और अधीरता दिखाते हुए कहा कोई भी किसी भी पार्टी का नाम ले, मुझे परवाह नहीं है कि वे मेरा नाम लें, स्कूल और छात्रों का भविष्य महत्वपूर्ण है। अतिक्रमण को हटाया जाना चाहिए और समझौते के अनुसार स्कूल को चलने दिया जाना चाहिए। यदि बीईओ इस संबंध में कार्रवाई नहीं करते हैं, तो उन्हें निलंबित करना पड़ेगा। हम रियल एस्टेट का कारोबार करके स्कूलों को इस तरह परेशान नहीं कर सकते। मैं भी एक स्कूल चला रहा हूं। भले ही मैं वारिस हूं, लेकिन स्कूल समाज की संपत्ति है। यदि शैक्षणिक संस्थानों की सुरक्षा नहीं की गई, तो इसका असर बच्चों के भविष्य पर पड़ेगा। हम छात्रों के हित में बिना किसी हिचकिचाहट के कार्रवाई करेंगे, चाहे वे किसी भी पार्टी के हों। यदि यह विवाद हल नहीं हुआ, तो मैं व्यक्तिगत रूप से मौके पर जाऊंगा। उन्होंने कहा मैंने पहले ही पुलिस आयुक्त, जिला मजिस्ट्रेट और डीडीपीआई को निर्देश दे दिया है।

सांसद चौटा ने आतंकवाद के खिलाफ उच्च स्तरीय मिशन में भारत का प्रतिनिधित्व किया

5 देशों का दौरा संपन्न

मंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ से सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ देश के दृढ़ रुख को उजागर करने के लिए पांच देशों के दौरे पर भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एक उच्च स्तरीय सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में एक महत्वपूर्ण राजनयिक मिशन को सफलता-पूर्वक पूरा किया है। यह मिशन ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत के विस्तारित वैश्विक आउटरीच का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य आतंकवाद के प्रति अपनी शून्य-सहिष्णुता की नीति को मजबूत करना और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना था। कैप्टन बृजेश चौटा ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, इस अभियान का उद्देश्य आतंकवाद के खिलाफ भारत की एकजुट आवाज को वैश्विक समुदाय तक पहुंचाना और आतंकवाद को प्रायोजित करने वाले राज्य के रूप में पाकिस्तान के मुखौटे को उजागर करना था। उन्होंने कहा इस तरह के महत्व-पूर्ण मंच पर न केवल भारत बल्कि अपने गृह क्षेत्र दक्षिण कन्नड़ का प्रतिनिधित्व करना बहुत गर्व की बात थी। राजनयिकों, विदेशी सरकारी अधिकारियों और यूरोप भर के विचारकों के साथ जुड़ना एक दुर्लभ और समृद्ध प्रशासनिक अनुभव प्रदान करता है। उन्होंने कहा यह विदेशी मिशन बेहद यादगार और सार्थक रहा है। मैं इस प्रतिष्ठित प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनने का अवसर देने के लिए केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं।

स्पेन में प्रतिनिधिमंडल का अंतिम पड़ाव मैड्रिड में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ शुरू हुआ, जो भारत के शांतिपूर्ण लेकिन दृढ़ दृष्टिकोण का प्रतीक है। टीम ने भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत की, जहां 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों में जीवित बचे स्पेनिश व्यवसायी आर्टुरो फर्नांडीज अल्वारेज ने एकजुटता दिखाई और पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद की निंदा करने के आह्वान में शामिल हुए।

अंतिम दिन, यूरोप परिषद की संसदीय सभा के उपाध्यक्ष एंटोनियो गुटियरेज लिमोन्स और स्पेनिश सीनेट की विदेश मामलों की समिति के साथ बैठकें हुईं। प्रतिनिधिमंडल ने स्पेनिश सरकार के सदस्यों, नागरिक समाज के प्रतिनिधियों और आतंकवाद के पीड़ितों के संघ के साथ भी बातचीत की, जो 4,800 से अधिक आतंकवाद पीड़ितों का समर्थन करता है।

स्पेन से पहले, प्रतिनिधिमंडल ने लातविया का दौरा किया, जहाँ उन्होंने सेइमा की विदेश मामलों की समिति की अध्यक्ष इनारा मुर्निएस और भारत-लातविया संसदीय सहयोग समूह की अध्यक्ष ईंग्रिडा सिर्सनि से मुलाकात की। चर्चा में वरिष्ठ लातवियाई अधिकारी, बाल्टिक विधानसभा के प्रतिनिधि और भारतीय राजनयिक भी शामिल थे। टीम ने विदेश मंत्रालय के राज्य सचिव, एंडजेज विलम्स और राजदूत एंडजेज पिल्डेगोविक्स, लातविया की 2026-27 यूएनएससी उम्मीदवारी के लिए विशेष दूत और अंतर्राष्ट्रीय संगठन और मानवाधिकार विभाग के निदेशक से मुलाकात की।

यह यात्रा ऐतिहासिक महत्व रखती है क्योंकि यह जुलाई 2024 में रीगा में भारत द्वारा अपना दूतावास खोलने के बाद से लातविया में पहला उच्च स्तरीय भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल है।

22 मई को नई दिल्ली से प्रस्थान करने के बाद से, सांसद कनिमोझी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने रूस, स्लोवेनिया, ग्रीस, लातविया और स्पेन की यात्रा की। सभी पाँच देशों में आतंकवाद के खिलाफ भारत के प्रयासों के लिए समर्थन के मजबूत बयान जारी किए गए। हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले की भी व्यापक अंतरराष्ट्रीय निंदा हुई।

मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने

हिडकल बांध से धारवाड़ तक पानी मोड़ने में शामिल होने से किया इनकार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने इस बात से इनकार किया है कि बेलगावी के हिडकल से घाटप्रभा नदी के पानी को धारवाड़ के औद्योगिक क्षेत्र में मोड़ने के पीछे उनका हाथ था। उन्होंने बेलगावी में संवाददाताओं से कहा मेरा उस योजना से कोई लेना-देना नहीं है। वास्तव में, मुझे यह भी नहीं पता था कि हिडकल से धारवाड़ तक पानी मोड़ा जा रहा है। इसके लिए मुझे दोषी नहीं ठहराया जा सकता। मुझे इस बारे में कुछ नहीं कहना है। उन्होंने इन आरोपों को निराधार बताया कि उन्होंने धारवाड़ में अपने बेटे (मृणाल हेब्बालकर) की चीनी फैक्ट्री की जरूरतों को पूरा करने के लिए हिडकल से धारवाड़ तक पानी मोड़ने के लिए संबंधित मंत्रियों को प्रभावित किया था। उन्होंने कहा मेरे परिवार की गन्ना फैक्ट्री में पर्याप्त पानी है। हमारे पास पास में एक नाला बहता है। मैंने आस-पास 15 बोरवेल खोदे हैं। प्रत्येक बोरवेल से 3-5 इंच पानी निकलता है। हमें बाहरी पानी की आपूर्ति की आवश्यकता नहीं है। यह पूछे जाने पर कि वह हिडकल से धारवाड़ तक पानी के डायवर्जन का विरोध क्यों नहीं कर रही हैं, उन्होंने दावा किया कि इस मुद्दे पर कोई राय रखने के लिए उन्हें योजना के बारे में उचित जानकारी नहीं है। हालांकि, मैं यह स्पष्ट कर दूं कि मैं ऐसा कुछ भी नहीं करूंगी जो बेलगावी जिले के हितों के लिए हानिकारक हो। पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक रमेश जारकीहोली ने अथानी में संवाददाताओं से कहा कि वह हिडकल से धारवाड़ तक पानी के डायवर्जन का कड़ा विरोध करेंगे। उन्होंने कहा उद्योग मंत्री एम.बी. पाटिल ने कहा है कि वे उद्योगों को पानी मुहैया करा रहे हैं क्योंकि औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देना सरकार का प्राथमिक कर्तव्य है। मेरे पास उनसे एक बहुत ही सरल सवाल है, बेलगावी में उद्योगों को सुविधा क्यों नहीं दी जा रही है, जहां पानी है? अगर नहीं, तो धारवाड़ में उद्योगों से स्थानीय जल स्रोतों का उपयोग करने के लिए क्यों नहीं कहा जा रहा है? वहां पर्याप्त पानी है। पूर्व सिंचाई मंत्री ने कहा कि वे मुख्यमंत्री से संपर्क करेंगे और उन्हें यह विचार छोड़ने के लिए मनाएंगे। जारकीहोली ने कहा मेरे पास यह दिखाने के लिए विश्वसनीय जानकारी है कि धारवाड़ के पास 60 टीएमसीएफटी से अधिक पानी उपलब्ध है। इसका उपयोग उद्योगों के लिए किया जाना चाहिए, न कि हिडकल बांध के पानी का, जो कृषि के लिए है।

रहमान हत्याकांड मामला

आरोपियों को घटनास्थल पर पूछताछ के लिए 4 स्थानों पर ले जाया गया

मंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कुरियाल गांव के इरा कोडी में 27 मई की शाम को हुई पिकअप वाहन चालक अब्दुल रहमान की हत्या के सिलसिले में पुलिस ने दो मुख्य आरोपियों को सोमवार की शाम को बेल्टांगडी लाया और चार स्थानों पर घटनास्थल पर जांच की। पुलिस ने मामले के सिलसिले में पांच लोगों को गिरफ्तार कर हिरासत में ले लिया है और आरोपियों के विभिन्न स्थानों पर घटनास्थल पर जांच शुरू कर दी है। बंटवाल तालुक के कुरियाल गांव के मुंडारा कोडी के दीपक (21) और उसी तालुक के तेनकाबेल्लूर गांव के सुमित आचार्य (27) को कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच चार स्थानों पर महाजर (मौके पर जांच) के लिए लाया गया। सूत्रों के अनुसार, अब्दुल रहमान की कथित हत्या के बाद, दो मुख्य आरोपी दीपक और सुमित आचार्य बाइक पर सवार होकर बेल्टांगडी की ओर भाग गए थे। बताया जाता है कि रास्ते में उन्होंने गुरुवयनकेरे की एक दुकान से नए रेनकोट खरीदे, संथेकट्टे की एक मोबाइल दुकान से सिम कार्ड खरीदा और बाद में सिम को तीन-रोड जंक्शन के पास एक नाले में फेंक दिया। कथित तौर पर, उन्होंने चिक्कमगलूरु की ओर भागने से पहले कलमाने गांव में निद्रिगल नदी में अपने मोबाइल फोन फेंक दिए।

पर्यावरण कार्यकर्ताओं को 'गोवा सरकार के एजेंट' कहने पर भाजपा सांसद से माफी की मांग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में महादयी बेसिन परियोजनाओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने भाजपा सांसद जगदीश शेट्टर से उन्हें 'गोवा सरकार के एजेंट' कहने पर माफी की मांग की है। बेलगावी में कार्यकर्ता सुजीत मुलगुंड ने कहा बेलगावी के सांसद जगदीश शेट्टर द्वारा बेलगावी के प्रतिष्ठित पर्यावरणविदों को 'गोवा सरकार के एजेंट' कहना न केवल शर्मनाक है, बल्कि यह सच्चाई, गरिमा और लोगों की लोकतांत्रिक आवाज पर जानबूझकर किया गया हमला है। सांसद को तुरंत सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि जिन कार्यकर्ताओं को शेट्टर ने एजेंट कहा है, वे सम्मानित व्यक्तित्व हैं जिन्होंने पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण के लिए दशकों तक कड़ी मेहनत की है। दिलीप कामत जो 60 से अधिक वर्षों से निस्वार्थ सक्रियता में शामिल हैं। उन्होंने बाबा आमटे के साथ मिलकर काम किया है और 80,000 एकड़ जंगल को कॉरपोरेट और अन्य लोगों के शोषण से बचाया है।

शिवाजीराव कगनीकर, जिन्हें 'उत्तर कर्नाटक के जल पुरुष' के रूप में जाना जाता है, उन्हें राज्योत्सव और देवराज उर्स पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। वे एक गांधीवादी हैं और वंचित वर्गों के लिए न्याय, वर्षा जल संचयन और वनीकरण के लिए अथक वकालत करते रहे हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल श्रीकृष्ण सरदेशपांडे एक युद्ध नायक हैं, जिन्हें उत्तम युद्ध सेवा पदक, अति विशिष्ट सेवा पदक और राज्योत्सव पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने पर्यावरण सक्रियता के साथ भीमगढ़, कोडाचाद्री और महादेई संरक्षण क्षेत्रों की नींव रखी।

कार्यकर्ताओं में कर्नल रवींद्र सैनी, कैप्टन नितिन धोंड, नायला कोलोहो और शारदा गोपाल भी शामिल हैं। इनमें सामाजिक कार्यकर्ता, वैज्ञानिक, समाज सुधारक, शिक्षक, इस धरती के सभी बेटे और बेटियाँ शामिल हैं जो पर्यावरण की रक्षा के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। ये बाहरी लोग नहीं हैं। ये बेलगावी की आत्मा हैं, हमारे जंगलों, नदियों और समुदायों के संरक्षक हैं। इन्हें कई सरकारों से पुरस्कार मिल चुके हैं, जिनमें परिसर मित्र पुरस्कार और मुख्यमंत्रियों की प्रशंसा शामिल है। शेट्टर को उनका अपमान करने का कोई अधिकार नहीं है। इन पर्यावरण योद्धाओं ने वह हासिल किया है जिसका राज-नेता केवल वादा करते हैं। उन्होंने वोट या सत्ता मांगे बिना हमारी जमीन की रक्षा की है। शेट्टर के हमले में राजनीतिक असुरक्षा की बू आती है और असली मुद्दे से ध्यान हटाने की कोशिश की गई है।

इंस्टाग्राम यूजर पर सांप्रदायिक पोस्ट के लिए मामला दर्ज

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। बेलगावी पुलिस ने एक सोशल मीडिया यूजर के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले संदेश पोस्ट करने के लिए मामला दर्ज किया है। इंस्टाग्राम यूजर को जिले में हाल ही में एक नाबालिग के साथ हुए सामूहिक बलात्कार के बारे में संदेश पोस्ट करने के लिए नोटिस जारी किया गया है। उसने आरोपियों के नाम बताए और मामले को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की। उसने एक खास धर्म के अनुयायियों का अपमान भी किया। पुलिस ने बीएनएस 192 (दंगा भड़काने के इरादे से जानबूझकर उकसाना) के तहत मामला दर्ज किया है और जांच अधिकारी के सामने पेश होने का नोटिस जारी किया है। पुलिस कमिश्नर बोरसे भूषण गुलाबराव ने लोगों से सोशल मीडिया का जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा सभी को कानून और व्यवस्था बनाए रखने और शांति सुनिश्चित करने में सहयोग करना चाहिए। किसी भी कानून का उल्लंघन करने पर सख्ती से निपटा जाएगा।

पुलिस ने तट पर हिंदू कार्यकर्ताओं और नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की

निर्वासित हथियार का इस्तेमाल किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सिलसिलेवार हत्याओं के माध्यम से सांप्रदायिक संघर्ष का केंद्र रहे तटीय क्षेत्र में निर्वासन प्रक्रिया ने अब बड़ी चर्चा पैदा कर दी है। सांप्रदायिक और उदारव-ादी भावना को दबाने के लिए जिला पुलिस रात-रात भर कार्यकर्ताओं और संगठनों के नेताओं के घरों पर छापेमारी कर रही है और जीपीएस लोकेशन ट्रैकर हासिल कर रही है और आधी रात को पुलिस अधिकारी संगठनों के नेताओं और कार्यकर्ताओं को आरोपी की तरह रोक रहे हैं और फोटो खींच रहे हैं। जिला प्रशासन के इस व्यवहार ने हिंदुत्व की रक्षा के लिए अपनी जान की बाजी लगाने वाले कार्यकर्ताओं में चिंता पैदा कर दी है। दक्षिण कन्नड़ जिले के भाजपा उपाध्यक्ष अरुण पुतिला समेत 36

लोगों को निर्वासित करने का नोटिस दिया गया है। भड़काऊ भाषण देने के आरोप में संघ परिवार के एक प्रमुख नेता प्रभाकर भट समेत कई लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

कब, किसे और कैसे गिरफ्तार किया जाएगा, इसे लेकर चिंता बनी हुई है। निर्वासन के लिए सूचीबद्ध नामों में अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े संगठनों के नाम भी जोड़े गए हैं। तटीय क्षेत्र राज्य में एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, खासकर दक्षिण कन्नड़ में। यह एक लोकप्रिय निवेश क्षेत्र था। सांप्रदायिक संघर्ष के कारण वहां का माहौल खराब हो गया है और हाल ही में लगातार हत्याएं हुई हैं। सरकार ने तटीय क्षेत्रों में सांप्रदायिक भावनाओं को दबाने और स्थिति को शांत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। सांप्रदायिक हिंसा दमन बल के गठन के लिए पहले ही अधिसूचना जारी की जा चुकी है। पुलिस ने मॉक ड्रिल के जरिए आरोपियों में डर पैदा करने और जनता का विश्वास बढ़ाने की कोशिश की है। निर्वासन का हथियार इसलिए इस्तेमाल किया गया है क्योंकि कई नेता भड़काऊ भाषणों के जरिए शांति भंग कर रहे हैं। अरुण पुतिला को कलबुर्गी निर्वासित करने के लिए नोटिस जारी किया गया है और सुनवाई 6 जून को तय की गई है। जिला प्रशासन के इस व्यवहार से सार्वजनिक क्षेत्र में आक्रोश फैल गया है। आरोप हैं कि हिंदू कार्यकर्ताओं और नेताओं को निशाना बनाकर ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं। खासकर अब्दुल रहीम की हत्या के बाद यह प्रक्रिया तेज हो गई है और कांग्रेस सरकार पर तुष्टिकरण के आरोप लगे हैं। हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया है कि वह किसी के भी गलत काम को बर्दाश्त नहीं करेगी और कानून को अपने हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी, चाहे वे हिंदू हों या मुसलमान।

मंत्री सतीश जारकीहोली ने मानद डॉक्टरेट की उपाधि लेने से किया इनकार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें दी गई मानद डॉक्टरेट डी. लिट की उपाधि लेने से इनकार कर दिया है। इस संबंध में उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति को पत्र लिखकर विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें दी गई मानद डॉक्टरेट की उपाधि वापस लेने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय इसे विदेशी न मानते हुए स्वेच्छा से लिया गया है और उन्हें उम्मीद है कि इस निर्णय का स्वागत किया जाएगा। मुझे मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान करके आपने समाज में मेरी जिम्मेदारी बढ़ा दी है। मैंने समाज सेवा में जो कार्यक्रम शुरू किए हैं, उन्हें सफल बनाने के लिए मैंने कई योजनाएं बनाई हैं। इसे लागू करने की मुझ पर बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि इसके लिए और समय की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि 27 मार्च को राज्य मुक्त विश्वविद्यालय के कुलाधिपति, कुलपति, प्रतिकुलपति और प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय की मानद डॉक्टरेट डी. लिट की उपाधि प्रदान करने के लिए वे प्रबंधन बोर्ड के प्रति बहुत आभारी हैं।

भारत में लॉन्च हुआ पहला स्वदेशी भाषा वाला एआई मॉडल

22 भाषाओं में करेगा अनुवाद, दूर होंगी संवाद चुनौतियां

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने भारतीय भाषाओं के लिए स्वदेशी एआई मॉडल भारत जेन लॉन्च किया। यह मॉडल आईआईटी बॉम्बे में विकसित हुआ है और देश के भाषाई-सांस्कृतिक विकास में अहम भूमिका निभाएगा। इस तरह भारतीय भाषाओं के लिए स्वदेशी रूप से विकसित कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मल्टीमॉडल वृहद भाषा मॉडल (एलएलएम) भारत जेन का शुभारंभ हो गया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय अंतःविषयी साइबर-भौतिक प्रणाली मिशन के तहत विकसित और आईआईटी बॉम्बे में आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) और आईओई (इंटरनेट ऑफ एवरीथिंग) के लिए टीआईएच फाउंडेशन के जरिए कार्यान्वित भारत जेन का उद्देश्य भारत के भाषाई और सांस्कृतिक स्पेक्ट्रम में एआई विकास में क्रांति लाना है। यह पहल विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा समर्थित है तथा अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों, विशेषज्ञों और नवप्रवर्तकों के एक संघ को एक साथ लाती है। सिंह ने कहा कि भारत जेन ऐसा एआई बनाने का राष्ट्रीय मिशन है जो नैतिक, समावेशी, बहुभाषी हो और भारतीय मूल्यों तथा लोकाचार में गहराई से निहित हो। यह प्लेटफॉर्म पाठ, भाषण और छवि के तौर-तरीकों को एकीकृत करता है तथा 22 भारतीय भाषाओं में निर्बाध भाषाई एआई समाधान प्रदान करता है। यह पहल स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कृषि और शासन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को सशक्त बनाएगी। साथ ही क्षेत्र-विशिष्ट एआई समाधान प्रदान करेगी जो प्रत्येक भारतीय की जरूरतों को समझेंगे और उनकी सेवा करेंगे।

दूसरा पहलू यह भी है कि एआई और मशीन लर्निंग क्षेत्र में भर्तियां तो 25 फीसदी बढ़ी हैं, लेकिन सूचना प्रौद्योगिकी में 5 प्रतिशत गिरावट आई है। एआई और मशीन लर्निंग क्षेत्र में भर्तियों में सालाना आधार पर 25 प्रतिशत की तेजी दर्ज हुई है, जबकि आईटी सेक्टर में नौकरियां 5 प्रतिशत घटी हैं। रियल एस्टेट और बीमा क्षेत्र में मामूली बढ़ोतरी हुई, वहीं बैंकिंग-फाइनेंस क्षेत्र में यूनिकॉर्न कंपनियों ने 29 प्रतिशत तक भर्ती बढ़ाई। हैदराबाद, कोच्चि और पुणे में भी नियुक्तियों में इजाफा हुआ।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग (एआई/एमएल) क्षेत्र में सालाना आधार पर भर्तियों में 25 फीसदी की तेजी आई है। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र (आईटी) में नौकरियां सालाना आधार पर पांच फीसदी घटी हैं। नौकरी जॉबस्पीक की रिपोर्ट के अनुसार, महानगरों में एआई/एमएल में भर्ती की रफ्तार बनी रही। वरिष्ठ पेशेवरों की मांग भी स्थिर रही। यह रुझान पिछले एक साल से स्थिर है। मई, 2025 में समग्र भर्ती स्थिर रही। हालांकि, रियल एस्टेट (5 फीसदी) और बीमा (6 फीसदी) जैसे उद्योग में ठीक-ठाक तेजी रही। खुदरा, दूरसंचार, बैंकिंग, फाइनेंस और ब्रोकिंग क्षेत्र में नियुक्तियों में 8-9 फीसदी की गिरावट आई। हालांकि, बैंकिंग-वित्तीय सेवाओं में यूनिकॉर्न ने नियुक्तियों में 29 फीसदी की वृद्धि की। हैदराबाद और कोच्चि में नियुक्तियों में 7 और 8 फीसदी की वृद्धि रही। पुणे में कुल भर्ती में 4 फीसदी की बढ़ोतरी रही।

एनएलबी सर्विसेज ने कहा, भारत के हरित क्षेत्र में 2027-28 तक 72.9 लाख नौकरियां जुड़ने की उम्मीद है। इसमें हरित तकनीक क्षमताओं के निर्माण में तेजी से निवेश हो रहा है। नए रोजगार का अधिकांश हिस्सा नवीकरणीय ऊर्जा, कचरा प्रबंधन, ई-वाहन, टिकाऊ वस्त्र और हरित निर्माण जैसे उद्योगों से आएगा। हरित परिवर्तन को बढ़ावा देना भारतीय कंपनियों के लिए प्राथमिकता बनती जा रही है।हरित क्षेत्र में 2047 तक 3.5 करोड़ नौकरियां जुड़ने की उम्मीद है।

क्षीर भवानी के मेले में आने वाले कश्मीरी पंडित

35 साल से मांग रहे हैं कश्मीर वापसी की दुआ

जम्मू, 03 जून (ब्यूरो)। करीब 35 सालों से, जबसे कश्मीरी पंडितों ने कश्मीर से पलायन किया है, सैकड़ों कश्मीरी पंडित परिवार क्षीर भवानी में एकत्र होकर वापसी की दुआ तो मांग रहे हैं पर अभी तक उनकी दुआ स्वीकार नहीं हुई है। सैंकड़ों कश्मीरी पंडितों ने आज भी ज्येष्ठा अष्टमी पर तुलमुला स्थित मां रागन्या के मंदिर में एकत्र होकर क्षीर भवानी को श्रद्धा के फूल चढ़ाए। इसी प्रकार विस्थापित कश्मीरी पंडितों ने जम्मू में बनाए गए क्षीर भवानी मंदिर में भी हाजिरी लगाई। क्षीर भवानी आने वाले सैंकड़ों कश्मीरी विस्थापित पंडितों ने एक बार फिर अपनी कश्मीर वापसी के लिए दुआ भी मांगी। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने मंदिर का दौरा किया और शांति, समृद्धि और सभी नागरिकों की भलाई के लिए प्रार्थना की। अपनी यात्रा के दौरान, एलजी सिन्हा ने भक्तों के साथ बातचीत की और बधाई दी, कश्मीरी पंडित समुदाय के लिए दिन के आध्यात्मिक महत्व को स्वीकार किया और अन्य अन्य जो मंदिर में एकत्र हुए।

ज्येष्ठा अष्टमी को कश्मीर में तुलमुला तथा मझगांव स्थित मां क्षीर भवानी मेले में मां रागन्या को आस्था के फूल अर्पित करने के लिए इस बार करी 5000 कश्मीरी पंडित जम्मू से रवाना हुए थे। अंतिम समय पर डर के कारण कुछेक कश्मीरी पंडित परिवारों ने अपने कार्यक्रम को टाल दिया था। इस मौके पर जम्मू सहित देश के दूसरे राज्यों से मां राघेन्या के दरबार में हाजिरी देने के लिए पहुंचे कश्मीरी हिंदुओं का फूलों से स्वागत किया गया। मंदिर के मुख्य द्वार में स्वागत के लिए पहुंचे स्थानीय मुस्लिमों ने कश्मीरी हिंदुओं का स्वागत करते हुए कहा कि कश्मीरी पंडित हमारे जीवन का हिस्सा हैं, दुर्भाग्य से, कट्टरवाद-आतंकवाद ने समुदायों के बीच एक कील सा पैदा कर दिया है लेकिन उन्हें बता देना चाहते हैं कि हम एक दूसरे के बिना अधूरे हैं। हमें केवल कश्मीर में शांति बनाए रखने के लिए प्रशासन पर भरोसा नहीं करना चाहिए। हमें कश्मीर में हालात बेहतर के साथ आपसी भाईचारा मजबूत करने के लिए खुद से भी योगदान देना होगा।

कश्मीर में आतंकवाद के दौरान विकट परिस्थितियों में भी क्षीर भवानी मंदिर पहुंचने वाले पंडितों और मुस्लिमों ने आपसी प्रेम को कायम रखा है। इसमें बड़ी संख्या में मुस्लिम लंगरों में भक्तों की सेवा करते रहे हैं। मेले के लिए को पूजा में प्रयोग लाए जाने वाले दूध, फूलों सहित अन्य जरूरी सामग्री को उपलब्ध करवाया गया था। इसके अलावा यात्रियों के ठहरने, पानी, बिजली, चिकित्सा आदि के उचित इंतजाम किए गए थे। यह मेला कश्मीर में हिन्दू-मुस्लिम भाईचारे का प्रतीक भी है। इस मेले में घाटी की हिंदू आबादी के साथ ही स्थानीय मुसलमान भी बढ़-चढ़ कर शामिल होते है। यहां तक कि पूजा सामग्री से लेकर श्रद्धालुओं की सुविधा का पूरा इंतजाम भी यही लोग करते हैं।

इस बार के मेले की खास बात यह थी कि क्षीर भवानी आने वाले कश्मीरी पंडितों ने इस बार अपनी कश्मीर वापसी की चर्चा स्थानीय मुस्लिमों के साथ की थी। उन्होंने विश्वास जताया कि वे जल्द ही कश्मीर लौट सकते हैं। बंगलौर में रह रहे कश्मीरी पंडित बीएल रैना का कहना है कि उन्हें कश्मीर की बहुत याद सताती है और वे वापस आने का खतरा मोल लेने को तैयार हैं।

योगाचार्य भंवरलाल आर्य योग-रत्न अवार्ड से सम्मानित

बीदर, 03 जून (एजेंसियां)। आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा हाल ही में मशहूर अंतरराष्ट्रीय योगाचार्य कर्नाटक के भंवरलाल आर्य को योग-रत्न अवार्ड देकर सम्मानित किया गया है। भंवरलाल आर्य को यह अवॉर्ड अंतरराष्ट्रीय नेचुरोपैथी ऑर्गेना-इजेशन पतंजलि योग समिति के सहयोग से बीदर जिले के नेहरू स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के उपलक्ष्य में दिया गया है। इस मौके पर अंतरराष्ट्रीय नेचुरोपैथी ऑर्गेना-इजेशन पतंजलि के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अनंत बिरादर, पूज्य शिवकुमार स्वामी जी, पूज्य गुरु बसवा स्वामी जी सिद्धारूढ मठ बीदर, शैलेन्द्र बेल्दाले विधायक बीदर, विधान परिषद सदस्य डॉक्टर मारुति रवमुले, आर्ट ऑफ लिविंग के ऋषि देवव्रत जी, शिवानंद शालीमठ कलबुर्गी यो-गेन्द्र यदलापुरे, गोरखनाथ कुंवारी, ऊषा भगत, शाहाबाद गुरुदत्त विद्यार्थी आदि उपस्थित थे।

योगाचार्य भंवरलाल आर्य ने पिछले तीस वर्षों से अपना पूरा जीवन योग सेवा में समर्पित कर रखा है और दक्षिण भारत के इस राज्य में योग व पतंजलि को पहचान सिर्फ भंवरलाल के कारण ही मिली है। कर्नाटक के बाबा रामदेव कहे जाने वाले भंवरलाल हुबली में रह रहे हैं और इन्होंने देश-विदेश में अब तक 1200 से अधिक योग शिविरों का आयोजन कर लगभग 30 लाख से अधिक लोगों को योग में प्रशिक्षित करने का कीर्तिमान स्थापित किया है।

इंडिया समूह ने दोहराई संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग, मोदी को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां)। विपक्षी दलों के इंडिया समूह ने पहलगाम हमला, आपरेशन सिंदूर, सैन्य कार्रवाई तथा आतंकवाद को खत्म कर पाकिस्तान को अलग-थलग करने में देश कितना सफल रहा इन सब मुद्दों पर व्यापक चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मंगलवार को मांग करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा है जिसमें 16 दलों के नेताओं ने हस्ताक्षर किये हैं।

इंडिया समूह के नेताओं ने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद की स्थिति और सांसदों के सात प्रतनिधि मंडलों को दुनिया के विभिन्न देशों की राजधानियों में भेजकर आतंकवाद पर हम अपना पक्ष रखने में कितना सफल रहे इसकी जानकारी देश चाहता है। विपक्षी दलों ने कहा कि सांसदों का प्रतिनिधि मंडल लौट रहा है और इसमें दुनिया को समझाने में हम कितना सफल रहे इस बारे में सारी जानकारी संसद में दी जानी चाहिए। उन्होंने इस बात पर आश्चर्य जताया कि पूरी दुनिया को बताने के लिए सांसदों का प्रतिनिधि मंडल विदेशों में भेजा जाता है लेकिन अपनी संसद और उसके माध्यम से देश की जनता को कुछ नहीं बताया जाता है। संसद सत्र को आवश्यक बताते हुए उन्होंने कहा कि विशेष सत्र बुलाकर सांसदों और देश को पूरे घटनाक्रम की जानकारी देना जरूरी है।

संसद के विशेष सत्र बुलाये जाने की संभावना नहीं

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिन्दूर या आपातकाल के 50 साल पूरे होने के मौके पर संसद का विशेष सत्र बुलाये जाने की कोई संभावना नहीं है, अलबत्ता अगले माह शुरू होने वाले मानसून सत्र में इन दोनों विषयों पर किसी स्वरूप में चर्चा हो सकती है। सरकारी सूत्रों के अनुसार संसद का मानसून सत्र, आगामी आठ या 10 जुलाई से शुरू हो कर अगस्त मध्य तक चलने की संभावना है। चूंकि मानसून सत्र में करीब एक माह का समय रह गया है। इसलिए ऑपरेशन सिन्दूर हो या आपातकाल के 50 वर्ष, दोनों ही विषयों पर अलग से सत्र बुलाने की कोई आवश्यकता नहीं है। सूत्रों ने कहा कि मानसून सत्र एक माह से अधिक समय तक चलेगा। इस दौरान इन दोनों विषयों पर किसी नियम या किसी स्वरूप में चर्चा हो सकती है। इस बारे में हालांकि कोई भी निर्णय संसदीय कार्य मंत्रालय करेगा।

बैठक के बाद कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद देश जानना चाहता है कि पाकिस्तान को आतंकवाद के नाम पर दुनिया में अलग थलग करने तथा आतंकवाद को खत्म करने में हमारी कोशिश कितना सफल रही है। यह बात संसद में बताई जानी चाहिए इसलिए संसद का विशेष सत्र बुलाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गठबंधन के 16 दलों के नेताओं ने बैठक में हिस्सा लिया और श्री मोदी को पत्र लिखकर विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। इस सत्र में पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ की गई सैन्य कार्रवाई तथा कार्रवाई रोकने में अमेरिकी दखल और अन्य मुद्दों पर देश को जानकारी दी जानी चाहिए।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि आतंकी हमले के बाद पूरा देश एकजुट था और कांग्रेस पार्टी तथा सभी विपक्षी दल अपने सशस्त्र बलों और सरकार के समर्थन में खड़े थे। जब अमेरिका ने सैन्य कार्रवाई रोकने की घोषणा की तो इसने सभी को चौंका दिया इसलिए देश जानना चाहता है कि आखिर ऐसा कैसे हुआ। विपक्ष सरकार से लगातार संसद सत्र का विशेष सत्र बुलाकर जानकारी साझा करने की मांग कर रहा है ताकि सभी दल हमारे सशस्त्र बलों को धन्यवाद दे सकें। पहलगाम से लेकर ऑपरेशन सिंदूर और अमेरिका से सैन्य कार्रवाई रोकने की घोषणा तक की स्थिति पर संसद में बात होनी चाहिए और देश को बताया जाना चाहिए कि आतंकवाद को कैसे खत्म करना है और इस पर हमारी अगली रणनीति क्या है इसको लेकर संसद में ही व्यापक चर्चा होनी चाहिए। राष्ट्रीय जनता दल के मनोज झा ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सैन्य कार्रवाई रोकने में अपनी भूमिका को लेकर 15 दिनों में 13 बयान दिए और उनके बयानों से भारत की भावनाएं आहत हुई हैं। इन बयानों से पूरा राष्ट्र आहत है। सरकार अगर संसद का सत्र बुलाती है तो सत्र में इस मुद्दे पर पूरी संसद एक स्वर में अपनी बात रखती। यह सरकार और विपक्ष का मामला नहीं है, यह जवाबदेही का मामला है। सरकार संसद के लिए और संसद देश् की जनता के लिए जिम्मेदार है।

समाजवादी पार्टी के राम गोपाल यादव ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद आतंकवादी ठिकानों पर हमला और फिर पाकिस्तान के साथ सैन्य कार्रवाई हुई। उसमें हम कितना सफल हुए और आज हमारी स्थिति क्या है, किन देशों ने इस कार्रवाई के दौरान हमारा साथ दिया, यह यह देश जानना चाहता है। असली बात यह है कि इस कार्रवाई के दौरान एक भी देश भारत के समर्थन में सामने नहीं आया जबकि पाकिस्तान का कुछ देशों ने खुलकर समर्थन किया। यह स्थिति चिंताजनक है और कह सकते हैं कि कूटनीतिक मोर्चे पर हमारी विफलता है। डोनाल्ड ट्रंप ने सैन्य कार्रवाई रोकने की आश्चर्यचकित करनेवाली घोषणा कर दी जिसे देखकर लगता है कि कार्रवाई करने के लिए हमें मजबूर किया गया। सैन्य कार्रवाई रोकने की घोषणा अमेरिका से होती है और यहां कार्रवाई रुक जाती है।

नौ 'स्वच्छ पौधा' परियोजनाएं होंगी शुरू

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि देश भर में नौ 'स्वच्छ पौधा ' परियोजनाएं शुरू की जाएंगी जिनमें से तीन महाराष्ट्र में होंगी। श्री चौहान ने मंगलवार को महाराष्ट्र के पुणे में आयोजित प्रथम कृषि हेकाथान को संबोधित करते हुए कहा कि बागवानी क्षेत्र में खेती के लिए उपलब्ध पौधे रोगमुक्त और उत्पादक होने आवश्यक है, लेकिन इसका आश्वासन देने की कोई व्यवस्था नहीं है। उन्होंने कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए केंद्र सरकार 'स्वच्छ पौधा' कार्यक्रम शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम से यह सुनिश्चित होगा कि

किसानों को मिलने वाले पौधे रोगमुक्त हों। देशभर में नौ 'स्वच्छ पौधा' परियोजनाएं शुरू की जाएंगी, जिनमें से तीन परियोजनाएं महाराष्ट्र में 300 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित की जाएंगी। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस भी मौजूद रहे।

उन्होंने बताया कि पुणे में अंगूर, नागपुर में संतरे और सोलापुर में अनार के लिए परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। उन्होंने बताया कि इन परियोजनाओं के साथ-साथ आधुनिक नर्सरियां भी स्थापित की जाएंगी।

इन नर्सरियों से खेती के लिए तकनीक का इस्तेमाल करने वालों को मदद मिलेगी। बड़ी नर्सरियों के लिए तीन करोड़ रुपये और मध्यम आकार की नर्सरियों के लिए 1.5 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। इन नर्सरियों के जरिए किसानों को हर साल आठ करोड़ रोगमुक्त पौधे उपलब्ध होंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम को क्रियान्वित करने के लिए इजरायल और नीदरलैंड जैसे देशों से भी सहयोग लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कृषि से लाभ उठाने के लिए प्रति हेक्टेयर उत्पादन बढ़ाने, उत्पादन लागत कम करने, कृषि उत्पादों के उचित मूल्य दिलाने और किसानों को नुकसान की भरपाई के उपाय आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं में अच्छे बीज तैयार करने, उत्पादन बढ़ाने और बीमारियों का निदान करने के लिए काम करते हैं, लेकिन, उनके शोध समय पर किसानों तक नहीं पहुंच पाते। इस अंतर को पाटने के लिए सरकार 'लैब टू लैंड' से वैज्ञानिकों और किसानों को एक साथ लाने का प्रयास कर रही है।

कृषि क्षेत्र में युवाओं के प्रवेश नहीं करने की धारणा को गलत करार देते हुए श्री चौहान ने कहा कि वे अपने कौशल का उपयोग करें और कृषि क्षेत्र में प्रवेश करें तथा स्टार्टअप शुरू करें। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के अनुकूल बीज की किस्मों को विकसित करने की आवश्यकता भी जताई ताकि नुकसान से बचा जा सके। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार किसानों की हर समस्या का समाधान करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

आतंकी लिंक के कारण तीन सरकारी कर्मचारी बर्खास्त

जम्मू, 3 जून (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर प्रशासन ने पाकिस्तान समर्थित आतंकी गुटों के संबंध रखने के आरोपों के चलते तीन सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। इन तीनों का संबंध लश्करे तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन से बताया जाता था जबकि इन्हें संविधान के अनुच्छेद 311 (2) (सी) के तहत लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा द्वारा जारी किए गए आदेश के द्वारा नौकरियों से निकाल दिया गया। जानकारी के लिए यह अनुच्छेद राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मामलों में विभागीय जांच के बिना बर्खास्तगी की अनुमति देता है। बर्खास्त व्यक्तियों में मलिक इशफाक नसीर, एक पुलिस कांस्टेबल शामिल है। एजाज अहमद, एक सरकारी स्कूल शिक्षक और वसीम अहमद खान, गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, श्रीनगर में एक जूनियर सहायक है। तीनों वर्तमान में सलाखों के पीछे हैं। राज्य प्रशासन ने इन तीनों की बर्खास्तगी का ब्यौरा देते हुए बताया कि सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, 2007 में जम्मू कश्मीर पुलिस में शामिल होने वाले मलिक इशफाक नसीर ने लश्करे तौयबा के हैंडलर्स के साथ निकटता बढ़ाते हुए उसके साथ काम कर रहे थे और जम्मू क्षेत्र में हथियारों को ड्रोन से गिराने में की सुविधा प्रदान की थी। जांच से पता चला कि उन्होंने सीमा पार से जीपीएस-सक्षम हथियारों को कश्मीर तक पहुंचाने में मदद करने के लिए अपनी स्थिति का उपयोग किया और घाटी में सक्रिय आतंकवादियों को हथियारों को ले जाने में सहायता की। जबकि वर्ष 2011 से स्कूली शिक्षा विभाग में सेवा दे रहे अजाज अहमद ने कथित तौर पर पूनच में हिज्ब-उल-मुजाहिदीन संचालकों के साथ सक्रिय संपर्क बनाए रखा। नवंबर 2023 में उनके आतंकवादी लिंक सामने आए जब पुलिस ने एक नियमित जांच के दौरान उनके वाहन को रोक दिया और अपने टोयोटा फॉर्च्यूनर के अंदर हथियारों, गोला-बारूद और हिज्ब के पोस्टर पाए गए।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

यूपी-स्वान 3.0 के जरिए ई-गवर्नेंस के नए-युग में होगी यूपी की इंट्री

लखनऊ, 03 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार प्रदेश में ई-गवर्नेंस प्रक्रिया के आधुनिकीकरण व सुदृढ़ीकरण पर फोकस कर रही है। सीएम योगी का विजन है कि प्रदेश में ई-गवर्नेंस प्रक्रिया में शामिल विभिन्न प्रणालियों को न केवल धरातल पर उतारा जाए, बल्कि आधुनिकता का समावेश करते हुए उसे भविष्य की जरूरतों अनुरूप अपग्रेड किया जाए। इससे न केवल सरकारी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी बल्कि गुड गवर्नेंस का मार्ग भी प्रशस्त होता है। इसी कड़ी में एक बड़े प्रयास के तौर पर जल्द ही प्रदेश में उत्तर प्रदेश स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क (यूपी-स्वान 3.0) को लागू करने की प्रक्रिया शरू की जाएगी। उल्लेखनीय है कि यूपी-स्वान 3.0 प्रदेश में पहले से लागू यूपी-स्वान 2.0 का आधुनिक वर्जन है जो कि राज्य में ई-गवर्नेंस के लिए आधारभूत संचार अवसंरचना के रूप में कार्य करता है।

राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना (एनईजीपी) के तहत शुरू किया गया यूपी-स्वान पूरे राज्य में शासकीय स्तर पर सरकारी कार्यालयों को संचार से जोड़ने में सहायक रहा है। वहीं, यूपी-स्वान 3.0 के जरिए बेहतर सुरक्षा प्रणाली समेत कई खूबियों से लैस करने की तैयारी है जिससे कनेक्टिविटी, मॉनिटरिंग व पारदर्शिता बढ़ाने में मदद मिलेगी। इसे लागू करने के लिए आईटी व इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस क्रम में, उत्तर प्रदेश डेवलपमेंट सिस्टम्स कारप-ोरेशन लिमिटेड (यूपीडेस्को) को नोडल एजेंसी नियुक्त करते हुए प्रदेश भर में इंप्लीमेंटेशन का जिम्मा सौंपा गया है।

प्रदेश में यूपी-स्वान 3.0 के जरिए शासकीय स्तरों पर सरकारी कार्यालयों को उन्नत इंटरफेस, बेहतर सिक्योरिटी व उत्तम कनेक्टिविटी से जोड़ने की तैयारी है। इस कड़ी में, यूपीडेस्को द्वारा एक कार्ययोजना तैयार की गई है। इसके अनुसार, पूरे राज्य में यूपी-स्वान 2.0 से जुड़ने से वंचित रह गए कार्यालयों को जोड़ने की तैयारी है। प्रदेश में स्टेट हेड क्वार्टर, कमिश्नर ऑफिस व जिला मुख्यालय पहले ही जोड़े जा चुके हैं। जबकि, प्रदेश के 351 तहसील मुख्यालयों में से 235 तथा 828 ब्लॉक मुख्यालयों में से 574 को जोड़ने में सफलता मिली है। ऐसे में, यूपी-स्वान 3.0 के जरिए 116 तहसील मुख्यालयों, 254 ब्लॉक मुख्यालयों तथा 75 विकास भवनों को जोड़ने की तैयारी है।

यूपी-स्वान 3.0 का उद्देश्य शासन में आईटी सॉल्यूशंस के व्यापक उपयोग को बढ़ावा देकर विभागों में डिजिटल विभाजन को कम करना है। यह इंडस्ट्री स्टैंडर्ड्स को लागू करने के साथ ही उन्नत तकनीकों को प्रभावी बनाकर एक स्केलेबल, कॉन्फ़िगर करने योग्य व भविष्य की जरूरतों के अनुसार बुनियादी ढांचा प्रदान करेगा। यह स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क तकनीक को एकीकृत करेगा ताकि मल्टीप्रोटोकॉल स्विचिंग और इंटरनेट लीज्ड लाइन्स में डायनामिक ट्रैफिक रूटिंग सुनिश्चित की जा सकेगी। इससे वर्तमान और भविष्य की दोनों मांगों को पूरा करने का फ्रेमवर्क तैयार होगा। यह सेंट्रलाइज्ड मैनेजमेंट, ऑटोमेशन, रेगुलर मॉनिटरिंग, ईजी टू डिप्लॉय व एंड प्वॉइंट डिटेक्शन एंड रिस्पॉन्स (ईडीआर) से युक्त होगा।

यूपी-स्वान 3.0 का उन्नत नेटवर्क फ्रेमवर्क उत्तर प्रदेश राज्य डेटा सेंटर (यूपीएसडीसी) में होस्ट किए गए महत्वपूर्ण सरकारी अनुप्रयोगों को कनेक्टिविटी प्रदान करेगा, जो ई-ऑफिस और अन्य मिशन-महत्वपूर्ण ई-गवर्नेंस प्रणालियों जैसी आवश्यक सेव-ाओं का समर्थन करेगा। यह सरकारी संचालन और नागरिक सेवाओं दोनों की बदलती जरूरतों के अनुकूल होगा। इसके जरिए इनक्रिप्टेड कम्युनिकेशन, एंड टू एंड डाटा एनक्रिप्शन, नेक्स्ट जेनरेशन फायरवॉल्स (एनजीएफडब्ल्यू), इंट्रूजन डिटेक्शन प्रिवेंशन सिस्टम (आईएस-आईपीएस) तथा एडवांस्ड परसिस्टेंट थ्रेट (एपीटी) प्रोटेक्शन जैसी साइबर रक्षण प्रणालियां लागू हो सकेंगी। यह नई सुविधाओं को जोड़ने, एकीकृत करने, हाइब्रिड कनेक्टिविटी ऑप्शंस को बढ़ावा देने, स्टैंडर्ड प्रोटोकॉल्स का इस्तेमाल करने और नेटवर्क ऑपरेशंस के सरलीकरण को बढ़ावा देकर ईजी एक्सेस को प्रमोट करेगा।

पर्यावरण दिवस 5 जून को

प्लास्टिक खारिज करने का संकल्प लेंगे यूपी के बच्चे

लखनऊ, 03 जून (एजेंसियां)। 5 जून को पर्यावरण दिवस है। उत्तर प्रदेश सरकार ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर बड़ी पहल शुरू की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आह्वान पर स्कूली बच्चों से लेकर युवा तक, सभी एंडिंग प्लास्टिक ग्लोबली का संकल्प लेकर पर्यावरण की रक्षा करेंगे। इसके तहत नुक्कड़ नाटक, भाषण, चित्रकला प्रतियोगिताओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाया जाएगा। पर्यावरण निदेशालय ने इसकी तैयारी भी शुरू कर दी है। पर्यावरण निदेशक की तरफ से इसके लिए समस्त जिलाधिकारियों को पत्र भी भेजा गया है। विभाग की तरफ से रीजनल साइंस सेंटर, अलीगंज लखनऊ में मुख्य आयोजन होगा। विश्व पर्यावरण दिवस इस वर्ष प्ला-स्टिक प्रदूषण को समाप्त करने, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने व प्लास्टिक से बने सामानों का उपयोग न्यूनतम करने के उद्देश्य से मनाया जाएगा। उपनिदेशक श्रुति शुक्ला ने बताया कि पूरे प्रदेश में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। एंडिंग प्लास्टिक ग्लोबली थीम पर नुक्कड़ नाटक, भाषण व चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन होगा। कार्यक्रमों में स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ इस क्षेत्र में कार्य करने वाले विशेषज्ञ भी प्रतिभाग करेंगे। इस मुहिम का यंग फेस स्कूली बच्चों को बनाया जाएगा। उनके लिए प्रकृति को लेकर विभिन्न विषयों पर नुक्कड़ नाटक होंगे। नुक्कड़ नाटकों में दिखाया जाएगा कि प्लास्टिक का कचरा कैसे नदियों को मार रहा है और पर्यावरण पर प्रतिकूल असर दिखा रहा है। भाषण प्रतियोगिता में बच्चे बताएंगे कि प्लास्टिक का उपयोग कैसे न्यूनतम किया जाए। चित्रकला प्रतियोगिता में पर्यावरण से संबंधित अपने मनोभाव को पेंटिंग के जरिए उकरेंगे। पर्यावरण निदेशक सुशांत शर्मा ने कहा, प्रदेश सरकार के निर्देशन में युवाओं, बच्चों व जन-जन को सिंगल यूज प्लास्टिक के खतरों को बताने के साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाएगा। एंडिंग प्लास्टिक ग्लोबली थीम पर स्कूलों बच्चों के मध्य जागरूकता कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, भाषण, चित्रकला आदि प्रतियोगिता भी होगी। साथ ही पौधे लगाने और उन्हें संरक्षित के लिए भी बच्चों का आह्वान किया जाएगा।

यूपी में निवेश क्रांति के नायक बन रहे उद्यमी मित्र

हैवल्स, शारदा ग्रुप, जेके सीमेंट, अमूल के निवेश से बदली तस्वीर

लखनऊ, 03 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में उत्तर प्रदेश ने जिस रफ्तार से औद्योगिक विकास की दिशा में कदम बढ़ाए हैं, उसमें उद्यमी मित्र एक महत्वपूर्ण कड़ी बनकर उभरे हैं। इन प्रशिक्षित उद्यमी मित्रों ने न केवल प्रदेश में निवेश को गति दी है, बल्कि निवेशकों की समस्याओं का समाधान कर उन्हें विश्वास और सुविधा का माहौल भी दिया है।

उल्लेखनीय है कि योगी सरकार के एक जिला, एक उत्पाद से लेकर ग्लोबल इन्-वेस्टर्स समिट जैसी पहल तभी जमीन पर सफल हो पाई जब उद्यमी मित्रों ने अपनी भूमिका को पूरी निष्ठा, संकल्प और कार्यकुशलता से निभाया। आज यूपी में हो रहे रिकॉर्ड निवेश इसी भरोसे का परिणाम है, जहां सरकार और निवेशक के बीच सेतु का कार्य उद्यमी मित्र बखूबी निभा रहे हैं।

हैवल्स इंडिया लिमिटेड ने नोएडा में 879 करोड़ रुपए के आरएंडडी सेंटर के लिए निवेश किया, जो अब 2026 तक क्रियाशील होगा। यह तभी संभव हो पाया जब उद्यमी मित्रों ने समयबद्ध ढंग से प्रक्रियागत अड़चनों को दूर किया। इसी तरह, शारदा ग्रुप द्वारा आगरा में 600 करोड़ की लागत से विकसित हो रही हेल्थ सिटी परियोजना को भी नियामक स्वीकृतियों के माध्यम से सुचारू रूप से आगे बढ़ाया गया। प्रयागराज में जेके सीमेंट की 400 करोड़ की सीमेंट परियोजना भूमि म्यूटेशन और सड़क मार्ग से जुड़ी बाधाओं से जूझ रही थी, लेकिन उद्यमी मित्रों के त्वरित हस्तक्षेप से यह चुनौती भी पार हो गई। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड की फतेहपुर परियोजना में 11 केवी की लाइन देरी का कारण बनी थी, जिसे उद्यमी मित्रों ने तत्परता से हल कर परियोजना को शुरू कराया। वहीं, बाराबंकी में डॉ. रमेश चंद्रा की 50 करोड़ की विनमैक्स एग्रो इंडस्ट्रीज और वाराणसी में अमूल के बोर्डिंग हाउस प्रोजेक्ट को भी उद्यमी मित्रों ने स्पष्टता और त्वरित अनुमोदनों के साथ आगे बढ़ाया।

इन्वेस्ट यूपी के तहत उद्यमी मित्रों ने जीबीसी-4 की परियोजनाओं का डेटा सटीक रूप से अपडेट किया है। इसके अतिरिक्त जीबीसी 5 के लिए एमओयू को टैग करने और व्यवस्थित करने का कार्य भी तेज़ी से जारी है। वहीं, निवेशकों की समस्याएं प्राथमिकता के आधार पर सुनी, सुलझाई और आवश्यकता अनुसार उच्च अधिकारियों तक पहुंचाई जा रही हैं। उद्योग बंधु की बैठकें नियमित रूप से आयोजित कर निवेशकों से संवाद कायम किया जा रहा है। इसके साथ ही टीम ने इंडस्ट्री पायलट सर्वे, ईवी स्टेशन सर्वे और लैंड साइट विजिट्स जैसे कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरे किए हैं। प्रदेश सरकार ने उद्यमी मित्र योजना की शुरुआत ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से पूर्व की थी, ताकि निवेशकों को सरकारी प्रक्रियाओं, अनुमतियों और समस्याओं के समाधान में एक समर्पित प्रतिनिधि मिल सके। ये मित्र विशेष रूप से प्रशिक्षित होते हैं और उन्हें विभिन्न जिलों व विभागों में नियुक्त किया गया है, ताकि वे निवेश संबंधी अड़चनों को दूर कर निवेशकों का मार्गदर्शन कर सकें। उद्यमी मित्र योजना ने उत्तर प्रदेश को निवेश के लिए एक भरोसेमंद और सक्षम राज्य के रूप में स्थापित करने में केंद्रीय भूमिका निभाई है।

यह पहल न केवल निवेशकों की सुविधा सुनिश्चित करती है, बल्कि प्रदेश सरकार के न्यू यूपी के विजन को धरातल पर उतारने का सशक्त माध्यम भी बन रही है।

वन्यजीवों को रोकने के लिए लग रही चेनलिंक और सोलर फेंसिंग

लखनऊ, 03 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में वन एवं वन्यजीव विभाग ने मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए व्यापक और प्रभावी कदम उठाए हैं।

इन प्रयासों में विशेष रूप से वर्ष 2023-24 से लेकर 2024-25 में लगभग 231 किलोमीटर चेन लिंक फेंसिंग और लगभग 41 किलोमीटर सोलर फेंसिंग के कार्य किए गए हैं।

जिससे न केवल वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है, साथ ही वन क्षेत्रों के आसपास रहने वाले ग्रामीणों और उनके पालतू जानवरों को भी सुरक्षा प्रदान की जा रही है। साथ ही विभाग द्वारा प्रशिक्षित किए गए बाघ मित्र, मानव वन्य जीव संघर्ष कम करने में उल्लेखनीय भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही ट्रैकिंग डिवाइस, ड्रोन कैमरे, जीप-ीएस जैसी आधुनिक तकनीकी का प्रयोग कर वन क्षेत्रों की निगरानी और पेट्रोलिंग का कार्य भी मानव एवं वन्य जीव संघर्ष को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रहा है।

वन एवं वन्य जीव विभाग ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप वन्य जीव संरक्षण के साथ वन क्षेत्रों के समीप रहने वाले ग्रामीणों के जीवन और आजीविका को सुरक्षित करने के उद्देश्य से कई नवाचार अपनाये हैं। जिसमें से सबसे प्रभावी कदम प्रदेश के वन क्षेत्रों के चारों ओर बड़े पैमाने पर चेनलिंक फेंसिंग का निर्माण है।

इस क्रम में वर्ष 2023-24 में लगभग 125 किलोमीटर चेनलिंक फेंसिंग और 21 किलोमीटर सोलर फेंसिंग का निर्माण किया गया, जबकि 2024-25 में 106 किलोमीटर चेनलिंक फेंसिंग और 20 किलोमीटर सोलर फेंसिंग स्थापित की गई। ये फेंसिंग वन्यजीवों को ग्रामीण क्षेत्रों में प्रवेश करने से रोकने में कारगर सिद्ध हो रही हैं, जिससे फसलों और मानव जीवन को होने वाले नुकसान में कमी आई है। साथ ही इस फेंसिंग से ग्रामीण पालतू पशुओं के वन क्षेत्रों में प्रवेश और उनको शिकार से बचाने के लिए होने वाले मानव वन्यजीव संघर्ष में भी उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है।

मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए वन एवं वन्य जीव विभाग का प्रभावी कदम बाघ मित्र का चयन और प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाना साबित हुआ है।

ये बाघ मित्र स्थानीय ग्रामीणों को जागरूक करने और वन्यजीवों के साथ सुरक्षित सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इनके माध्यम से ग्रामवासियों के साथ नियमित बैठकें और संवाद आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें वन्यजीवों से बचाव के उपाय, उनकी गतिविधियों की जानकारी और आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई जैसे विषय शामिल हैं।

बाघ मित्रों का चयन विशेष रूप से टाइगर रिजर्व के निकटवर्ती ग्रामों के लिये किया गया है, इसके साथ ही इटावा के लायन सफारी के लिए भी बाघ मित्रों का चयन किया गया है। यह पहल न केवल जागरूकता बढ़ाने का काम रही है, साथ ही स्थानीय समुदायों और वन एवं वन्य जीव विभाग के बीच विश्वास बढ़ाने का कार्य भी कर रही है।

प्रदेश के वन प्रभागों में मानव-वन्यजीव संघर्ष रोकथाम के लिए राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि से प्राप्त धनराशि का उपयोग विभिन्न उपकरणों की खरीद में किया गया है। इन उपकरणों में निगरानी उपकरण, ट्रैकिंग डिवाइस और अन्य तकनीकी संसाधन शामिल हैं, जो वन्यजीवों की गतिविधियों पर नजर रखने में सहायक हैं।

इसके अतिरिक्त, वन क्षेत्रों और सीमावर्ती इलाकों में सघन गश्त की जा रही है, ताकि वन्य जीवों के मानव बस्तियों में प्रवेश को रोका जा सके। वन क्षेत्र के बाहर विचरण करने वाले वन्यजीवों की नियमित ट्रैकिंग के लिए आधुनिक तकनीकों ड्रोन, जीपीएस ट्रैकिंग और कैमरा ट्रैप का उपयोग किया जा रहा है।

इस ट्रैकिंग के माध्यम से न केवल वन्यजीवों की गतिविधियों पर नजर रखी जाती है, बल्कि आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई में भी की जाती है। वन एवं वन्य जीव विभाग के इन कदमों से न केवल जैव-विविधता संरक्षित हो रही है, बल्कि ग्रामीण समुदायों को सुरक्षा और आजीविका भी मिल रही है।

गांव-गांव बनेंगे समृद्ध, क्लस्टर मॉडल से बदलेगी किसानों की तकदीर

लखनऊ, 03 जून (एजेंसियां)। योगी सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उनके जीवन को समृद्ध बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाने जा रही है। अब प्रदेश में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग को व्यापक स्तर पर लागू किया जाएगा। इसके तहत एक ग्राम पंचायत एक क्लस्टर अभियान चलाया जाएगा, जिससे किसानों की आमदनी ही नहीं, बल्कि उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति में भी बड़ा परिवर्तन आएगा।

हर क्लस्टर 50 हेक्टेयर भूमि में फैला होगा, जिसमें कम से कम 125 किसानों को शामिल किया जाएगा। पहले साल 7.16 लाख रुपए और दूसरे साल 6.83 लाख रुपए का अनुदान दिया जाएगा, जो प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने में मददगार होगा। किसान फार्मर्स प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन (एफपीओ) से भी जुड़ेंगे, जिससे उन्हें फार्म मशीनरी बैंक, कस्टम हायरिंग सेंटर, वेयरहाउस, कोल्ड स्टोरेज और मार्केटिंग की अत्याधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। प्रदेश सरकार की योजना है कि वर्ष 2025-26 तक बड़ी संख्या में क्लस्टर विकसित कर लाखों किसानों को इससे जोड़ दिया जाए। जिससे न केवल खेती की लागत घटेगी, बल्कि उत्पादकता और आय दोनों में वृद्धि होगी।

प्राकृतिक खेती से जुड़कर किसान न केवल जैविक उत्पाद उगाएंगे, बल्कि उन्हें बाजार में अच्छे दाम भी मिलेंगे। इससे ग्राम पंचायतें आर्थिक रूप से सक्षम होंगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार का यह अभियान किसानों के लिए वरदान साबित होगा। क्लस्टर आधारित नेचुरल फार्मिंग मॉडल से जहां खेती लाभकारी बनेगी, वहीं ग्राम पंचायतें कृषि नवाचार का केंद्र बनेंगी। यह योजना न केवल खेतों की सेहत सुधारेगी, बल्कि किसानों के चेहरों पर भी मुस्कान लाएगी।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को भव्य बनाने की तैयारी

चाह हजार स्थानों पर होगा योगाभ्यास कार्यक्रम

लखनऊ, 03 जून (एजेंसियां)। योगी सरकार योग के माध्यम से जनमानस में स्वास्थ्य और सशक्त जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय कदम उठा रही है। इसी के तहत प्रदेश भर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 15 जून से 21 जून तक योग सप्ताह मनाया जाएगा। इस दौरान जनपद, तहसील, ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर पर सामूहिक योग कार्यक्रम, सेमिनार, कार्यशाला, संगोष्ठी, भाषण प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, निबंध लेखन एवं स्लोगन प्रतियोगिता सहित कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

प्रमुख सचिव आयुष रंजन कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर योग के प्रचार-प्रसार के लिए 5000 प्रशिक्षित योग ट्रेनर तैयार किए गए हैं, जो प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में योगाभ्यास करवाएंगे। योग प्रशिक्षकों और आयुष महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों, प्रबंधकों द्वारा विभिन्न समितियों का गठन कर योग सप्ताह की व्यापक तैयारी की गई है। इन समितियों के माध्यम से चिकित्सा शिक्षा महाविद्यालय, व्यवसायिक शिक्षा महाविद्यालय एवं अन्य महाविद्यालयों में विद्यार्थियों के बीच योग से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य आयोजन में देश के 1,00,000 स्थानों पर सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन होगा, जिसमें प्रदेश के 4,075 स्थानों पर कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार 21 जून को सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम होंगे।

इस मौके पर पूरे प्रदेश में एक साथ वृहद स्तर पर योगाभ्यास प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही यह आयोजन देश के प्रत्येक जिले में कवर करते हुए अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के 10 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में विशेष योग संगम कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है।

सीएम योगी की मंशा के अनुरूप प्रदेश में योग को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय निकायों के माध्यम से देश भर में 1,000 योग पार्क स्थापित किए जाएंगे। मंडल मुख्यालय वाले जनपदों में 3 और अन्य जनपदों में 2-2 योग पार्क चिन्हित किए गए हैं, जिन्हें नगर विकास विभाग के समन्वय से विकसित किया जाएगा। इन योग पार्कों में पालिकाओं और पंचायतों का सहयोग लिया जाएगा ताकि क्षेत्र के अधिक से अधिक लोग योगाभ्यास कर सकें। योग के सिद्धांतों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए एक नई पहल भी शुरू की गई है। इसमें प्राकृतिक स्थानों पर योगाभ्यास के साथ-साथ वृक्षारोपण और सफाई अभियानों को भी जोड़ा जाएगा। इस योजना के तहत अमृत जलाशयों के किनारे योग सत्र आयोजित किए जाएंगे और पौधरोपण का कार्यक्रम भी होगा। प्रदेश की प्रमुख नदियों, झीलों और पार्कों में योग सत्र के साथ-साथ स्वच्छता कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में आयुष विभाग की बैठक में कहा कि योग सिर्फ एक व्यायाम नहीं, बल्कि यह जीवन का एक तरीका है जो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि योग के माध्यम से हम अपनी जीवनशैली में सुधार कर सकते हैं, बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ा सकते हैं और समाज में समरसता एवं शांति स्थापित कर सकते हैं। ऐसे में योगी सरकार ने प्रदेश के हर जिले तक योग की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारी की है और इसके लिए प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों की भी व्यवस्था की गई है। योग सप्ताह के अंतिम दिन 21 जून को पुरस्कार वितरण एवं प्रमाणपत्र वितरण समारोह भी आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा 1 जून से आयुष चिकित्सकों एवं योग विशेषज्ञों द्वारा टीवी और दूरदर्शन पर जागरूकता कार्यक्रम भी प्रसारित किए जाएंगे, जिनमें विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के लक्षण और प्रबंधन पर जागरूकता बढ़ाई जाएगी। साथ ही लोगों को व्यक्तिगत एवं सामूहिक योगाभ्यास की फोटो भारत सरकार के पूर्सी पोर्टल पर प्रतिदिन अपलोड करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

संपादकीय

मेहमाननवाजी का नया दौर

मेहनत को मार्किटिंग के जरिए सुधारने की एक और कोशिश हिमाचल पर्यटन विकास निगम ने शुरू की है। निगम ने पहले होटल बुकिंग को प्रोफेशनल आधार देने के लिए निजी कंपनी से अनुबंध किया और अब सार्वजनिक उपक्रमों के साथ पैकेज डील का करार किया है। दरअसल पहली बार निगम ने अपनी रणनीति में व्यापारिक उद्देश्य जोड़ते हुए निजी क्षेत्र के सलीके सीखे हैं। ओएनजीसी, दिल्ली मैट्रो, सेल, गेल और दिल्ली हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जैसी संस्थाओं के साथ एमओयू करके निगम ने मेहमाननवाजी का दायरा बड़ा और चुस्त-दुरुस्त किया है। हिमाचल के पर्यटन संदर्भों में खुद को रेखांकित करने की इच्छा शक्ति का कमाल है कि सरकारी उपक्रम ने उन्हीं राहों में नई मंजिलें खोज लीं। अपनी हैसियत में पर्यटन के कुनबे को प्रतिष्ठित करने की कोशिश पहली बार शुरू हुई है, तो निगम के प्रबंध निदेशक डा. राजीव कुमार के नेतृत्व की प्रशंसा करनी होगी। ये दायरे आगे चलकर और बड़े तथा सशक्त हो सकते हैं। भ्रमण की बदलती जरूरतों तथा सुकून की नई तलाश के बीच पर्यटन विकास निगम की संपत्तियों का एक स्थायी जलवा तो है ही, लेकिन इसका विस्तार करते हुए सैलानियों के रुकने के ठौर बढ़ाने के लिए पैकेज के भागीदार भी जोडऩे होंगे। मसलन ईको टूरिज्म की साइट्स अगर लीज पर जा रही हैं, तो पर्यटन निगम को इसमें भागीदारी जोड़ते हुए अपनी प्रोफेशनल चमत्कारी दिखानी होगी। पर्यटन निगम को एचआरटीसी के अलावा प्रदेश में आ रही पड़ोसी राज्यों के परिवहन उपक्रमों के साथ मिलकर यात्रा विस्तार की योजनाएं बनानी चाहिएं। अमृतसर, आनंदपुर साहिब, हरिद्वार और ऐसे अनेक धार्मिक स्थलों से आ रहे पर्यटकों को हिमाचल में लाने व ठहराने के लिए सभी राज्यों के परिवहन उपक्रमों के साथ पैकेज बनाए जाएं, तो पर्यटन की एक साझी विरासत बनेगी। उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, जे एंड के या राजस्थान परिवहन के साथ हिमाचल यात्रा का अनुबंध, एक पैकेज डील की तरह हो सकता है, जहां आने-जाने के टिकट के साथ कुछ डिस्काउंट पर सरकारी होटलों की बुकिंग तथा साइट सीईंग का पूरा पैकेज नत्थी हो। निजी वोल्वो बसें दरअसल हिमाचली पर्यटन की ब्रांड हैं, लेकिन इस तथ्य से अनभिज्ञ सरकारी होटल, कमाई का एक बड़ा स्रोत गंवा रहे हैं। अगर निजी वोल्वो बसों के संचालन, पार्किंग तथा बोर्डिंग के स्थल पर्यटन विकास निगम अपनी देखरेख या अपने परिसरों से अनुमोदित करे, तो यात्री सुविधाओं के स्थायी पते के कारण ये संपत्तियां बेहतर ढंग से इस्तेमाल होंगी। कुछ मॉल, पेट्रोल पंप व होटल इकाइयां निजी वोल्वो बसों के आगमन तथा प्रस्थान के कारण पर्यटकों की पसंद बन गए हैं। ऐसे में पर्यटन निगम धर्मशाला जैसे स्थान पर पर्यटक वाहनों व निजी वोल्वो बसों के आगमन तथा प्रस्थान के लिए परिसर बना कर, हर दिन सैकड़ों पर्यटकों के ठहराव तथा टूअर प्रोग्राम की मेजबानी कर सकता है। पर्यटन विकास निगम को अपनी मार्किटिंग के पार्टनर खोजते हुए एचआरटीसी, राज्यों के परिवहन उपक्रमों के अलावा रेलवे तथा एयरलाइंस के साथ आगमन-प्रस्थान के अलावा राज्य में विश्राम, मनोरंजन व सुकून के पैकेज शेयर करने चाहिएं। मसलन अंब-अंदौरा तथा पठानकोट तक वंदे भारत ट्रेनों से आ रहे पर्यटकों को प्रमुख पर्यटक केंद्रों तक पहुंचाने, ठहराने तथा घुमाने की जिम्मेदारी का विस्तार तथा अनुबंध करना होगा। इसी तरह हवाई उड़ानों के साथ हिमाचल टूअर के अलग-अलग पैकेज बनाकर राज्य के पूर्ण पर्यटन की मार्किटिंग शुरू करनी चाहिए। पर्यटक को राज्य के उपक्रमों के साथ जोडक़र सुरक्षा, ईमानदारी व बेहतर मेहमाननवाजी का एहसास कराने से पर्यटन का नया दौर शुरू हो सकता है।

> भ्रमण की बदलती जरूरतों तथा सुकून की नई तलाश के बीच पर्यटन विकास निगम की संपत्तियों का एक स्थायी जलवा तो है ही, लेकिन इसका विस्तार करते हुए सैलानियों के रुकने के ठौर बढ़ाने के लिए पैकेज के भागीदार भी जोडऩे होंगे। मसलन ईको टूरिज्म की साइट्स अगर लीज पर जा रही हैं, तो पर्यटन निगम को इसमें भागीदारी जोड़ते हुए अपनी प्रोफेशनल चमत्कारी दिखानी होगी। पर्यटन निगम को एचआरटीसी के अलावा प्रदेश में आ रही पड़ोसी राज्यों के परिवहन उपक्रमों के साथ मिलकर यात्रा विस्तार की योजनाएं बनानी चाहिएं। अमृतसर, आनंदपुर साहिब, हरिद्वार और ऐसे अनेक धार्मिक स्थलों से आ रहे पर्यटकों को हिमाचल में लाने व ठहराने के लिए सभी राज्यों के परिवहन उपक्रमों के साथ पैकेज बनाए जाएं, तो पर्यटन की एक साझी विरासत बनेगी।

आप का नजरिया

यह वक्त एकजुटता का है

1947-48 के भारत-पाक युद्ध में हमारे करीब 6000 जवान 'शहीद' हुए थे। 1965 के युद्ध में यह संख्या 3500 के करीब रही और 1971 के भारत-पाक युद्ध में भी करीब 3000 सैनिक शहीद हुए। 1999 के कारगिल युद्ध में भी यह संख्या 527 तक पहुंच गई। देश के अनुभवी रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, विभिन्न युद्धों, संघर्षों या किसी अन्य ऑपरेशन के दौरान 15,000 से अधिक सैनिक शहीद हो चुके हैं। क्या देश को यह एहसास है कि कितने परिवार अनाथ हुए होंगे? क्या कांग्रेस ये तमाम आंकड़े जानती है, क्योंकि इन युद्धों के कालखंड में अधिकतर वह ही सत्तारूढ़ थी? क्या कांग्रेस देश को बताएगी कि इन शहीद सैनिकों को लेकर संसद के कितने विशेष सत्र बुलाए गए? शहादत के आंकड़े किसी संसदीय रिकॉर्ड में दर्ज हैं? कितने जांबाज जवान घायल हुए होंगे और अपाहिज हो गए होंगे? क्या देश को यह भयानक यथार्थ किसी ने बताया है? लोकतंत्र और सरकार की गतिविधियों, कार्रवाइयों को जानने का अधिकार इतना शिथिल और संकीर्ण नहीं हो सकता। युद्ध और सामान्य, सार्वजनिक मुद्दों के बीच गहरे अंतर होते हैं। सवाल है कि कांग्रेस यह जान कर कौन-सा राजनीतिक लक्ष्य हासिल कर लेगी कि भारत-पाक के हालिया संघर्ष के दौरान हमारे कितने लड़ाकू विमान धराशायी हुए? हमारी वायुसेना ने आतंकियों के 9 बड़े ठिकाने मिट्टी में मिला दिए, करीब 170 आतंकियों को ढेर भी किया, पाकिस्तान के महत्वपूर्ण एयरबेस, रडार सिस्टम और वायु रक्षा प्रणालियां इस कदर तबाह कर दी गईं कि 4-5 साल तक पाकिस्तान युद्ध की सोच भी नहीं सकता। क्या कांग्रेस खुश नहीं है कि हमारी सेनाओं ने तय लक्ष्य हासिल किए और दुनिया के विशेषज्ञ भारत की निर्णायक जीत के विश्लेषण कर रहे हैं? अब चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) की आड़ में छिप कर कांग्रेस मोदी सरकार और सेना को निशाना बनाने पर आमादा है। बेशक सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने एक साक्षात्कार में स्वीकार किया है कि हालिया संघर्ष में शुरुआत के दो दिनों में हमें हवाई नुकसान उठाना पड़ा। नंबर अहम नहीं हैं, लेकिन हमने गलतियां सुधारीं और अपने टारगेट पर हमला बोल कर उसे तबाह कर दिया। डीजीएमओ (एयर ऑपरेशन) एयर मार्शल एके भारती ने भी लगभग यही बात कही थी कि जंग में नुकसान अपरिहार्य है, लेकिन सीडीएस ने पाकिस्तान के दुष्प्रचार, 5 राफेल विमान गिराने के दावे को सिरे से खारिज कर दिया। कांग्रेस सीडीएस के बयान का एक छोर पकड़ कर सवाल करते हुए संदेह जताने पर क्यों तुली है? उसकी संसद के विशेष सत्र बुलाने में क्या दिलचस्पी है? हम पहले भी कह चुके हैं कि यदि सामूहिक विपक्ष संसद सत्र की मांग कर रहा है, तो सरकार को मॉनसून सत्र कुछ पहले ही बुला लेना चाहिए, लेकिन अब कांग्रेस चाहती है कि प्रधानमंत्री मोदी सीडीएस के बयान पर संसद में स्पष्टीकरण दें। कांग्रेस को पता होगा कि अभी 'ऑपरेशन सिंदूर' स्थगित है, खत्म नहीं हुआ है। युद्ध की रणनीति अति गोपनीय विषय है, उसे संसद के मंच पर भी सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। सीडीएस ने रणनीति की ओर संकेत किया है। क्या प्रधानमंत्री के स्पष्टीकरण के जरिए कांग्रेस उस रणनीति का खुलासा करवा देना चाहती है, जो पाकिस्तान के लिए फायदेमंद हो सकती है। पाकिस्तान हमारी सैन्य रणनीति जानने के बाद अपनी रणनीति दोबारा बना सकता है। हमारा सवाल है कि क्या कांग्रेस का अस्तित्व भारत के अस्तित्व से भिन्न है? उसने कारगिल युद्ध के बाद विशेषज्ञ समिति की तर्ज पर नई समीक्षा-समिति बनाने की भी मांग की है। इस संदर्भ में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर बातचीत कर सकते हैं। सार्वजनिक मंच पर शोर मचाने और प्रधानमंत्री पर देश को गुमराह करने जैसे आरोप लगाने से हासिल क्या होगा? दुश्मन ही खिल्ली उड़ाएगा। यह युद्ध-सा माहौल है, लिहाजा कांग्रेस को ऐसा गैर-जरूरी रवैया नहीं अपनाना चाहिए। देश और सेना उसकी भी है।

लाख खामियों के बावजूद आधुनिक दुनिया अपने आप को लोकतांत्रिक व्यवस्था कहलवाना पसंद करती है

वैश्विक विस्मृति के शिकार तियानमेन चौक के शहीद

राकेश सैन

> चीन की जनता ने आज से चार दशक पहले लोकतंत्र के पक्ष में आवाज उठाई तो उसे टैंकों ने रौंद दिया और आज लोकतांत्रिक वैश्विक समाज उस घटना को लगभग भूल सा गया लगता है। दरअसल 4 जून, 1989 में चीन के बीजिंग का तियानमेन चौक बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों का केन्द्र बना, जिसे चीन के कम्युनिस्ट शासकों ने बुरी तरह कुचल दिया। इसकी पृष्ठभूमि में जाएं तो पता चलता है कि 1980 के दशक में चीन बड़े बदलावों से गुजर रहा था। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने कुछ निजी कंपनियों और विदेशी निवेश को अनुमति देना शुरू कर दिया। चीनी नेता डेंग जियाओपिंग को इससे अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने और लोगों का जीवन स्तर ऊपर उठने की आशा थी। इस कदम से राजनीतिक खुलेपन की उम्मीद भी जगी, लेकिन उस समय कम्युनिस्ट पार्टी दो भागों में बंट गई।

वर्तमान युग लोकतंत्र का है, इस प्रणाली की लाख खामियों के बावजूद आधुनिक दुनिया अपने आप को लोकतांत्रिक व्यवस्था कहलवाना पसंद करती है। यहां तक कि मजहबी राजनीतिक व्यवस्था वाले देश भी अपने नाम में किसी न किसी तरह लोकतंत्र शब्द को शामिल करके स्वयं को प्रगतिशील साबित करने का प्रयास करते हैं। पर आश्चर्य की बात है कि लोहावरणवादी कम्युनिस्ट व्यवस्था को जबरन ढो रही चीन की जनता ने आज से चार दशक पहले लोकतंत्र के पक्ष में आवाज उठाई तो उसे टैंकों ने रौंद दिया और आज लोकतांत्रिक वैश्विक समाज उस घटना को लगभग भूल सा गया लगता है। दरअसल 4 जून, 1989 में चीन के बीजिंग का तियानमेन चौक बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों का केन्द्र बना, जिसे चीन के कम्युनिस्ट शासकों ने बुरी तरह कुचल दिया। इसकी पृष्ठभूमि में जाएं तो पता चलता है कि 1980 के दशक में चीन बड़े बदलावों से गुजर रहा था। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने कुछ निजी कंपनियों और विदेशी निवेश को अनुमति देना शुरू कर दिया। चीनी नेता डेंग जियाओपिंग को इससे अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने और लोगों का जीवन स्तर ऊपर उठने की आशा थी। इस कदम से राजनीतिक खुलेपन की उम्मीद भी जगी, लेकिन उस समय कम्युनिस्ट पार्टी दो भागों में बंट गई। एक वर्ग वो जो तीव्र परिवर्तन की मांग कर रहा था, तथा दूसरा वो कठोर राज्य नियंत्रण बनाए रखना चाहता था। इस दौरान छात्रों के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन शुरू हुए। इसमें भाग लेने वालों में वे लोग शामिल थे जो विदेश में रह चुके थे और नए विचारों तथा उच्च जीवन स्तर से परिचित थे। 1989 में अधिक राजनीतिक स्वतंत्रता की मांग के साथ विरोध प्रदर्शन बढ़ गये। प्रदर्शनकारियों को एक प्रमुख राजनीतिज्ञ हू याओबांग से प्रोत्साहन मिला, जिन्होंने कुछ आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तनों की देखरेख की। दो वर्ष पहले राजनीतिक विरोधियों ने उन्हें पार्टी के शीर्ष पद से हटा दिया था। अप्रैल में हू की मौत हो गई, उनके अंतिम संस्कार के दिन हजारों लोग एकत्रित हुए और उन्होंने अधिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा कम सेंसरशिप की मांग की। अगले सप्ताहों में, प्रदर्शनकारी तियानमेन चौक पर एकत्र हुए, जिनकी अनुमानित संख्या दस लाख तक थी। तत्कालीक कम्युनिस्ट व्यवस्था ने इस दौरान न केवल हजारों निर्दोष नागरिकों, विशेषकर छात्रों और श्रमिकों का निर्मम दमन किया गया, बल्कि करोड़ों चीनी नागरिकों के मौलिक संवैधानिक अधिकारों को भी रौंद दिया। 3-4 जून की रात, चीन की जनमुक्ति सेना ने बख्तरबंद टैंकों और हथियारों से छात्रों पर हमला किया। हजारों की संख्या में निर्दोष लोगों की हत्या कर दी गई। यह भयावह घटना इतिहास में चार जून की घटना या तियानमेन नरसंहार के नाम से दर्ज है जो आज भी चीन में एक वर्जित विषय बना हुआ है। घटना वाले दिन बीजिंग की सडक़ों पर वह भयावह मंजर शुरू हुआ। चीनी सेना ने राजधानी में प्रवेश कर

गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार 35-36 लोग मारे गए। लेकिन यह तो केवल शुरुआत थी। 4 जून की सुबह करीब 4 बजे, जब तियानमेन चौक पर हजारों की संख्या में निहत्थे छात्र, नागरिक, बच्चे और बुजुर्ग शांतिपूर्वक लोकतंत्र और पारदर्शिता की मांग को लेकर एकत्र थे, तब कम्युनिस्ट सरकार ने क्रूरतम रूप का प्रदर्शन किया। सरकार ने न सिर्फ टैंक और हथियारबंद जवानों को तियानमेन चौक पर भेजा, बल्कि लड़ाकू विमानों तक की तैनाती की। बिना किसी चेतावनी के गोलियां बरसाई गईं। निर्दोष लोगों को कुचला गया, दौड़ते बच्चों को निशाना बनाया गया, और चौक को रक्तरंजित कर दिया गया। यह कार्रवाई सिर्फ एक नरसंहार नहीं बल्कि लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मानवाधिकारों की भावना पर एक संगठित, राज्य-प्रायोजित प्रहार था। बीजिंग की सडक़ों पर मानव रक्त की नदियाँ बह रही थीं। यह कोई युद्ध का मैदान नहीं था, बल्कि एक शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक प्रदर्शन के खिलाफ राज्य द्वारा चलाया गया सुनियोजित नरसंहार था। चीन की कम्युनिस्ट सरकार ने छात्रों और नागरिकों की शांतिपूर्ण मांगों का उत्तर टैंकों और गोलियों से दिया। रात के अंधेरे में बीजिंग की सडक़ों पर टैंक गर्जना करने लगे और कुछ ही घंटों में लगभग 10,000 निर्दोष लोगों की जानें चली गईं। चीनी सरकार अनुसार, दो सौ लोग मरे और तीन हजार घायल हुए। तियानमेन नरसंहार को लेकर वर्षों तक चीन सरकार ने मृत्यु संख्या को लेकर पूर्ण गोपनीयता बनाए रखी, लेकिन समय के साथ कुछ अंतर्राष्ट्रीय दस्तावेज सामने आए, जिन्होंने इस भयावह घटना की असली तस्वीर उजागर की। चीन में तत्कालीन ब्रिटिश राजदूत एलन डॉनल्ड ने 1989 में लंदन भेजे अपने एक गोपनीय टेलीग्राम में स्पष्ट रूप से कहा था कि इस सैन्य कार्रवाई में कम से कम 10,000 लोगों की मृत्यु हुई। यह टेलीग्राम घटना के 28 वर्षों बाद सार्वजनिक हुआ। हांगकांग बैप्टिस्ट विश्वविद्यालय में चीनी इतिहास, भाषा और संस्कृति के विशेषज्ञ ज्यां पिए कबेस्टन ने भी इस टेलीग्राम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि 'ब्रिटिश राजनयिकों द्वारा भेजे गए आँकड़े हैं और इन्हें खारिज नहीं किया जा सकता।' प्रसिद्ध चीनी लेखक और सामाजिक आलोचक लियाओ इयवु ने तियानमेन नरसंहार को लेकर अपनी लेखनी के माध्यम से चीनी सत्ता की क्रूरता को बेनकाब किया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि चीन अब पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर खतरा बन चुका है। 'बॉल्स ऑफ ओपियम' नामक अपनी पुस्तक में, जो विशेष रूप से तियानमेन चौक की घटना पर आधारित है, उन्होंने लिखा, 'लोकतंत्र की स्थापना के लिए संघर्ष कर रहे हजारों लोगों को सेना ने निर्ममता से कुचल दिया।' यह पुस्तक न केवल चीन में प्रतिबंधित कर दी गई, बल्कि लियाओ को इस विचारधारा के खिलाफ बोलने के कारण जेल, गुप्त निगरानी और अंततः निर्वासन तक का सामना करना पड़ा। इस घटना के बाद भी चीनी सरकार ने दमनात्मक रवैया छोड़ा नहीं बल्कि अत्याचारों की सारी सीमाएं लांघ दी। 6 जून नरसंहार के तुरंत बाद चीन में स्थित विदेशी दूतावासों ने अपने-अपने नागरिकों को सुरक्षा कारणों से देश छोडऩे के निर्देश जारी किए ताकि इस घटना पर पर्दा डाला जा सके। 16 जून को आंदोलन का नेतृत्व करने वाले छात्र नेताओं की व्यापक गिरफ्तारी शुरू हुई। विभिन्न विश्वविद्यालयों से जुड़े 1000 से अधिक छात्र नेताओं को चिन्हित कर हिरासत में लिया गया। अगले दिन 17 जून बीजिंग में 8 नागरिकों को मृत्युदंड दिया गया। 20 जून को चीन ने सभी ट्रैवल वीजा पर रोक लगा दी। यह निर्णय इसलिए लिया गया ताकि कोई भी आंदोलनकारी देश छोडक़र अंतर्राष्ट्रीय समर्थन न प्राप्त कर सके, और विरोध की आवाज को सीमा के भीतर ही दबा दिया जाए। वैसे तियानमेन नरसंहार वामपंथी विचारधारा के चरित्र का कोई अपवाद नहीं, बल्कि उसकी सतत अमानवीय प्रवृत्तियों की ही एक कड़ी है। इतिहास के पन्ने पलटने पर स्पष्ट होता है कि वामपंथी अधिनायकवाद का पूरा इतिहास ऐसे ही संविधान-विरोधी अत्याचारों और दमन की घटनाओं से अटा पड़ा है। लेनिन के नेतृत्व में 'बोल्शेविक क्रांति' के बाद लाखों विरोधियों का दमन, स्टालिन के 'ग्रेट पर्ज' के दौरान अनुमानित दो करोड़ से अधिक लोगों की हत्या, और माओत्से तुंग के 'ग्रेट लीप फारवर्ड' और 'कल्चरल रेवेल्यूशन' में करोड़ों लोगों की मौतें, यह दिखाती हैं कि वामपंथी शासन अक्सर आलोचना और विरोध को कुचलने के लिए नरसंहार और दमन को ही नीति का रूप दे देता है। यह तथ्य भी उल्लेखनीय है कि भारत के वामपंथी विचारक और संगठन भी उन्हीं वैश्विक व्यक्तित्वों लेनिन, माओ और स्टालिन से वैचारिक प्रेरणा लेते रहे हैं, जिनकी नीतियाँ अत्याचार, दमन और हिंसा से जुड़ी रही हैं। चाहे वह बंगाल और केरल की वामशासित सरकारों में राजनीतिक हिंसा का इतिहास हो, या फिर नक्सलवाद और अर्बन नक्सलिज्म के माध्यम से राज्यविरोधी हिंसक गतिविधियाँ, इन सबमें वामपंथी विचारधारा की भूमिका बार-बार सामने आती रही है। भारत-चीन युद्ध के दौरान जैसे भारत के कम्युनिस्टों ने दुश्मन देश का समर्थन कर अपने चरित्र का प्रमाण दिया उसी तरह तियानमेन चौक नरसंहार पर भी उन्होंने चीन को मूक समर्थन दिया।

देश दुनिया से

विकास के विनाशकारी प्रभाव

मानव समाज ज्यों ज्यों विकसित होता जा रहा है त्यों त्यों प्रकृति प्रदत्त जीवनदायी तत्वों का विनाश बढ़ता ही जा रहा है। हालांकि प्रकृति मित्र विकास के मॉडल विकसित करने के दावे और प्रयास किए जा रहे हैं, किन्तु जिस गति से प्रकृति का विनाश किया जा रहा है, उसकी भरपाई करना असंभव होता जा रहा है। हवा, पानी और भोजन जीवन की सबसे मूल जरूरतें हैं। हवा प्रदूषण इस हद तक बढ़ गया है कि विश्व के अनेक क्षेत्र गैस चैंबर बनते जा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के चलते धरती पर पानी के भंडार खतरे में पड़ गए हैं। हिमनदों के पिघलने की गति बढ़ती जा रही है जिसके चलते आने वाले 40-50 वर्षों में ग्लेशियर समाप्त होने के कगार पर होंगे। अमरीका के रौकिज से लेकर यूरोप की ऐल्प्स, काकेशस, और भारत की हिमालय पर्वत श्रृंखलाएं हिमनद विहीन होने वाली हैं। विज्ञान पत्रिका 'साइंस' के मुताबिक यदि हम वैश्विक तापमान वृद्धि को औद्योगिक क्रांति के बाद से 2 डिग्री सेंटी ग्रेड के भीतर नहीं रोक सके तो विश्व के ग्लेशियरों में सदी के अंत तक 10-15 फीसदी ही बर्फ बची रहेगी। इससे पानी की आपूर्ति करने वाली सदानीरा नदियां मौसमी बन कर रह जाएंगी जिनमें बारिश होने पर ही पानी होगा, या थोड़ा बहुत वनों द्वारा संरक्षित जल पर ही आबादी को निर्भर रहना पड़ेगा। भूजल की स्थिति भी अच्छी नहीं है। भारत में 45 फीसदी क्षेत्र भूजल के अधिक दोहन के कारण लाल सूची में आ गए हैं। हिमनदों के जल्दी पिघलने के कारण हिमालयी क्षेत्रों में हिमनद जनित झीलें बन रही हैं। हिमनदों की बर्फ कच्चे मलबे के साथ टूट कर पर्वतीय संकरी घाटियों में गिर कर बर्फीले मलबे के बांध बना देती है, जिसमें हिमनदों का पानी जमा होता रहता है और जब पानी की मात्रा बांध की दीवार की झेलने की शक्ति से ज्यादा हो जाती है, तब ये हिमनद बांध टूट कर निचले क्षेत्रों में बाढ़ लाकर भारी तबाही का कारण बनते हैं। हिमाचल में 90 के दशक में पाच्छू से आई बाढ़ और उत्तराखंड में विष्णुगाड़ बाढ़ ताजा उदाहरण हैं। हिमालय में इस समय 28000 के करीब हिमनद झीलें बन चुकी हैं जिनमें से बहुत सी खतरनाक साबित हो सकती हैं। उपजाऊ जमीनें अत्यधिक उपज लेने के चक्कर में रासायनिक खादों और कीटनाशक और खरपतवार नाशक दवाइयों के प्रयोग के कारण अपनी शक्ति खोती जा रही हैं। यानी

जिंदा रहने के लिए सबसे जरूरी तीनों तत्व खतरे की चपेट में हैं। और जलवायु परिवर्तन के कारण प्राकृतिक आपदाओं का क्रम भी बढ़ता जा रहा है। अति वृष्टि और अनावृष्टि का क्रम आम हो गया है। इस वर्ष हिमाचल में मार्च में औसत से कम बारिश हुई है। जब बारिश होती है तो बहुत भारी बारिश होती है। हिमाचल और उत्तराखंड में पिछले दो वर्षों से बरसात में भारी तबाही हो रही है। गत वर्ष हिमाचल में 450 के लगभग लोग अकाल मृत्यु का ग्रास बन गए थे। इस वर्ष मई महीने में ही कुल्लू और चंबा जिलों में बादल फटने की घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे जन-धन की हानि हुई है। भारतीय ऊर्जा, पर्यावरण एवं जल परिषद ने इस वर्ष देश के 57 फीसदी जिलों को जिनमें 76 फीसदी आबादी का निवास है, अत्यंत भीषण गर्मी की चपेट में आने की चेतावनी दी है। 1993 से 2022 के बीच मौसम खतरा सूचकांक 2025 के अनुसार मौसम की भारी मार झेलने वाले देशों में भारत छठे स्थान पर है। 2024 की रिपोर्ट के अनुसार 2012-22 के बीच 55 फीसदी तहसीलों में बारिश में भारी वृद्धि दर्ज की गई। वैश्विक तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि के कारण ही यह स्थिति बनी है। तापमान में वृद्धि ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में वृद्धि के कारण हुई है। इन गैसों के उत्सर्जन में वृद्धि अंधाधुंध निर्माण कार्यों में वृद्धि के कारण हुई है। अत्यधिक ऊर्जा की मांग के कारण जीवाश्म ईंधनों के प्रयोग में वृद्धि हो रही है। निर्माण कार्यों के कारण ग्रीन हाउस गैसों को प्रचूषित करके नियंत्रण करने वाले वनों का भी बहुत कटान हो रहा है। भारतवर्ष चीन और अमरीका के बाद सबसे ज्यादा कार्बन उत्सर्जन करने वाला देश बन गया है। गत वर्षों में भारत कोयले के खनन को लगभग 5 फीसदी बढ़ा चुका है। जरूरत तो इसे कम करते जाने की है। हालांकि स्वच्छ ऊर्जा के लिए सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए अच्छे प्रयास हुए हैं। 2015 में सौर ऊर्जा का कुल ऊर्जा उत्पादन में योगदान 0.5 से बढ़ कर 5.8 फीसदी हो गया है। इस समय भारत की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता 73 गीगावाट है, जो विश्व स्तर पर छठे स्थान पर है। किन्तु 70 फीसदी ऊर्जा जरूरतें अभी भी कोयले से पूरी की जा रही हैं। इसे लगातार कम करने की जरूरत है। अत्यधिक बनावटी मांग पैदा करना एक बड़ी समस्या बनती जा रही है। पूरा मीडिया इसी काम में लगा रहता है। उत्पादन प्रक्रिया का फलसफा अमरीकी फलसफे पर आधारित होता जा रहा है, जिसमें 'यूज एंड थ्रो' का सिद्धांत सर्वोपरि है। पुराने समय में उत्पाद ऐसे होते थे जिनकी मरम्मत करके सालों साल प्रयोग किया जा सकता था। मरम्मत करने वाले लोगों की एक बड़ी फौज को रोजगार भी मिलता था। अब तो ऐसी वस्तुएं बनने लगी हैं जिनको एक बार प्रयोग करके फैंकना ही पड़ता है। इससे एक तो संसाधनों का अत्यधिक दोहन और खनन करना पड़ता है और दूसरे, इतना ज्यादा कचरा पैदा हो रहा है जिसके निपटारे की समस्या नियंत्रण से बाहर हो रही है। इस सबके लिए अतिरिक्त ऊर्जा की जरूरत पड़ती है। टिकाऊ उत्पाद बनाने से इस फिजूलखर्ची से बचा जा सकता है।

कुछ अलग

डिले करप्शन...

आजकल वह गुस्से में हैं। बेहद गुस्से में। उनकी आंखें ठीक उसी तरह लाल हैं जिस तरह चीन को देखते ही प्रधानमंत्री की हो जाती हैं। लेकिन चीन को लाल आंखें दिखाने के बावजूद प्रधानमंत्री के मुंह से चीन का च तक नहीं निकल पाता। ख़ुद लाखों का विदेशी चश्मा, पेन, जूते और कपड़े पहनने के बावजूद ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर देशवासियों से विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करने का आवाहन करते हुए वह सिर्फ छोटी आंखों वाली गणेश की मूर्ति का हवाला देकर, चीन का नाम लिए बिना पतली गली से निकल गए। पर इधर सभी सरकारी योजनाओं के मार्फत सुख बांटने वाले अपने मुख्यमंत्री आजकल बेहद गुस्से में हैं। उनका कहना है कि 'डिले करप्शन' के आरोपी अफसरों पर कार्रवाई की गाज गिरेगी। करप्शन में डिले करने वाले अफसरों को सरकार भारमुक्त करके ही मानेगी। अफसरों की इतनी मजाल कि उन्होंने डिले करप्शन किया। करप्शन को बिना किसी डिले के तुरंत पूरा किया जाना चाहिए था। उन्होंने एक साक्षात्कार में बाकायदा ऐलान किया है कि डिले करप्शन के आरोपी बख्शे नहीं जाएंगे। मुख्यमंत्री कहना है कि किसी काम को डिले करना भी एक करप्शन है। लेकिन साक्षात्कारकर्ता ने उनके हवाले से कहा है कि डिले करप्शन के आरोपी अफसरों को राज्य सरकार भारमुक्त करेगी। मुख्यमंत्री के इस साक्षात्कार के बाद सरकार के एक आला अधिकारी झुन्नू लाल जी इस दुविधा में हैं कि किस तरह के अधिकारियों को भारमुक्त किया जाएगा? काम में डिले करने वाले अधिकारियों को या करप्शन में डिले करने वालों को? उन्हें सरकार की मंशा पर रत्ती भर भी संदेह नहीं। पर उनका मानना है कि अगर सरकार काम को डिले करने वाले कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए सचमुच संजीदा होती तो अब तक आधे से ज़्यादा कर्मी निपट लिए होते। पर उससे पहले न जाने देश में कितनी सरकारें निपट गई होतीं। अभी एक दिन पहले भारतीय वायु सेना प्रमुख ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में रक्षा मंत्री के सामने कहा कि कई रक्षा अधिग्रहण परियोजनाओं और सैन्य प्लेटफार्मों की आपूर्ति के लिए वितरण कार्यक्रम का पालन करने में डिले हो रहा है। समय सीमा का पालन एक बड़ी समस्या है। इसी समस्या को लेकर हमारे मुख्यमंत्री भी परेशान हैं। लेकिन उनके साक्षात्कार में यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि वह काम में डिले की वजह से परेशान हैं या डिले करप्शन की वजह से। पता नहीं साक्षात्कार लेने वाले पत्रकार बंधु का हाथ अंग्रेजी में तंग है या मुख्यमंत्री का या फिर दोनों का। पर इतना तो तय है कि इन दोनों महानुभावों के अलावा शायद ही किसी तीसरे आदमी को पता चल पाया हो कि यह दोनों कहना क्या चाहते हैं। कई बार इस तरह की अंग्रेजी हमारे वैश्विक प्रधानमंत्री भी बोलते हैं। प्रधानमंत्री की एंटायर पॉलिटिक्स साईंस के बाद यह उनकी एंटायर इंग्लिश का ही कमाल था कि उन्होंने मधुबनी में आयोजित चुनावी रैली में पाकिस्तान को उग्रवाद के खिलाफ अंग्रेजी में चेताया। पर शुक्र है कि उन्होंने पाकिस्तानियों को शांति से रोटी खाने की सलाह अंग्रेजी में नहीं दी।

दृष्टि कोण

रक्षा निर्यात में ताकत बनकर उभरेगा भारत

पाकिस्तान की आतंकवादी गतिविधियों के खिलाफ भारत द्वारा छेड़े गए युद्ध के केवल चार दिनों के बाद, हालांकि युद्धविराम ने इस आतंकवादी राष्ट्र को और अधिक नुकसान से बचा लिया है, लेकिन इस छोटी सी अवधि में पाकिस्तान को निश्चित रूप से भारी नुकसान उठाना पड़ा है। और अगर हम संघर्ष के इन चार दिनों को देखें, तो भारत निश्चित रूप से अपनी रक्षा क्षमताओं, विशेष रूप से स्वदेशी रक्षा उपकरणों को वैश्विक स्तर पर अपने संबंधित श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ के बराबर या उससे भी बेहतर प्रदर्शित करने में सक्षम रहा है। भारत सरकार के प्रेस सूचना ब्यूरो के अनुसार, 'ऑपरेशन सिंदूर ने भारतीय प्रणालियों द्वारा शत्रु की प्रौद्योगिकियों को बेअसर करने के ठोस सबूत भी पेश किए- चीनी पीएल-15 हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों, तुर्की मूल के यूएवी, लंबी दूरी के रॉकेट, क्वाडकॉप्टर और वाणिज्यिक ड्रोन के टुकड़े बरामद किए गए।' पीआईबी आगे कहता है, 'जिन्हें बरामद किया गया और उनकी पहचान की गई, जिससे पता चलता है कि पाकिस्तान द्वारा विदेशों से आपूर्ति किए गए उन्नत हथियारों का फायदा उठाने के प्रयासों के बावजूद, भारत का स्वदेशी वायु रक्षा और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध नेटवर्क बेहतर बना हुआ है।' गौरतलब है कि भारत का रक्षा निर्यात 2013-14 में 686 करोड़ रुपए से बढक़र 2023-24 में 21083 करोड़ रुपए हो गया, और 2024-25 में यह 23622 करोड़ रुपए हो गया। अगले वर्ष के लिए इसका लक्ष्य 35000 करोड़ रुपए के रक्षा उपकरण निर्यात करना है। भारत अब इटली, मालदीव, रूस, श्रीलंका, यूएई, फिलीपींस, सऊदी अरब, पोलैंड, मिस्र, इजरायल, स्पेन और चिली सहित 85 से अधिक देशों को निर्यात करता है। भारत द्वारा निर्यात किए जाने वाले प्रमुख रक्षा उपकरणों में शामिल हैं- आकाश- सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, जिसे आर्मेनिया जैसे देशों को निर्यात किया गया है और सूडान में प्रदर्शित किया गया। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, जिसे फिलीपींस को निर्यात किया जा रहा है और अन्य दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों ने भी इसमें रुचि दिखाई है (सौदों पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं)। पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लांचर, जिसे आर्मेनिया को निर्यात किया गया, 155 मिमी आर्टिलरी गन, जिसे आर्मेनिया को निर्यात किया गया, जो उन्नत आर्टिलरी प्रणालियों में भारत की क्षमताओं को उजागर करता है। डोर्नियर-228 विमान, जिसे परिवहन और निगरानी भूमिकाओं के लिए विभिन्न देशों को निर्यात किया गया। हालांकि, इन रक्षा वस्तुओं की विभिन्न देशों में पहले से ही मांग है, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बाद परिदृश्य भारत के रक्षा निर्यात के पक्ष में और भी बदल गया है। भारत अब अधिक रक्षा सामान बेचने की बेहतर स्थिति में है। इस ऑपरेशन ने न केवल भारत की सैन्य साख को बढ़ाया है, बल्कि स्वदेशी रूप से विकसित रक्षा प्रणालियों की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता का जीवंत प्रदर्शन भी किया है। कैसा रहा प्रदर्शन? पीएम नरेंद्र मोदी ने भी कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे मेड इन इंडिया हथियारों की प्रामाणिकता साबित हुई है। आज दुनिया देख रही है कि 21वीं सदी के युद्ध में मेड इन इंडिया रक्षा उपकरणों का समय आ गया है। भारत ने अपनी क्षमताओं का शानदार प्रदर्शन किया है और नए युग के युद्ध में अपनी श्रेष्ठता साबित की है। इसने भारत को स्वदेशी हथियारों और रक्षा प्रणालियों को कार्रवाई में प्रदर्शित करने का एक दुर्लभ अवसर प्रदान किया है। वास्तव में, हम युद्ध के मैदान में भारत के वर्तमान कार्य को दुनिया में भारत निर्मित हथियारों के प्रदर्शन को प्रदर्शित करने वाला एक प्रचार अभ्यास कह सकते हैं, क्योंकि हम कह सकते हैं कि वे परीक्षण केवल मैदान में नहीं बल्कि चीन और तुर्की जैसी प्रमुख सैन्य शक्तियों द्वारा समर्थित वास्तविक युद्ध जैसी स्थिति में सिद्ध हुए हैं। आकाश मिसाइल सिस्टम पर इकोनॉमिक टाइम्स लिखता है कि भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच, आकाश मिसाइल ने अपनी 'अग्नि परीक्षा' पास कर ली है। उल्लेखनीय है कि आकाश मिसाइल रक्षा प्रणाली भारत की स्वदेशी प्रणाली है, जिसने हाल ही में भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान अपनी प्रभावशीलता का प्रदर्शन किया है।

राजशाही समर्थकों का हौसला बढ़ाने पूर्व युवराज्ञी सड़कों पर उतरी

काठमांडू, 03 जून (एजेंसियां) । **नेपाल में राजशाही की वापसी को लेकर लगातार संघर्ष कर रहे अपने समर्थकों का हौसला बढ़ाने के लिए पूर्व युवराज्ञी हिमानी शाह भी सड़क पर आईं। अपने बेटे के साथ सड़क पर समर्थकों के बीच पहुंची हिमानी को देखकर लोगों में काफी उत्साह देख गया।**

राजदरबार हत्याकांड की 24वीं बरसी पर दीप प्रज्वलन के कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। पहले यह आयोजन राजदरबार के भीतर ही करना था लेकिन सरकार ने राजपरिवार के सदस्यों को उसी राजदरबार में श्रद्धांजलि कार्यक्रम करने की अनुमति नहीं दी जिस राजदरबार में रह कर शाह परिवार ने 240 वर्षों तक शासन चलाया था।

सरकार द्वारा राजदरबार में कार्यक्रम की अनुमति नहीं दिए जाने के बाद पूर्व युवराज्ञी हिमानी शाह ने काठमांडू के कमलादी में रहे गणेश मन्दिर में इसका आयोजन किया। सड़क पर अपने समर्थकों के बीच गणेश मंदिर से एक बार फिर से राजशाही की वापसी के लिए संघर्ष का श्रीगणेश माना जा सकता है। वे हजारों समर्थकों के बीच शालीनतापूर्वक मुस्कुराते हुए सबका अभिवादन स्वीकार करती नजर आईं।

हिमानी का सड़क पर आना विपक्षी के उन सवालों का भी जवाब है जो यह कहते हैं कि जिस राजसंस्था की पुनर्बहाली के लिए उनके समर्थक सड़कों पर पुलिस की लाठियां खा रहे हैं उस राजसंस्था का कोई भी सदस्य कभी भी उनके साथ सड़क पर क्यों नहीं आता अपने बीच राजपरिवार के सदस्यों को देख कर समर्थकों और आम जनता में काफी उत्साह देखा गया।

हिमानी शाह के सड़क पर आने के बाद सोमवार को एक दिन के लिए स्थगित संघर्ष को मंगलवार से फिर शुरू करने की घोषणा कर दी गई। राजसंस्था पुनर्बहाली के लिए बनाई गई जनसंघर्ष समिति ने मंगलवार से दोपहर को उसी स्थान पर प्रदर्शन करने की जानकारी दी है जो सरकार ने उपलब्ध कराया है। कल का प्रदर्शन काठमांडू के सिफल मैदान में करने की जानकारी दी जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

बिलावल भुट्टो ने जम्मू-कश्मीर विवाद को भारत से झगड़े की जड़ माना

न्यूयॉर्क। पाकिस्तान के पूर्व विदेशमंत्री और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के स्थायी समाधान के लिए जम्मू-कश्मीर विवाद का समाधान एक अनिवार्य शर्त है। नौ सदस्यीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे बिलावल ने चीन के एक टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में कहा कि मौजूदा संघर्ष विराम से स्थायी शांति आनी चाहिए। पाकिस्तान के दुनिया न्यूज टीवी चैनल ने एसोसिएट प्रेस ऑफ पाकिस्तान के हवाले से यह खबर प्रसारित की है। बिलावल ने दोटूक कहा कि जम्मू-कश्मीर विवाद को सुलझाए बिना कोई स्थायी समाधान संभव नहीं है। बिलावल ने कहा कि 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित रखने का भारत का फैसला तनाव बढ़ाने वाला है। इस संबंध में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से दोनों देशों के बीच बातचीत को सुविधाजनक बनाने में अपनी भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर, आईडब्ल्यूटी और आतंकवाद पर भारत के साथ बातचीत करने के लिए तैयार है। बिलावल भुट्टो के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य देशों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद के हालात की जानकारी दी है।

दक्षिण कोरिया चुनेगा अपना अगला राष्ट्रपति, मतदान शुरू

सियोल। दक्षिण कोरिया के लोग अपना नया राष्ट्रपति चुनेंगे। राष्ट्रपति पद के लिए हो रहे उपचुनाव के लिए मतदान मंगलवार सुबह 6 बजे देशभर के 14,295 मतदान केंद्रों पर शुरू हो गया। यह उपचुनाव संवैधानिक न्यायालय के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल को पिछले साल के अंत में मार्शल लॉ घोषित करने के कारण अप्रैल में पद से हटाए जाने के 60 दिन बाद हो रहा है। खबर के अनुसार, विजयी उम्मीदवार बुधवार को पदभार ग्रहण करेंगे। नए राष्ट्रपति का कार्यकाल जून 2030 तक रहेगा। मतदान रात 8 बजे समाप्त होगा। इसके लगभग 30 मिनट बाद 254 केंद्रों पर मतपत्रों की गिनती शुरू हो जाएगी। आधीरात बाद नतीजा आने की उम्मीद है। आंतरिक एवं सुरक्षा मंत्रालय के अनुसार, पात्र मतदाताओं की संख्या लगभग 44.39 मिलियन है। चुनाव से पहले गुरुवार और शुक्रवार को हुए प्रारंभिक मतदान में उदारवादी डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ कोरिया के उम्मीदवार ली जे-म्यांग को लगभग 49 प्रतिशत मत हासिल हुए हैं। रूढ़िवादी पीपल पावर पार्टी के उम्मीदवार किम मून-सू उनके निकटतम प्रतिद्वंदी हैं। प्रारंभिक मतदान में लगभग 15.42 मिलियन मतदाताओं ने हिस्सा लिया।

कोलोराडो हमला बाइडन की खुली सीमा नीति का परिणामः ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कोलोराडो के बोल्डर शहर में इजराइल समर्थक रैली पर हुए

हिंसक हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे अमेरिका में बिल्कुल बर्दाश्त न करने योग्य करार दिया है। उन्होंने इस घटना को जो बाइडन की खुली सीमा नीति का परिणाम बताते हुए एक बार फिर कड़ी आव्रजन नीति और सीमाओं की सुरक्षा की मांग दोहराई। ट्रंप ने सोमवार को अपनी सोशल मीडिया साइट ट्रुथ सोशल पर एक बयान जारी कर कहा कि कल कोलोराडो के बोल्डर में हुआ भयानक हमला अमेरिका में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह घटना दर्शाती है कि देश की सीमाएं कमजोर हैं और राष्ट्रपति बाइडन की नीति के कारण अवैध और अमेरिका-विरोधी तत्व देश में घुसपैठ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप नीति के तहत उन्हें देश से निकाल बाहर करना होगा। आतंकवाद जैसे कृत्यों के लिए सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि पर्ल स्ट्रीट मॉल के पास हमला हुआ, जहां प्रो-इजराइल रैली चल रही थी। आरोपित ने कथित रूप से इंसीनिडरी डिवाइस और घरेलू फ्लेमथ्रोअर का उपयोग करते हुए हमला किया और फ्री फिलिस्तीन के नारे लगाए। जांच में पता चला है कि आरोपित मिस्र निवासी मोहम्मद सबरी सोलिमान (45 वर्ष) करीब एक साल से इस हमले की योजना बना रहा था। इस हमले में चार महिलाएं और चार पुरुष घायल हुए हैं। आरोपित कथित रूप से वीजा अवधि खत्म होने के बावजूद अमेरिका में अवैध रूप से रह रहा था।

पाकिस्तान की कराची जेल से 216 कैदी भागे

भूकंप के बाद मची थी अफरातफरी, 80 से ज्यादा दोबारा पकड़े गए

इस्लामाबाद, 03 जून (एजेंसियां) । पाकिस्तान के कराची शहर में सोमवार रात एक भूकंप के झटके के बाद मची अफरातफरी के बीच मलिर जेल से 216 कैदी फरार हो गए। इनमें से करीब 80 कैदियों को दोबारा पकड़ लिया गया है, जबकि 135 अब भी फरार हैं। घटना ने पाकिस्तान की जेल सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।जेल सुपरिंटेंडेंट अरशद शाह के मुताबिक, भूकंप के झटके महसूस होने पर 700 से 1000 कैदियों को ऐहतियातन बैरकों से बाहर निकाला गया था। इसी दौरान मेन गेट पर भगदड़ मच गई और 216 कैदी मौका पाकर फरार हो गए। प्रारंभिक मीडिया रिपोर्ट्स में दीवार तोड़कर भागने की बात सामने आई थी, जिसे प्रशासन ने खारिज किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी कैदी मुख्य द्वार से ही भीड़ का फायदा उठाकर भागे।फरार कैदियों की तलाश के लिए स्पेशल सिक्योरिटी यूनिट (स्स्), रैपिड रिस्पॉन्स फोर्स (क्रक्रस्न), रेंजर्स और फ्रंटियर कोर (स्नष्ट) की टीमें संयुक्त रूप से तलाशी अभियान चला रही हैं। जेल का नियंत्रण रेंजर्स और स्नष्ट ने तुरंत संभाल लिया था। इस भगदड़ के दौरान एक कैदी की मौत हो गई है, जबकि चार सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं। गृह मंत्री मुहम्मद जर्रार लांजार ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि प्रारंभिक जांच में प्रशासनिक लापरवाही की आशंका जताई जा रही है।

मुख्यमंत्री मुराद अली शाह को घटना की पूरी जानकारी दी गई है। उन्होंने गृह मंत्री को तुरंत मौके पर पहुंचकर हालात की निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। सिंध के राज्यपाल कामरान टेसोरी ने भी घटना का संज्ञान लिया है और सभी फरार कैदियों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित करने को कहा है। गृह मंत्री ने आश्वस्त किया है कि हर फरार कैदी की पहचान और रिकॉर्ड प्रशासन के पास उपलब्ध है, और उनके घरों तथा संभावित ठिकानों पर छापेमारी जारी है। जेल मंत्री ने कहा है कि लापरवाह जेल अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, सुरक्षा चौकियों और निगरानी व्यवस्था को और कड़ा किया जा रहा है ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हो सकें।

ये है मेरी न्यूड फोटो लेकिन महिला रूक्क ने संसद में बताई सच्चाई और दी चेतावनी

न्यूजीलैंड ,03 जून। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी एआई ने मुश्किल काम काफी आसान कर दिया है तो वहीं दूसरी तरफ इसका गलत इस्तेमाल भी काफी हो रहा है। ताजा मामला न्यूजीलैंड की संसद में देखने को मिला। जहां महिला सांसद ने अपनी न्यूड फोटो को संसद में दिखाया और इसकी हकीकत भी बताई।

सांसद लॉरा मैक्लर ने गूगल पर मौजूद एक वेबसाइट की मदद चंद मिनटों में अपनी फर्जी न्यूज फोटो बनाई और 24 मई को संसद में बहस के दौरान उन्होंने यह तस्वीर दिखाते हुए बोला,ळ्यह मेरी न्यूड फोटो है, लेकिन असली नहीं है। मुझे अपनी डीपफेक तस्वीरें बनाने में 5 मिनट से भी कम समय लगा।ळ संसद के बहस के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो में कहा, 'मैंने पार्लियामेंट के बाकी मेंबर्स का ध्यान इस तरफ दिलाया कि ये काम कितना आसान है और इससे कितना शोषण और नुकसान हो रहा है। खासकर सबसे ज्यादा युवा लड़कियों के लिए।ळ महिला सांसद ने संसद में अपनी तस्वीर दिखाने को लेकर कहा कि यह बहुत डरावना अनुभव था, लेकिन वह चाहती थीं कि इस मुद्दे पर सख्त कानून बनें, ताकि लोगों को किसी तरह की परेशानी का सामना ना करना पड़े। सांसद मैक्लर अब एक नए बिल का समर्थन कर रही हैं, जिसका नाम है इसके जरिए रिवेंज पॉर्न और प्राइवेट वीडियो से जुड़े पुराने कानूनों को अपडेट किया जाएगा। बगैर किसी इजाजत के डीपफेक बनाना या फिर शेयर करना जुर्म माना जाएगा। इसके अलावा पीड़ितों को यह हक मिलेगा कि वे इस तरह का कंटेंट हटवा सकेंगे और इंसाफ हासिल करने की प्रक्रिया को भी आसान बनाया जाएगा।

नूर खान एयरबेस पर अमेरिका का है कंट्रोल बिना इजाजत पाक अफसर भी नहीं जा सकते

क्या पाकिस्तान का नूर खान एयरबेस अमेरिका की कस्टडी में है क्या अमेरिका एयरबेस की मदद से इस रीजन में अपनी पकड़ को फिर से मजबूत कर रहा है यह दावा पाकिस्तानी पत्रकार और डिफेंस विशेषज्ञ ने किया है कि रावलपिंडी में स्थित नूर खान एयरबेस पर अमेरिका का नियंत्रण है और पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों को भी इस बेस पर जाने की इजाजत नहीं है। यह दावा इस वक्त सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पाकिस्तानी पत्रकार और डिफेंस विशेषज्ञ ने किया दावा, लोग उठा रहे सवाल पाक विशेषज्ञ ने कहा कि नूर खान एयरबेस पाकिस्तान वायुसेना का एक अहम केंद्र है, लेकिन अब ये अमेरिकी सेना के अधीन है इस बेस पर बार-बार अमेरिकी विमानों को देखा गया, लेकिन उनके कार्गो की जानकारी पारदर्शी नहीं है। यह बेस बेनजीर भुट्टो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और पीएएफ कॉलेज चकलाला का हिस्सा है। नूर खान एयरबेस रावलपिंडी में पाकिस्तान के सैन्य मुख्यालय के पास स्थित है और इसे पाकिस्तान की हवाई गतिविधियों का केंद्र माना जाता है। विशेषज्ञ ने अपने बयान में संकेत दिया कि अमेरिकी सेना की मौजूदगी के कारण पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों को इस बेस के संचालन में कोई भूमिका नहीं दी जा रही है।

पाक में दो पुलिस थानों पर आतंकी हमला, सात बलूच लड़ाके मारे गए

इस्लामाबाद,03 जून (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के दो प्रांतों में पिछले 24 घंटे के दौरान दो पुलिस थानों पर बड़ा हमला हुआ। इस हमले से इतर मुठभेड़ में सात बलूच लड़ाके मारे गए। बलूच लड़ाकों को पाकिस्तान आतंकी बता रहा है। बलूचिस्तान के लोग पाकिस्तान से अजादी की मांग कर रहे हैं। वहां लंबे समय से आजादी के लिए लोग संघर्ष कर रहे हैं।

खबर के अनुसार, खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बाजौर जिला और बन्नू जिले में दो पुलिस स्टेशनों पर आतंकवादियों के हमले को विफल कर दिया गया। खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस महानिरीक्षक जुल्फिकार हमीद ने कहा कि लोई मामुंड (बाजौर जिला) और मिरयान (बन्नू) में पुलिस स्टेशनों पर देररात आतंकवादियों ने हमला किया। पुलिस बल ने बहादुरी से हमलावरों का सामना किया और उन्हें खदेड़ दिया। हमीद ने पुलिस बल के लिए प्रशंसा पत्र और पुरस्कार की घोषणा की है। इसके अलावा सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान में दो अलग-अलग अभियानों में सात बलूच लड़ाकों को मार गिराया। सेना की मीडिया विंग इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। विज्ञप्ति में कहा गया कि मरने वाले सातों आतंकवादी हैं। यह अभियान दो जून को चलाया गया। कच्छी जिले के माच के सामान्य क्षेत्र में खुफिया आधारित ऑपरेशन के दौरान पांच आतंकवादियों को मार गिराया गया। कलात जिले के मार्गंड के सामान्य क्षेत्र में दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया गया। पाकिस्तान की सेना ने कहा कि मारे गए सातों आतंकी फितना अल हिंदुस्तान के हैं। उल्लेखनीय है कि आतंकवाद परस्त पाकिस्तान लंबे समय से बलूचिस्तान के विद्रोहियों को फितना अल हिंदुस्तान (विद्रोही और हिन्दुस्तान के एजेंट) कहकर इस राजनीतिक समस्या को धार्मिक रंग देने की कोशिश कर रहा है। साथ ही टीटीपी को भी 'फितना अल खवारिज' कहकर (धार्मिक अपशब्द) भारत का साथ देने वाला बताकर प्रलाप करता रहता है। सैन्य अधिकारी भी हुकूमत की हां में हां मिलाते हैं। डीजी आईएसपीआर लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा कि बलूचिस्तान को कभी भी पाकिस्तान से अलग नहीं होने दिया जाएगा।

तुर्की में शांति वार्ता के लिए ट्रंप तैयार, पुतिन और जेलेंस्की से मुलाकात को लेकर व्हाइट हाउस का बयान

वॉशिंगटन, 03 मई (एजेंसियां) ।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तुर्की के राष्ट्रपति रेचप तैयप एर्दोआन के उस प्रस्ताव के लिए तैयार हैं, जिसमें उन्होंने ट्रंप, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच तीन-तरफा शांति वार्ता आयोजित करने की पेशकश की है। यह जानकारी सोमवार को व्हाइट हाउस की ओर से दी गई। तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोआन ने सोमवार को कहा कि उनका देश रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए इस उच्चस्तरीय वार्ता की मेजबानी करने को तैयार है। उन्होंने कहा, तुर्की इस प्रकार की बैठक के लिए आवश्यक कदम उठाने को तैयार है। इस प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लिविट ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि यदि ऐसी स्थिति आती है, तो वे इसके लिए तैयार हैं। लेकिन वे चाहते हैं कि दोनों नेता और दोनों पक्ष एक साथ बातचीत की मेज पर आएं। यह बयान

ऐसे समय आया है जब रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में कूटनीतिक समाधान की संभावनाएं सीमित होती दिख रही हैं। एर्दोआन इससे पहले भी रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए मध्यस्थता की कोशिशें करते रहे हैं। हालांकि, अभी तक इस प्रस्ताव पर पुतिन या जेलेंस्की की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

यूएस संसद में भारत का गुणगानः महात्मा गांधी के बाद पीएम मोदी को बताया सबसे महान नेता

वॉशिंगटन। दुनिया के कई देश भारत की तारीफ कर चुके हैं। यहां आयोजित अमेरिका भारत रणनीतिक साझेदारी मंच के दौरान अमेरिकी प्रतिनिधियों ने जिस तरह से भारत की तारीफ की, उसे देखते हुए ऐसा लग रहा है कि व्यापार के मामले में भारत और अमेरिका एक अच्छी साझेदारी निभाने वाले हैं। यहां मौजूद अमेरिकी सांसद और इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष रिच मैककॉर्मिक ने दिल खोलकर भारत और पीएम मोदी की तारीफ की। अमेरिकी सांसद रिच मैककॉर्मिक ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ में कहा है कि वे भारत के सबसे प्रभावशाली राजनेता हैं। वे शायद भारत में महात्मा गांधी के बाद सबसे महान नेता हैं। उन्होंने आगे कहा कि पीएम बेहद विनम्र हैं और जो लोग उन्हें प्रधानमंत्री बनने से पहले जानते थे, वे बताते हैं कि मोदी उनके घर आने पर फर्श पर सोते थे।उन्होंने पीएम मोदी को जननेता बताते हुए कहा – वे आक्रामक और राष्ट्रवादी प्रतीत हो सकते हैं, लेकिन उन्हें अर्थव्यवस्था को विकसित करने का वैश्विक दृष्टिकोण अच्छी तरह समझ है। आने वाला समय भारत का है और इस बात को अब अमेरिकी राजनेता भी मान रहे हैं। तभी तो यूएस-इंडिया स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप फोरम में अमेरिकी प्रतिनिधियों ने भारत की तारीफ करते हुए इसकी तुलना चीन से कर दी अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनक ने पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ऐसा नेता कहा, जिसे पूरे देश से समर्थन मिला है। अमेरिकी सीनेटर स्टीव डेन्स ने भारत की तुलना चीन से करते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर निवेश अब चीन से हटकर भारत की ओर बढ़ रहा है।

पीयूष गोयल ने सिंगापुर के साथ भारतीय शिपिंग क्षेत्र में अवसरों पर चर्चा की

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां) ।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गायल ने मंगलवार को सिंगापुर के उप-प्रधानमंत्री गान किम योंग के साथ मुलाकात की। उन्होंने आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने तथा भारतीय शिपिंग क्षेत्र में व्यापक अवसरों पर चर्चा की। इस दौरान द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ाने पर चर्चा की गई। इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों, विशेष रूप से शिपिंग क्षेत्र में भारत की ओर से प्रदान किए जाने वाले जबरदस्त अवसरों पर प्रकाश डाला।

इससे पहले गोयल ने तीन दिवसीय फ्रांस की आधिकारिक यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए फ्रांसीसी नेताओं और कारोबारियों से मुलाकात की थी। वाणिज्य मंत्री ने देर रात पेरिस में शीर्ष फ्रांसीसी मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के साथ कई उच्च स्तरीय बैठकें कीं। इसके अलवा गोयल ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के कार्यकारी निदेशक के डॉ. फतिह बिरोल से भी मुलाकात की। वाणिज्य मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के ईडी फतिह बिरोल, नाइजीरिया के व्यापार मंत्री जुमोके ओडुवोले, फ्रांस के अर्थव्यवस्था और वित्त मंत्री एरिक लोम्बार्ड, ऑटोमोटिव आपूर्तिकर्ता कंपनी वेलियो ग्रुप के सीईओ क्रिस्टोफ पेरिलाट और लोरियल ग्रुप के सीईओ निकोलस हिरोनिमस सहित शीर्ष सीईओ और मंत्रियों के साथ कई बैठकें की हैं और भारत में निवेश के विशाल अवसरों पर प्रकाश डाला है। पेरिस में हुई बैठक में अक्षय ऊर्जा, ऑटोमोबाइल विनिर्माण, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और उपभोक्ता उत्पादों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में भारत के विकास के लिए नए अवसरों का पता लगाया गया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के कार्यकारी निदेशक के डॉ. फतिह बिरोल से भी मुलाकात की। उन्होंने बताया कि बिरोल से मिलकर खुशी हुई। इस दौरान समग्र वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य और भारत और आईईए के बीच गहरी होती साझेदारी पर अच्छी चर्चा हुई।

न्यूज ब्रीफ

प्रोस्टार्म इन्फो सिस्टम्स का शेयर 19 प्रतिशत बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। एकीकृत बिजली समाधान कंपनी प्रोस्टार्म इन्फो सिस्टम्स लिमिटेड के शेयर ने मंगलवार को अपने निर्गम मूल्य 105 रुपये से 19 प्रतिशत की बढ़त के साथ बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध हो गया है। बीएसई पर शेयर का मूल्य 19 प्रतिशत चढ़कर 125 रुपये पर आया, जो बाद में 23.80 प्रतिशत की बढ़त के साथ 130 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर भी समान रूप से शेयर ने 14.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 120 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी ने 168 करोड़ रुपये के इस आईपीओ के लिए 95-105 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया था। आईपीओ से हासिल धन का उपयोग कंपनी ने 72.50 करोड़ रुपये के लिए पूंजीगत जरूरतों के लिए, 17.95 करोड़ रुपये के कर्ज भुगतान के लिए और शेष की अमाउंट को अन्य रणनीतिक कार्यों में निवेश करने के लिए किया है।

एईकस ने आईपीओ के लिए जमा किए दस्तावेज

नई दिल्ली। एईकस नामक विनिर्माण कंपनी ने एक गोपनीय मार्ग चुनकर भारतीय बाजार नियामक सेबी के समक्ष अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए प्राथमिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। यह विनिर्माण कंपनी करीब 20 करोड़ डॉलर जुटाने का लक्ष्य रख रही है। इस आईपीओ में कंपनी ने काई बिक्री पेशकश (ओएफएस) घटक को शामिल नहीं किया है। एईकस कंपनी ने मंगलवार को एक सार्वजनिक घोषणा में बताया कि उन्होंने सेबी और शेयर बाजारों के सामक्ष गोपनीय मार्ग के जरिये आईपीओ के लिए दस्तावेज दाखिल किए हैं। इस आईपीओ में कंपनी ने पूरी तरह से नए निर्गम पर आधारित है। एईकस कंपनी की इस कदम से उम्मीद है कि वे विशेष उत्पादों और सेवाओं के साथ उद्योग में अपनी जगह बना सकेंगे।

पिछले महीने 12,327 लोगों ने 5 लाख 70 हजार में खरीद डाली 7-सीटर कार

नई दिल्ली। 7-सीटर कारों की मांग लगातर बढ़ रही है लेकिन, महंगी होने के कारण कई लोग नहीं खरीद पाते हैं। इस समस्या का समाधान मारुति सुजुकी ने किया है। यही वजह है कि पिछले माह मई में मारुति सुजुकी की ईको 7 सीटर कार 12 हजार 3 सौ 27 लोगों ने 5 लाख 70 हजार में खरीद डाली। इससे मारुति सुजुकी इंडिया एक बार फिर गाड़ी बेचने के मामले में देश की नंबर-1 कंपनी बनकर सामने आई है। मारुति ने पिछले महीने यानी मई में कुल 180,077 गाड़ियां बेचीं। जबकि मई 2024 में उसने 174,551 गाड़ियां बेची थीं। यानी सालाना आधार पर कंपनी को 3 प्रतिशत की ग्रोथ मिली। कंपनी की सेल्स में वैन सेगमेंट की ईको का अहम रोल रहा। ये देश की सबसे सस्ती 7-सीटर कार भी है। पिछले महीने इसकी 12,327 यूनिट बिकीं। जबकि सालभर पहले ये आंकड़ा 10,960 यूनिट का था। इस यूटिलिटी वैन को 5, 6 और 7 सीटर फॉर्मेट में खरीद सकते हैं। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 5.70 लाख रुपए है। मारुति ईको की सेल्स की बात करें तो ये हर महीने शानदार प्रदर्शन कर रही है। वहीं, मई में पिछले 7 महीने का सबसे शानदार प्रदर्शन किया है। नवंबर 2024 में इसकी 10,589 यूनिट, दिसंबर 2024 में इसकी 11,678 यूनिट, जनवरी 2025 में इसकी 11,250 यूनिट, फरवरी 2025 में इसकी 11,493 यूनिट, मार्च 2025 में इसकी 10,409 यूनिट, अप्रैल 2025 में इसकी 11,438 यूनिट और मई 2025 में इसकी 12,327 यूनिट बिकीं। ईको में 11 सेफ्टी फीचर्स मिलते हैं, जो सेफ्टी से जुड़े सभी मौजूदा और कुछ आने वाले नियमों को पूरा करती है। इनमें रिवर्स पार्किंग सेंसर, इंजन इमोबिलाइजर, दरवाजों के लिए चाइल्ड लॉक, सीट बेल्ट रिमाइंडर, ईबीडी के साथ एबीएस, 6 एयरबैग शामिल हैं। ईको को अब एक नया स्टीयरिंग व्हील और एक डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर मिलता है। दोनों यूनिट कंपनी ने अपनी एस-प्रेसो और सेलेरियो से ली हैं।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशियाई बाजार में खरीदारी का रुख

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां) ।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजारों में आमतौर पर तेजी का माहौल बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान निचले स्तर से अच्छी खरीदारी हुई, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,935.94 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 128.85 अंक यानी 0.67 प्रतिशत उछल कर 19,242.61 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 126.28 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 42,179.20 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 8,774.26 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,737.20 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स 0.28 प्रतिशत फिसल कर 23,930.67 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर खरीदारी का माहौल बना हुआ है। एशिया के नौ बाजारों में से पांच के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। दक्षिण कोरिया और थाईलैंड के स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से कोस्पी इंडेक्स और सेट कंपोजिट इंडेक्स में कोई हलचल नहीं है। एशियाई बाजारों में गिफ्ट निफ्टी फिलहाल 0.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,717.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.09 प्रतिशत टूट कर 3,887.04 अंक के स्तर पर आ गया है।

ओर, निक्केई इंडेक्स 104.23 अंक यानी 0.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 37,574.90 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.48 प्रतिशत उछलकर 3,363.48 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। हैंग सेंग इंडेक्स ने मजबूत छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 252.73 अंक यानी 1.09 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,410.70 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 161.23 अंक यानी 0.77 प्रतिशत की बढ़त के साथ 21,163.94 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 7,070.51 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

टोरेंट पावर ने बीपी सिंगापुर से बिक्री समझौते पर किए हस्ताक्षर

अहमदाबाद। टोरेंट पावर लिमिटेड (टीपीएल) ने वैश्विक एकीकृत ऊर्जा कंपनी बीपी की सहायक कंपनी बीपी सिंगापुर पीटीई लिमिटेड से 2027 से 2036 तक 0.41 एमएमटीपीए तक एलएनजी की आपूर्ति के लिए दीर्घकालिक खरीद और बिक्री समझौते (एसपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। टीपीएल की ओर से बताया गया कि इस समझौते के तहत टीपीएल द्वारा खरीदी गई एलएनजी का देश की बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने के लिए रणनीतिक रूप से उपयोग किया जाएगा। साथ ही पीक डिमांड अवधि में पर्याप्त पावर सप्लाय करने और नवीकरणीय ऊर्जा को संतुलित करने के लिए 2,730 मेगावाट के संयुक्त चक्र गैस-फायर पावर प्लांट (जीबीपीपी) का संचालन भी टीपीएल द्वारा किया जाएगा। यह समझौता टोरेंट ग्रुप की सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) इकाई - टोरेंट गैस लिमिटेड (टीजीएल) को एलपीजी की बढ़ती माँग को पूरा करने में मदद करेगा, जिससे कंपनी की घरेलू, वाणिज्यिक और औद्योगिक ग्राहकों के साथ-साथ सीएनजी वाहनों को गैस की आपूर्ति सुनिश्चित कर पाएगी।

ईवी उत्पादन में विदेशी निवेश को बढ़ावाः सरकार ने घटाया आयात कर

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां) ।

केंद्र सरकार ने कहा है कि वह घरेलू ईवी उत्पादन में निवेश करने वाले विदेशी वाहन निर्माताओं के लिए आयात कर में भारी कमी करने जा रही है। योजना के तहत योग्यता और लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदक के पास ऑटोमोटिव विनिर्माण से न्यूनतम 10,000 करोड़ रुपये का वैश्विक समूह राजस्व होना आवश्यक है।

नई नीति के तहत आवेदन दाखिल करते समय वार्षिक वित्तीय विवरणों के आधार पर किसी कंपनी या उसके समूह की कंपनियों का अचल संपत्तियों में वैश्विक निवेश कम से कम 3,000 करोड़ रुपये होना चाहिए। नए संयंत्र, मशीनरी, उपकरण और इंजीनियरिंग अनुसंधान और विकास पर किया गया खर्च इस योजना के अंतर्गत निवेश से संबंधित लाभ लेने के लिए पात्र होगा। जमीन पर किए गए खर्च

10000 करोड़ के वैश्विक राजस्व वाली कंपनियां होंगी पात्र

पर विचार नहीं होगा। हालांकि, मुख्य संयंत्र और उपयोगिताओं की नई इमारतों को निवेश का हिस्सा माना जाएगा, बशर्ते यह प्रतिबद्ध निवेश के 10 फीसदी से अधिक न हो।

योजना के तहत आवेदकों के लिए अनुमोदन पत्र जारी करने की तिथि से तीन वर्षों के भीतर न्यूनतम 25 फीसदी घरेलू मूल्य संवर्धन (डीवीए) प्राप्त करना होगा। पांच वर्षों के भीतर न्यूनतम 50 फीसदी डीवीए प्राप्त करना होगा। चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर पर किया गया खर्च प्रतिबद्ध निवेश का 5 फीसदी तक माना जाएगा। आवेदन आमंत्रित करने वाले नोटिस के जरिये आवेदन पाने की अवधि 120 दिन या अधिक की होगी। भारी उद्योग मंत्रालय को 15 मार्च, 2026 तक आवश्यकतानुसार आवेदन विंडो खोलने का अधिकार होगा। आवेदन पत्र दाखिल करते समय आवेदक को पांच लाख रुपये आवेदन शुल्क देना होगा, जो वापस नहीं होगा।

एलन मस्क के पिता ने इलेक्ट्रिक वाहनों में नए निवेश की सराहना की

एलन मस्क के पिता और घरेलू सर्वोटेक रिन्यूएबल पावर सिस्टम लिमिटेड के वैश्विक सलाहकार एरोल मस्क ने भारत की यात्रा के दौरान भारत को ई-वाहनों के लिए ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की दूरदर्शी योजना की सराहना की। एरोल ने 35,000 डॉलर के न्यूनतम सीआईएफ पर इलेक्ट्रिक चार पहिया वाहनों पर 15 प्रतिशत का कम सीमा शुल्क को अच्छा विचार बताया। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत अच्छा विचार है। साथ ही यह ईवी क्षेत्र में काम कर रहे लोगों के लिए कई चीजों को आसान बनाएगा। दक्षिण अफ्रीकी व्यवसायी ने कहा कि हाई-टेक इलेक्ट्रिक व्हीकल को स्टेट-ऑफ-द-आर्ट टेक्नोलॉजी के साथ बनाना कठिन है। उन्होंने ईवी निर्माताओं की मदद के लिए हर संभव अवसर देने की मांग की।नई योजना के तहत, कंपनियों को 4,150 करोड़ रुपए का निवेश करना होगा एरोल भारत की ग्रीन टेक्नोलॉजी और ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट में तेजी लाने पर केंद्रित यात्रा के लिए भारत पहुंचे हैं। नई योजना के तहत, कंपनियों को 4,150 करोड़ रुपए का निवेश करना होगा। इसके बाद उन्हें 15 प्रतिशत के कम आयात शुल्क पर सालाना 8,000 इलेक्ट्रिक चार पहिया वाहन इंपोर्ट करने की अनुमति होगी।

पूर्वोत्तर में पहला क्षेत्रीय परिसर स्थापित करेगा आईआईसीए कॉर्पोरेट प्रशासन और विकास को आगे बढ़ाएगा

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां) ।

समावेशी राष्ट्रीय विकास और क्षेत्रीय क्षमता निर्माण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए पूर्वोत्तर में कॉर्पोरेट प्रशासन उत्कृष्टता और सतत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय कॉर्पोरेट मामले संस्थान (आईआईसीए) ने क्षेत्र में अपना पहला क्षेत्रीय परिसर स्थापित करने की घोषणा की है। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने मंगलवार को जारी बयान में बताया कि कॉर्पोरेट प्रबंधन और विकास को बढ़ावा देते हुए आईआईसीए पूर्वोत्तर में पहला क्षेत्रीय परिसर खोलेगा। आईआईसीए शिलांग परिसर प्रमुख क्षेत्रों में विशेष प्रशिक्षण, अनुसंधान और नीति सलाह के लिए क्षेत्रीय केंद्र के रूप में काम करेगा। इसमें प्रधानमंत्री पूर्वोत्तर विकास पहल (पीएम-डेवआईएनई) के तहत निवेश होगा।

मंत्रालय के मुताबिक प्रधानमंत्री की पूर्वोत्तर विकास पहल (पीएम-डेविने) के तहत 100.95 करोड़ रुपये के निवेश से समर्थित, शिलांग परिसर प्रमुख क्षेत्रों में विशेष प्रशिक्षण, अनुसंधान और नीति सलाह के लिए एक क्षेत्रीय केंद्र के रूप में काम करेगा। आईआईसीए ने अपने पहले क्षेत्रीय परिसर के लिए मेघालय के न्यू शिलांग टाउनशिप में पांच एकड़ भूमि का औपचारिक अधिग्रहण किया है। भूमि हस्तांतरण और अधिग्रहण का कार्य मेघालय

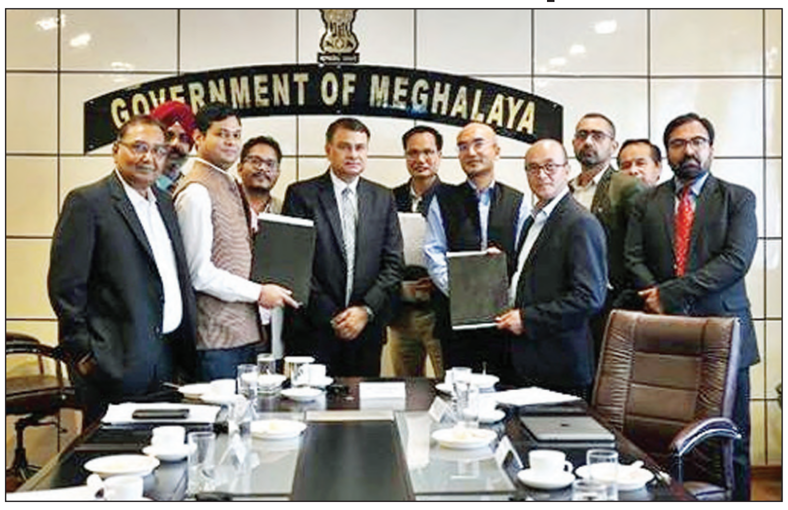

सरकार की ओर से योजना विभाग के संयुक्त सचिव के. हिनीवता और भारत सरकार की ओर से उप-सचिव शेखर श्रीवास्तव ने किया।

कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने बताया कि भूमि हस्तांतरण समारोह की अध्यक्षता मेघालय सरकार के मुख्य सचिव डोनाल्ड फिलिप्स वाहलांग और कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय की सचिव दीप्ति गौर मुखर्जी ने की। इस अवसर पर आईआईसीए के महानिदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ज्ञानेश्वर कुमार सिंह, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव इंद्रदीप सिंह धारीवाल, योजना विभाग के आयुक्त और सचिव सीवीडी डिएंगदोह, आईआईसीए के (कर्नल) अमनदीप सिंह पुरी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

मादक पदार्थ का नेटवर्क खत्म करने के लिए एआई-संचालित तरीका अपनाए डीआरआईः सीतारमण

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां) ।

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) से तस्करी, मादक पदार्थों और अवैध व्यापार से निपटने के लिए एक समग्र और प्रौद्योगिकी-संचालित दृष्टिकोण अपनाने की अपील की। सीतारमण ने कहा कि एजेंसियों को वैश्विक व्यापार और सुरक्षा खतरों की बढ़ती जटिलता के अनुरूप विकसित होना चाहिए।

सीतारमण ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के वसंत कुंज क्षेत्र स्थित केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के तहत डीआरआई के नए मुख्यालय भवन के उद्घाटन के

अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रवर्तन एजेंसियों को वैश्विक व्यापार और सुरक्षा खतरों की बढ़ती जटिलता के अनुरूप विकसित होना चाहिए। इसके दृश्यमान और अंतिम परिणाम सामने आने चाहिए। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शब्दों को दोहराते हुए कहा कि सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन -यही वह भावना है जिसके साथ हमें आगे बढ़ते रहना है।

वित्त मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि डीआरआई उन चुनिंदा भारतीय एजेंसियों में से एक है जो भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र की रक्षा करती है। हम सोना के बारे में जितना बोलते हैं, नारकोटिक्स सबसे बड़ा खतरा है जो हर राज्य और यहां तक कि छोटे शहरों में भी घुसपैठ कर चुका है। स्कूल और कॉलेज इसके पहले शिकार हैं। डीआरआई को इसे रोकना होगा और फिर राज्य पुलिस के साथ समन्वय करना होगा। हमें खतरे के आकार और दायरे के बारे में बेहतर समन्वय और बेहतर समझ की आवश्यकता है।

उन्होंने प्रवर्तन अधिकारियों से कहा, बड़ी तस्वीर को ध्यान में रखते हुए समग्र रूप से जांच करें। आपको गहरे प्रणालीगत जोखिमों और खतरों को उजागर करने के लिए अव्यक्त बिंदुओं को जोड़ना होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तस्करी के पूरे नेटवर्क को खत्म करना ही किसी भी जांच का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल छोटी-छोटी जब्तियों या गिरफ्तारियों तक ही सीमित न रहें।

वित्त मंत्री ने कहा, अगर आप छोटी मछलियों को पकड़ते हैं तो यह अच्छा नहीं है। बड़ी तस्करी श्रृंखला का पता लगाना होगा और उस पर कार्रवाई करनी होगी। ठोस नतीजे सामने आएं और उन्हें तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचाया जाए।

इससे पहले निर्मला सीतारमण ने वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के साथ डीआरआई मुख्यालय के नए भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राजस्व सचिव अरविंद श्रीवास्तव, सीबीआईसी के अध्यक्ष संजय अग्रवाल और वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

डी. गुकेश ने नॉर्वे शतरंज के 7वें राउंड में अर्जुन एरिगैसी को हराकर दूसरी जीत दर्ज की

स्टावेंगर,03 जून (एजेंसियां)।

नॉर्वे शतरंज 2025 के सातवें राउंड में सभी बोर्ड्स पर रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। इस दौर की सबसे चर्चित भिड़ंत मौजूदा विश्व चैम्पियन डी गुकेश और भारत के ही ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी के बीच हुई।

दोनों खिलाड़ियों के बीच तेज़ मुकाबला हुआ, जहां गुकेश ने धैर्य बनाए रखते हुए कड़ी मेहनत के बाद इस टूर्नामेंट में दूसरी जीत हासिल की। इससे पहले छठे राउंड में डी गुकेश ने और वर्ल्ड नंबर 1 मैग्नस कार्लसन के बीच मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की थी।

अर्जुन ने ओपनिंग में शानदार शुरुआत करते हुए तेज आक्रामक चालों से गुकेश पर दबाव बनाया, लेकिन गुकेश ने जबरदस्त डिफेंसिव कौशल दिखाते हुए खेल को जटिल एंडगेम तक पहुंचाया। समय की कमी में दोनों खिलाड़ियों के बीच तेज़ मुकाबला हुआ, जहां गुकेश ने धैर्य बनाए रखते हुए कड़ी मेहनत के बाद जीत हासिल की। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फबियानो कारुआना ने चीनी ग्रैंडमास्टर और बर्थडे बॉय वे यी के खिलाफ शुरुआती बढ़त बनाई और लंबे एंडगेम में शानदार जीत दर्ज की।

दिन का आखिरी मुकाबला विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन और हिकारु नाकामुरा के बीच खेला गया, जो क्लासिकल गेम में जल्दी ड्रॉ हो गया। हालांकि, अर्मागेडन गेम में कार्लसन ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए।

नॉर्वे विमेंस शतरंज: जु वेनजुन टॉप पर

विश्व महिला शतरंज चैम्पियन जु वेनजुन ने सारा खादेम के खिलाफ क्लासिकल गेम में शानदार एंडगेम खेलते हुए जीत दर्ज की। दिन की दूसरी क्लासिकल जीत चीन की तिंगजी लेई को मिली, जिन्होंने वाइट पीसेज़ से भारत की वैशाली रमेशबाबू को मात दी। भारत की हम्पी कोनेरू और अन्ना मुझिचुक के बीच मुकाबला शांति से ड्रॉ रहा, जिसमें काफी पीस एक्सचेंज हुए।

न्यूज़ ब्रीफ

पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतने पर महिला कांस्टेबल पुष्पा चाहर सम्मानित

मुरादाबाद। मुरादाबाद पुलिस लाइन में तैनात महिला कांस्टेबल पुष्पा चाहर पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में 410 किलोग्राम भार उठाकर अव्वल आने पर आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों के साथ सम्मानित किया। पुष्पा चाहर ने बदायूं में आयोजित बदायूं में आयोजित पावर लिफ्टिंग में 410 किलोग्राम भार उठाकर प्रथम स्थान हासिल कर गोल्ड मेडल जीता। इसके अलावा उन्होंने मेरठ में भी पावर लिफ्टिंग में गोल्ड जीता है। पुष्पा चाहर ने स्ट्रांग वूमन का खिलाफ भी जीता। सोमवार को एसएसपी सतपाल अंतिल ने उन्हें अपने दफ्तर में सम्मानित किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक देहात कुंवर आकाश सिंह, सदर कोतवाली की क्षेत्राधिकारी सुनीता दहिया भी मौजूद रहीं।

नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 टूर्नामेंट अब 5 जुलाई को बेंगलुरु में

नई दिल्ली। नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 प्रतियोगिता का आयोजन अब 5 जुलाई को बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। पहले यह इवेंट 24 मई को होना तय था, लेकिन सुरक्षा कारणों और देश के प्रति एकजुटता के भाव के चलते इसे पुनः निर्धारित किया गया है। जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स ने मंगलवार को जानकारी दी कि यह भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक टूर्नामेंट होगा, जो नीरज चोपड़ा, जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स, एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) और वर्ल्ड एथलेटिक्स (डब्ल्यूए) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। यह भारत में अब तक का सबसे उच्च स्तर का अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स मुकाबला होगा। प्रतियोगिता की अगुवाई ओलंपिक चैंपियन और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन नीरज चोपड़ा करेंगे। नीरज चोपड़ा क्लासिक टूर्नामेंट का उद्देश्य दुनिया भर की शीर्ष प्रतिभाओं को भारत में लाना और देश के नए एथलीट्स को प्रेरणा देना है। उनके साथ भाला फेंक की दुनिया के ये दिग्गज भी मैदान में उतरेंगे। एंडरसन पीटर्स (ग्रेनेडा) – दो बार के वर्ल्ड चैंपियन, थॉमस रोहलर (जर्मनी) – रियो 2016 ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट , जूलियस येगो (केन्या) – 2015 के वर्ल्ड चैंपियन , किशोर जेना – एशियन गेम्स के रजत पदक विजेता और भारत के उभरते सितारे।

केन विलियमसन ने फिर से न्यूजीलैंड क्रिकेट का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट ठुकराया

वेलिंगटन। पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने फिर से न्यूजीलैंड क्रिकेट का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट ठुकरा दिया है

और संभावना है कि वे अगले महीने जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज में नहीं खेलेंगे। विलियमसन ने पिछले साल भी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट स्वीकार नहीं किया था ताकि वे दुनिया भर में टी20 और अन्य लीग में खेलने के लिए स्वतंत्र रहें। इसके बजाय उन्होंने पिछले साल एक कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट किया था और 2024 में न्यूजीलैंड के 13 टेस्ट में से नौ में खेलते हुए 1,000 से ज्यादा रन बनाए। न्यूजीलैंड क्रिकेट की ओर से मंगलवार को जारी 20 खिलाड़ियों की कॉन्ट्रैक्ट सूची में विलियमसन का नाम नहीं था। इसके साथ ही डेवोन कॉनवे, फिन एलन, टिम सिफर्ट और लॉकि फर्ग्यूसन भी शामिल नहीं थे क्योंकि ये खिलाड़ी भी विदेशी टी20 लीग में हिस्सा ले रहे हैं। विलियमसन के फिर से कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर करने की संभावना है। टिम साउथी के रिटायर होने के बाद आलराउंडर मोहम्मद अब्बास और जैक फोल्क्स, विकेटकीपर मिच हे और स्पिनर आदि अशोक को पहली बार सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट मिला है। इसके अलावा ईश सोढी, एजाज पटेल और जोश क्लार्कसन भी टीम में शामिल हैं। विलियमसन फिलहाल इंग्लिश काउंटी चैम्पियनशिप और टी20 ब्लास्ट में मिडलसेक्स के लिए खेल रहे हैं और द हंड्रेड में लंदन स्पिरिट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। जुलाई के अंत और अगस्त की शुरुआत में न्यूजीलैंड के जिम्बाब्वे दौरे के दौरान उनकी काउंटी प्रतिबद्धताएं जारी रहने की संभावना है। लंदन में पिछले महीने एक प्रेस

18 साल का इंतजार खत्म, पंजाब को रौंदकर आरसीबी बनी नई चौंपियन

अहमदाबाद, 03 जून (एजेंसियां)।

18 साल का इंतजार खत्म हुआ और 18 नंबर की जर्सी वाले विराट कोहली का सपना आखिरकार पूरा हुआ। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को रौंदकर अपने करोड़ों चाहने वालों बड़ा गिफ्ट दे दिया। खिताबी मुकाबले में विराट कोहली की टीम ने 190 रन बनाए थे, जबकि पंजाब की टीम अच्छी शुरुआत के बावजूद लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी। वह जीत से सिर्फ 6 रन दूर रह गई, जबकि शशांक सिंह की 30 गेंदों में 3 चौके और 6 छक्के की मदद से खेली गई नाबाद 61 रनों की पारी बेकार गई। जीत की सुगंध तभी मिल गई थी जब श्रेयस अय्यर एक रन पर आउट हुए। उस समय विराट का आक्रामक जश्न पूरी कहानी बयां कर रहा था।

जब आखिरी ओवर में लगा कि अब जीत से कोई रोक नहीं सकता तो विराट कोहली की आंखों में आंसू थे। वह रो पड़े थे। भावनाओं का गुबार रोकते नहीं रुक रहा था। दूसरी ओर, पंजाब के चाहने वाले निराशा में डूब चुके थे।

पंजाब किंग्स की पारी का रोमांच

191 रनों के पहाड़ सरीखे लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स की टीम को अनकैप्ड प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने अच्छी शुरुआत दी। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 5 ओवरों में 43 रन जोड़े। इसी स्कोर पर प्रियांश को जोश हेजलवुड ने अपनी रणनीति के अनुसार की गई गेंद पर शिकार बनाया। डीप स्क्वेयर लेग बाउंड्री पर फिल साल्ट ने कमाल का कैच लपका।

उन्होंने पहले गेंद को पकड़ा, लेकिन जब बाउंड्री से बाहर जाने लगे तो गेंद को अंदर की ओर उछालकर वापस लपक लिया। इस तरह से प्रियांश आर्य की पारी 24 रनों पर खत्म हो गई। उन्होंने 19 गेंदों का सामना किया, जबकि 4 चौके लगाए।

श्रेयस अय्यर का बल्ला दे गया धोखा

प्रभसिमरन सिंह 26 रन पर चलते बने। उन्हें क्रुणाल पंड्या ने पवेलियन भेजा। इसके बाद कप्तान श्रेयस अय्यर को रोमारियो शेफर्ड ने जितेश शर्मा के हाथों सिर्फ एक रन पर कैच कराया तो पूरे स्टेडियम में फैले आरसीबी के चाहने वाले

सपना पूरा हुआ तो रोने लगे विराट कोहली

खुशी में झूम उठे। विराट कोहली का आक्रामक जश्न देखते बन रहा था। अय्यर मुंबई इंडियंस के खिलाफ क्वालिफायर-2 के हीरो थे। हर किसी को पता था कि वह क्या कर सकते हैं। जब आउट हुए तो पंजाब के खेमे में सन्नाटा पसर गया। इस तरह से 72 रनों पर दूसरा, जबकि 79 रनों पर तीसरा विकेट गिरा। इसके बाद बल्लेबाज आते रहे और अपना विकेट गंवाकर जाते रहे। हालांकि, शशांक सिंह ने जरूर हाफ सेंचुरी जड़ी, लेकिन टीम जीत से सिर्फ 6 रन दूर रह गई। उसने 7 विकेट पर 184 रन बनाए, जबकि भुवनेश्वर कुमार और क्रुणाल पंड्या ने 2-2 विकेट झटके।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 190 रन बनाए। एक समय मजबूत स्थिति में होने के बावजूद अंतिम ओवरों में उनकी पारी लड़खड़ा गई। आखिरी के 19 रन बनाने में टीम ने 4 विकेट गंवाए, जबकि आखिरी ओवर में अर्शदीप ने सिर्फ 3 रन दिए, जबकि 3 विकेट गिरे। विराट कोहली ने 35 गेंदों में 43 रन बनाए। कोहली ने इस मैच में आईपीएल इतिहास में सबसे अधिक चौके लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया, शिखर धवन के 768 चौकों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए 769 चौके पूरे किए।खचाखच भरे नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पंजाब किंग्स के गेंदबाजों ने शुरुआत से ही विकेट निकालने का सिलसिला बनाए रखा और आरसीबी के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। विराट कोहली आरसीबी के शीर्ष स्कोरर रहे, लेकिन उन्होंने धीमी बल्लेबाजी की। कोहली ने 35 गेंदों में 3 चौकों की मदद से 43 रन बनाए। हालांकि, उनकी पारी अपेक्षाकृत थोड़ी स्लो रह गई। जितेश शर्मा ही एकमात्र बल्लेबाज रहे, जिन्होंने 200 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। उन्होंने 10 गेंदों में 24 रन बनाए, जिसमें 2 चौके और 2 छक्के शामिल थे।

मयंक अग्रवाल (18 गेंदों में 24 रन), लियाम लिविंगस्टोन (15 गेंदों में 25 रन), रजत पाटीदार (16 गेंदों में 26 रन) और रोमारियो शेफर्ड (9 गेंदों में 17 रन) ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन उसे बड़ी पारी में नहीं बदल सके। अर्शदीप के अलावा काइल जैमीसन ने भी 3 विकेट झटके। अजमतुल्ला ओमरजई, विजयकुमार वैशाक और युजवेंद्र चहल ने भी एक-एक विकेट अपने नाम किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जमानत नहीं दी तो...

उन्होंने याचिका में कहा है कि इस महिला सुधार गृह में न सही से साफ-सफाई होती है, न ही यहां पीने का साफ पानी दिया जाता है। शर्मिष्ठा ने यह भी बताया कि उन्हें बीमारियां भी हैं और इस महिला सुधार गृह में उन्हें इलाज या दवा की कोई भी सुविधा नहीं मिल रही है। शर्मिष्ठा ने सुरक्षा दिए जाने की मांग की है। लेकिन विडंबना है कि इस जरूरी मुद्दे पर सुनवाई के लिए अलीपुर कोर्ट को फुर्सत नहीं है। बेशर्म पश्चिम बंगाल सरकार ने शर्मिष्ठा को राहत देने की मांग का पुरजोर विरोध किया है। पश्चिम बंगाल सरकार ने यह भी प्रयास किया था कि शर्मिष्ठा की जमानत अर्जी पर सुनवाई कलकत्ता हाईकोर्ट में गर्मी की छुट्टियों के बाद हो, ताकि उसे पूरे गर्मी की छुट्टी के दरम्यान जेल में ही रहना पड़े। कलकत्ता हाईकोर्ट में अब गुरुवार 5 जून को सुनवाई होनी है।

उधर, मां कामाख्या पर गंदी टिप्पणी करने वाले वजाहत खान को जैसे ही असम पुलिस ने मांगा, वैसे ही उसे बचाने के लिए बंगाल पुलिस ने भी उस पर एफआईआर कर दिया, ताकि असम पुलिस वजाहत को बंगाल से न ले जा सके। वजाहत फरार है, लेकिन बंगाल की अदालतें निश्चिंत हैं। मां कामाख्या पर गंदी टिप्पणी करने वाले वजाहत खान को लेकर असम पुलिस जैसे ही सतर्क हुई, कलकत्ता पुलिस ने उसके खिलाफ गार्डन रीच थाने में 2 जून को झटपट एफआईआर दर्ज कर दी।

उसी इस्लामी कट्टरपंथी वजाहत खान ने इस्लाम के कथित अपमान पर शर्मिष्ठा पर एफआईआर कराई थी। वजाहत के पाकिस्तान से सीधे लिंक पकड़े गए हैं। लेकिन मुस्लिम तुष्टिकरण में अंधी हो चुकी ममता सरकार को इससे कोई लेना देना नहीं। यह सामने आ चुका है कि वजाहत ने मां कामाख्या, भगवान कृष्ण समेत तमाम हिंदू देवी-देवताओं पर लगातार अपमानजनक टिप्पणियां कर रहा था।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा, वजाहत खान के खिलाफ मां कामाख्या पर अपमानजनक टिप्पणियां करने के मामले में एक केस दर्ज किया गया है। अब असम पुलिस पश्चिम बंगाल जाएगी और आगे की कार्रवाई करेगी। हम पश्चिम बंगाल पुलिस से इस मामले में सहयोग मांगेंगे ताकि आरोपी को असम में कार्रवाई के लिए लाया जा सके।

युद्ध-विराम में...

सांसदों से मुलाकात की। इस दौरान वहां के नेताओं ने ब्राजील को भारत का सदाबहार मित्र करार दिया। तेजस्वी सूर्या ने ब्राजील की यात्रा को सफल बताया। वहां के नेताओं ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से बातचीत के दौरान कहा कि उनका देश हमारा हर मौसम में सहयोगी और हर मौसम का दोस्त है। सूर्या ने यह भी कहा कि ब्राजील के अलावा गुयाना, पनामा और कोलंबिया से भी हमें पूरा समर्थन हासिल हुआ है। यह उपलब्धि भारतीय प्रतिनिधिमंडल के लिए बहुत अहम है। खास तौर पर लैटिन अमेरिका में और सामान्य रूप से पूरे विश्व में ब्राजील एक जरूरी और महत्वपूर्ण आवाज है। वहां गए भारतीय प्रतिनिधिमंडल में शशि थरूर, सरफराज अहमद, गंटी हरीश मधुर, शशांक मणि त्रिपाठी, भुवनेश्वर कलिता, तेजस्वी सूर्या और पूर्व राजदूत तरनजीत सिंह संधू शामिल हैं।

अब तक शरणार्थी ...

चरागाह और तालाब पर भी बसे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन्हें अन्यत्र जमीन देने या फिर उसी जमीन पर स्वामित्व अधिकार देने के लिए कानून में बदलाव करने पर विचार करना होगा।

उत्तर प्रदेश में बसे पाकिस्तानी शरणार्थियों को अब जमीन का मालिकाना हक मिलने की दिशा में इसे एक अहम कदम बताया जा रहा है। मुरादाबाद के मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह की अध्यक्षता में गठित कमेटी ने इस संबंध में पूरी जांच करने के बाद अपनी रिपोर्ट शासन को सौंपी है। रिपोर्ट में उत्तराखंड मॉडल की तर्ज पर शरणार्थियों को संक्रमणीय भूमिधर अधिकार देने की सिफारिश की गई है।

दुनिया शिव की...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बेस्ट लीडर।

एरोल मस्क ने भारत को वैश्विक नेता बताया और कहा कि यह चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत इसके बावजूद विनम्र है। एरोल मस्क ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भी बात की और भारत का समर्थन किया। उन्होंने कहा, पाकिस्तान भारत के लोगों का जीवन कठिन नहीं बना सकता। अगर पाकिस्तानी परेशानियां पैदा कर रहा है, तो इस पर एक्शन लिया जाना चाहिए।

परमाणु ब्लैकमेल ...

गुवाहाटी जैसे असम के मैदानों में प्रवाह मानसून के समय 15,000-20,000 घन मीटर/सेकंड है। ब्रह्मपुत्र भारत में प्रवेश के बाद सशक्त होती है। यह एक भारतीय, वर्षा-पोषित नदी प्रणाली है, न कि किसी एक स्रोत पर निर्भर है। पाकिस्तान के लिए वह सच्चाई जो उसे जाननी चाहिए, अगर चीन कभी ब्रह्मपुत्र के जल को कम भी कर दे (जो कि अब तक किसी भी मंच पर न कहा गया है, न संकेत दिया गया है), तो वह भारत के लिए मददगार हो सकता है, क्योंकि हर वर्ष असम में आने वाली भीषण बाढ़ लाखों को विस्थापित करती है और भारी तबाही लाती है।

पाकिस्तान, जिसने 74 वर्षों तक सिंधु जल संधि से असमान लाभ उठाया, अब घबरा रहा है क्योंकि, भारत अपने जल अधिकारों पर संप्रभु निर्णय ले रहा है।

इस संबंध में पाकिस्तान को कुछ याद दिलाना जरूरी है जैसे, ब्रह्मपुत्र एक ही स्रोत पर आधारित नहीं है। यह हमारे भूगोल, हमारे मानसून और हमारी सभ्यतागत शक्ति से पोषित है। मुख्यमंत्री सरमा ने तथ्यों के आधार पर पाकिस्तान की डर वाली रणनीति की जहां हवा निकाल दी, वहीं चीन को भी एक तरह से उत्तर दिया है कि, ब्रह्मपुत्र को लेकर वह भारत को ब्लैकमेल नहीं कर सकता है।

ब्रह्मपुत्र नदी चीन से भले ही आती हो, लेकिन इसका ज्यादातर पानी भारत में ही बनता है। चीन ब्रह्मपुत्र के कुल पानी में सिर्फ 30-35 प्रतिशत का योगदान देता है, और वह भी ज्यादातर पिघलते ग्लेशियरों से आता है। बाकी 65-70 प्रतिशत पानी तो भारत के भीतर ही बनता है, खासकर अरुणाचल प्रदेश, असम, नागालैंड और मेघालय में होने वाली भारी मानसूनी बारिश से। सिंधु जल समझौता स्थगित होने के बाद पाकिस्तान भारत के खिलाफ अलग-अलग पैंतरे चल रहा है।

उसने हाल ही में ब्रह्मपुत्र नदी पर प्रलाप चालू किया है। इस बार उसने यह डर फैलाने की कोशिश की है कि अगर चीन ब्रह्मपुत्र का पानी रोक दे तो क्या होगा? उसके इस प्रोपेगेंडा का जवाब असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने दिया है।

मुख्यमंत्री हिमंत ने साफ किया कि ब्रह्मपुत्र नदी चीन से भले ही आती हो, लेकिन इसका ज्यादातर पानी भारत में ही बनता है। चीन ब्रह्मपुत्र के कुल पानी में सिर्फ 30-35 प्रतिशत का योगदान देता है, और वह भी ज्यादातर पिघलते ग्लेशियरों से आता है।

उन्होंने बताया कि बाकी 65-70 प्रतिशत पानी तो भारत के भीतर ही बनता है, खासकर अरुणाचल प्रदेश, असम, नागालैंड और मेघालय में होने वाली भारी मानसूनी बारिश से। इसके अलावा, सुबनसिरी, लोहित, कामेंग, मानस, धनसिरी, जिया-भरली, कोपिली जैसी कई बड़ी सहायक नदियां भी हैं जो ब्रह्मपुत्र में पानी डालती हैं। सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि मेघालय की खासी, गारो और जयंतिया पहाड़ियों से भी कृष्णाई, दिगारू, कुलसी जैसी नदियों के जरिए ब्रह्मपुत्र में खूब पानी आता है और भारत-चीन सीमा पर (तूतिंग में) ब्रह्मपुत्र का प्रवाह लगभग 2,000-3,000 घन मीटर/सेकंड होता है। उन्होंने कहा कि असम के मैदानी इलाकों में (जैसे गुवाहाटी में), मानसून के दौरान यह प्रवाह बढ़कर 15,000-20,000 घन मीटर/सेकंड हो जाता है। इसका मतलब है कि ब्रह्मपुत्र भारत में आने के बाद और भी बड़ी और शक्तिशाली हो जाती है। यह एक भारतीय, बारिश से पोषित नदी प्रणाली है, जो किसी एक स्रोत पर निर्भर नहीं है।

कुख्यात बाटला...

में न तो पार्टी बनाया और न ही अपना पक्ष रखने का मौका दिया। बाटला हाउस में अवैध तरीके से कब्जा करके पिछले कई सालों से रह रहे लोगों को दिल्ली विकास प्राधिकरण ने एक नोटिस भेजा था।

इसमें प्राधिकरण ने कब्जाधारियों को 27 मई 2025 को 15 दिन का समय दिया और कहा कि तय समय के अंदर वे अतिक्रमण हटा लें, उसके बाद प्रशासन अवैध निर्माण को ध्वस्त करेगा। फिर क्या था बाटला हाउस की मालकिन सुल्ताना शाहीन समेत 39 अन्य लोगों ने वकील आदिल अहमद के जरिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर दी। 2 जून को इस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने फौरी राहत देने से इंकार कर दिया।

आज महेश नवमी व्रत, जानें इस व्रत का महत्व और उपाय

महेश नवमी एक प्रमुख हिंदू पर्व है, जो भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित होता है। यह पर्व ज्येष्ठ मास की शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन भक्तजन व्रत रखते हैं, पूजन करते हैं और शिव-पार्वती की कृपा पाने के लिए प्रार्थना करते हैं। यह त्योहार महेश्वरी समाज की उत्पत्ति से जुड़ा है। मान्यता है कि भगवान महेश और माता पार्वती ने 72 क्षत्रियों को शाप से मुक्त किया था। उन्होंने कहा था, आज से तुम्हारे वंश पर हमारी छाप रहेगी और तुम माहेश्वरी कहलाओगे। इसलिए, यह त्योहार महेश्वरी समाज के लिए बहुत खास है। इस साल महेश नवमी 4 जून को है। इस दिन जो भक्त शिव-पार्वती का पूजन करके व्रत करते हैं, उन्हें जीवन के सभी संकटों से मुक्ति मिलती है और सांसारिक सुखों की प्राप्ति होती है। महेश नवमी के दिन व्रत रखने और शिव-पार्वती की पूजा करने से दांपत्य जीवन में प्रेम, सौहार्द और स्थिरता आती है। साथ ही मनोकामनाओं की पूर्ति होती है।

महेश नवमी की पूजाविधि

महेश नवमी की पूजाविधि में प्रातः स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करने के बाद पूजा स्थल को गंगाजल से शुद्ध किया जाता है। भगवान शिव और माता पार्वती की मूर्ति या चित्र को स्थापित कर उन्हें जल, दूध, पंचामृत, चंदन, फूल, बेलपत्र, धतूरा, भस्म, और अक्षत से पूजन किया जाता है। माता पार्वती को सिंदूर, चूड़ी, श्रृंगार सामग्री अर्पित की जाती है। व्रती ॐ नमः शिवाय या ॐ महेश्वराय नमः मंत्र का जप करते हुए पूजा करते हैं। पूजन के बाद महेश नवमी व्रत कथा का श्रवण किया जाता है, फिर आरती कर प्रसाद वितरित किया जाता है। अंत में ब्राह्मणों या जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र या दक्षिणा का दान देने से व्रत पूर्ण होता है।

महेश नवमी के उपाय

भगवान शिव को कच्चे चावल चढ़ाने से धन लाभ होता है।

भगवान शिव को बेला के फूल चढ़ाने से सुंदर पत्नी मिलती है।

शिवलिंग का अभिषेक गाय के घी से करने से कमजोरी दूर होती है।

महादेव की पूजा हरसिंगार के फूलों से करें तो सुख-सम्पत्ति में वृद्धि होती है ।

कनेर के फूलों से भगवान शिव की पूजा करने से नए वस्त्र मिलते हैं।

महादेव को जूही के फूल चढ़ाने से घर में कभी अन्न की कमी नहीं होती।

धतूरे के फूल से पूजा करने पर महादेव सुयोग्य पुत्र प्रदान करते हैं।

भगवान शिव को गेहूं चढ़ाने से संतान वृद्धि होती है।

शिवजी की पूजा चमेली के फूल से करने पर वाहन सुख मिलता है।

शिवलिंग पर गन्ने का रस चढ़ाने से जीवन में सभी सुख मिलते हैं।

18 को वैशाख माह की कालाष्टमी मनाई जाएगी

सनातन धर्म में कालाष्टमी पर्व का खास महत्व है। यह दिन पूर्णतया काल भैरव देव को समर्पित होता है। इस शुभ अवसर पर भगवान शिव के रौद्र रूप काल भैरव देव की पूजा की जाती है। साथ ही विशेष कामों में सफलता पाने के लिए व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।धार्मिक मत है कि कालाष्टमी के दिन काल भैरव देव की पूजा करने से साधक को सभी प्रकार के सांसारिक कष्टों से मुक्ति मिलती है। साथ ही सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है।

कालाष्टमी शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि शुरू होगी। वहीं, 19 जून को दोपहर 11 बजकर 55 मिनट पर आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि समाप्त होगी। काल भैरव देव की निशा काल में पूजा की जाती है। इसके लिए 18 जून को वैशाख माह की कालाष्टमी मनाई जाएगी। वहीं, निशा काल में पूजा का समय देर रात 11 बजकर 59 मिनट से लेकर 12 बजकर 39 मिनट तक है।

रवि योग

ज्योतिषियों की मानें तो आषाढ़ माह की कालाष्टमी पर रवि योग का संयोग बन रहा है। रवि योग शाम 09 बजकर 36 मिनट तक है। साथ ही शिववास योग शाम 07 बजकर 59 मिनट तक है। इस दौरान देवों के देव महादेव नंदी की सवारी करेंगे। शिववास योग में काल भैरव देव की पूजा करने से साधक को दोगुना फल मिलता है। साथ ही सभी बिगड़े काम बन जाएंगे। इसके अलावा, अभिजीत मुहूर्त का संयोग भी बन रहा है।

पंचांग

सूर्योदय - सुबह 05 बजकर 51 मिनट पर
सूर्यास्त - शाम 06 बजकर 50 मिनट पर
ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 04 बजकर 22 मिनट से 05 बजकर 06 मिनट तक
विजय मुहूर्त - दोपहर 02 बजकर 30 मिनट से 03 बजकर 22 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त - शाम 06 बजकर 49 मिनट से 07 बजकर 11 मिनट तक
निशिता मुहूर्त - रात्रि 11 बजकर 58 मिनट से 12 बजकर 42 मिनट तक

पूजा विधि

आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर सुबह उठें। अब घर की साफ-सफाई करें। सभी कामों से निवृत्त होने के बाद स्नान-ध्यान करें और सूर्य देव को जल अर्पित करें। इसके बाद घर पर भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा करें।

पूजा के समय देवों के देव महादेव को सफेद रंग के फल, फूल और मिष्ठान अर्पित करें। पूजा समापन के बाद मंदिर जाकर काल भैरव देव के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करें। वहीं, संध्याकाल में भगवान शिव की आरती करें।

खीर भवानी मंदिर का मेला आज से प्रारंभ

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में स्थित खीर भवानी मंदिर में खीर भवानी मेला आज से शुरू हो रहा है। ज्येष्ठ शुक्ल अष्टमी को खीर भवानी मेले की शुरुआत होती है। यह कश्मीरी पंडित समुदाय के बीच काफी लोकप्रिय मंदिर है और कश्मीर में हिंदू धर्म के अनुयायियों की आस्था का पवित्र स्थल है। खीर भवानी मंदिर को लेकर कई मान्यताएं हैं। यहां एक अद्भुत कुंड है जिसका रंग बदलता रहता है और रामायण काल से भी इस मंदिर का संबंध जोड़ा जाता है।

मां दुर्गा का रूप हैं महारज्ञा देवी

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर के पास गांदरबल के तुला मूला गांव में पवित्र झरने के ऊपर खीर भवानी मंदिर बना है। ज्येष्ठ अष्टमी पर शुरू होने वाले मेले में मां दुर्गा के रूप महारज्ञा देवी के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडित यहां आते हैं। जिन्हें रागान्या देवी के रूप में भी पूजा जाता है। मान्यता है कि मां महारज्ञा देवी लंका की देवी हैं और वह रावण की भक्ति से काफी प्रसन्न हुई थीं, लेकिन रावण की निर्दयता और क्रूर आचरण से मां रुष्ट हो गई थीं और वह हनुमानजी के सहयोग से तुला मूला गांव में आ गईं। बताया जाता है कि 1890 में स्वामी विवेकानंद जब कश्मीर आए थे तो वह खीर भवानी मंदिर भी दर्शन के लिए गए थे। तब मंदिर की जीर्णशीर्ण स्थिति देखकर वह व्यथित हो गए थे। किंवदंती है कि तब मां ने विवेकानंद से कहा था कि यह मेरी इच्छा है कि मैं ऐसे मंदिर में रहूं वरना मैं चाहूं तो क्या यहां स्वर्ण जणित मंदिर नहीं बन सकता है।

मां को लगाया जाता है खीर का भोग

हालांकि बाद में साल 1912 में महाराजा प्रताप सिंह ने इस मंदिर का निर्माण करवाया। इसके बाद महाराजा हरि सिंह ने मंदिर का नवीनीकरण करवाया। मंदिर में छह कोनों वाला एक झरना है और एक सफेद संगमरमर का छोटा सा मंदिर है, जिसमें देवी की मूर्ति स्थापित है। मां को विशेष रूप से खीर का भोग लगाया जाता है। मंदिर को लेकर एक मान्यता यह भी है कि भगवान राम ने वनवास के दौरान महारज्ञा देवी की पूजा की थी। वनवास के बाद उन्होंने देवी का स्थान जम्मू-कश्मीर के शादीप-ेारा स्थानांतरित करने की इच्छा जताई, जिसे हनुमानजी ने पूरा किया। बाद में देवी रज्ञा एक स्थानीय पंडित रुगनाथ गद्रू के स्वप्न में प्रकट हुईं और तब यह मंदिर अपने वर्तमान स्थान पर लाया गया।

मंदिर के कुंड को लेकर मान्यताएं

यह मंदिर चिनार के पेड़ों और बहते झरनों के बीच बसा हुआ है और कश्मीर के सबसे पवित्र स्थलों में से एक माना जाता है। इस मंदिर की खास बात यह है कि यहां एक कुंड है जिसमें भरे पानी का रंग अलग-अलग मौकों पर बदलता है। और यह रंग शुभ और अशुभ का संकेत देता है। जब कुंड के पानी का रंग काला हो जाता है तो इसे अनिष्ट का संकेत माना जाता है।

कुंड का काला रंग माना जाता है अशुभ

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो जब घाटी में कश्मीरी पंडितों का नरसंहार और पलायन हुआ था तब कुंड के पानी का रंग काला हो गया था।

इसी तरह कोरोना काल में भी कुंड का रंग काला हो गया था। करगिल की लड़ाई के दौरान इसका रंग लाल हो गया था और धारा 370 जब हटी थी तब इसका रंग हरा हुआ था। यही नहीं 1886 में अंग्रेज लेखक और ब्रिटिश अधिकारी वाल्टर लॉरेंस ने कुंड का रंग बैंगनी होने की सूचना दी थी। उन्होंने अपनी किताब द वैली ऑफ कश्मीर में लिखा है, यहां अजीब मान्यता है कि कुंड का पानी रंग बदलता है। जब मैंने तुला मूला में खीर भवानी के कुंड को देखा तो पानी का रंग बैंगनी था, लेकिन जब अकाल या हैजा आता है तो पानी का रंग काला हो जाता है।

सिंहाचलम मंदिर हैं भगवान नरसिंह के चमत्कारी मंदिर

भगवान विष्णु ने अपने भक्त प्रहलाद की रक्षा और असुरों के राजा हिरण्यकश्यप का वध करने के लिए भगवान विष्णु के नरसिंह अवतार धारण किया था, जो अर्ध सिंह (शेर) और अर्ध नर (मनुष्य) के रूप में था। भगवान विष्णु का यह स्वरूप काफी उग्र माना जाता है। आज हम आपको भगवान नरसिंह को समर्पित कुछ अद्भुत मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं।

इंसानों जैसी है मूर्ति की त्वचा

तेलंगाना के मल्लूर में प्राचीन नरसिम्हा मंदिर में नरसिंह देव की मूर्ति 10 फीट ऊंची स्थापित है। मान्यताओं के अनुसार, इस मंदिर में स्थापित भगवान नरसिंह की प्रतिमा को जीवित माना जाता है। इसके साथ ही प्रतिमा इतनी दिव्य लगती हैं कि नरसिंह देव की उनकी त्वचा जीवित इंसानों जैसी ही प्रतीत होती है।

ऐसा भी कहा जाता है कि इस मूर्ति की त्वचा इतनी मुलायम है कि अगर मूर्ति पर नाखून लगाया जाए, तो इससे खून निकलने लगता है। इसलिए यहां के पुजारी भगवान नरसिंह की मूर्ति पर चंदन का लेप लगाते हैं।

साल में एक बार होते हैं दर्शन

विशाखापट्टनम से करीब 16 किलोमीटर की दूरी पर सिंहाचल पर्वत पर सिंहाचलम मंदिर स्थापित है। भगवान नरसिंह को समर्पित इस मंदिर को लेकर भी कई मान्यताएं प्रचलित हैं। इस मंदिर में नरसिंह भगवान मां लक्ष्मी के साथ विराजमान हैं।

इस मंदिर में भगवान नरसिंह की मूर्ति पर मोटे चंदन की परत लगाई जाती है, जिसे लेकर यह मान्यता है कि इससे उनका उग्र स्वरूप शांत बना रहता है। यह परत साल में केवल एक बार यानी अक्षय तृतीया के दिन हटाई जाती है। इसी दिन पर भक्त मूर्ति का दर्शन कर पाते हैं।

दर्शन से दूर होते हैं सभी संकट

नरसिंह भगवान को समर्पित एक मंदिर उत्तराखंड जोशीमठ में स्थित है, जिसे नृसिंह बदरी के नाम से भी जाना जाता है। यह मंदिर बद्रीनाथ धाम के रास्ते में स्थित है, जिसके दर्शन किए बिना बदरीनाथ धाम की यात्रा अधूरी मानी जाती है।इस मंदिर का इतिहास करीब 1 हजार साल से ज्यादा पुराना माना जाता है। भक्तों की इस मंदिर पर अटूट आस्था है। ऐसा मान्यता है कि यहां दर्शन करने से भक्तों के सभी संकट दूर हो जाते हैं और भगवान नृसिंह की कृपा से हर मनोकामना पूरी होती है।

मिथुन सहित अन्य राशियों को होगा चौतरफा धन लाभ, मां दुर्गा लगाएंगी बेड़ा पार

आज यानी 4 जून बुधवार है और चंद्रमा का गोचर कन्या राशि में होगा, जिसके स्वामी ग्रह बुध हैं। और आज बुधवार होने की वजह से पूरे दिन बुध ग्रह का प्रभाव रहेगा। आज वृषभ राशि में मौजूद सूर्य के साथ बुध युति संबंध बनाएंगे जिससे बुधादित्य योग का शुभ संयोग बनेगा। इसके साथ ही आज चंद्रमा और गुरु एक-दूसरे से केंद्र स्थान में रहते हुए गोचर करेंगे जिससे आज के दिन गजकेसरी योग का उत्तम संयोग बनेगा। सोने पर सुहागा यह है कि आज उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र में सिद्धि योग बनेगा जिससे आज के दिन का महत्व और बढ़ जाएगा। वैदिक पंचांग के अनुसार देखें तो आज ज्येष्ठ शुक्ल नवमी तिथि है जिससे तिथि के अनुसार आज का दिन मां दुर्गा को समर्पित रहेगा। ऐसे में आज बुधवार का दिन गजकेसरी योग और मां दुर्गा की कृपा से मिथुन सहित 5 राशियों के जीवन में शुभता और सौभाग्य लेकर आएगा। आज इन राशि के जातकों को नौकरी से लेकर कारोबार तक में आर्ज स्रोतों से धन लाभ होगा। इसके साथ ही मां दुर्गा इनके बिगड़े हुए काम भी बनाएंगी। ऐसे में आइये जानते हैं आज 4 जून बुधवार का दिन इन 5 राशि के जातकों के लिए किन किन मामलों में भाग्यशाली रहेगा और साथ ही जानिए आज बुधवार के उपाय भी।

मेष राशि – आज बुधवार को मेष राशि के जातकों को आज मेहनत का पूरा लाभ मिलेगा। आज आपकी योजनाएं फलीभूत होंगी और कारोबार में विस्तार के लिए प्रयास कर रहे जातकों को लोन आदि मिलने में आसानी होगी। इसके साथ ही आज नौकरी-पेशा जातकों को भी उम्मीद से बढ़कर परिणाम कार्यक्षेत्र में मिलेंगे। खासकर आपकी अपने वरिष्ठ अधिकारियों से जमेगी। आपकी उन्नति से ईर्ष्या करने वाले लोग चाहकर भी आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे। विरोधी परास्त होंगे और आप आगे बढ़ते जाएंगे। कोर्ट कचहरी के मामलों में फंसे जातकों को आज के दिन कुछ राहत मिल सकती है। अगर किसी कार्य विशेष को पूरा करने के लिए जूझ रहे थे तो आज आपको उसमें सफलता प्राप्त हो सकती है। आर्थिक मामलों के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहेगा। परिवार में सुख शांति रहेगी। दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा।

उपाय : आज मां दुर्गा के नामों का जप करें और खीर का भोग लगाएं। इसके बाद इसे परिवार के सभी लोगों में बांट दें। परिवार में सकारात्मक ऊर्जा का वास रहेगा।

मिथुन राशि– मिथुन राशि के जातकों के लिए आज बुधवार का दिन भाग्यशाली रहने वाला है। आज आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा, यह आपके निर्णयों और कार्यों में भी झलकेगा। मानसिक रूप से आप मजबूत महसूस करेंगे। किसी के बहकावे में नहीं आएंगे, बल्कि आप अपनी बातों से सीनियर लोगों को भी प्रभावित करने में कामयाब रहेंगे। आज आपके हाथ कोई बड़ा सौदा लग सकता है। प्रॉपर्टी आदि का काम करने वालों के लिए आज का दिन विशेष रूप से लाभदायक रहने वाला है। करीबी मित्रों या रिश्तेदारों की मदद से आपको धन लाभ का कोई अवसर प्राप्त हो सकता है। परिवार में आज माहौल अनुकूल रहेगा। आपको मां का स्नेह और सहयोग दोनों मिलेगा। अगर जीवनसाथी के साथ अनबन चल रही है तो मां आपके बीच पुल का काम करेंगी। संबंध सामान्य होंगे। इसके साथ ही आज आपको वाहन सुख की प्राप्ति हो सकती है।

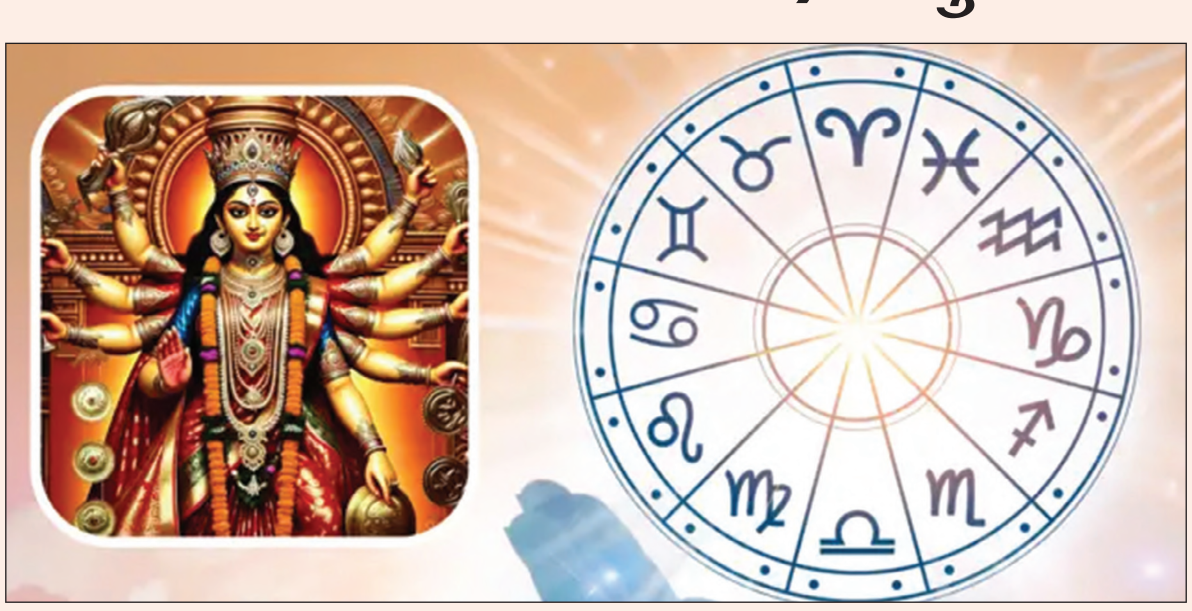

उपाय : आज मां दुर्गा को गुड़हल के फूल की माला चढ़ाएं और सिद्ध कुंजिका स्तोत्र का पाठ करें। इससे आपके कार्य सफल होंगे।

कन्या राशि – कन्या राशि के जातकों के लिए आज बुधवार का दिन अत्यंत शुभ रहने वाला है। आज करियर से लेकर कारोबार तक में आपको सफलता मिलेगा। मां दुर्गा की कृपा से आपके बिगड़े हुए काम बनते चले जाएंगे जिससे आपका मन प्रसन्न होगा। सबसे अच्छी बात यह है कि आज आपके व्यक्तित्व का प्रभाव दिखेगा। आज आपके निर्णयों में मजबूती और लचीलापन दोनों दिखाई देगा। इसके साथ ही आज सामाजिक और राजनीतिक कार्यों से जुड़े जातकों के मान सम्मान में बढ़ोतरी होगी। आपके सामाजिक दायरे में इजाफा होगा। इसके साथ ही आप अपनी सुख सुविधाओं पर खर्च करेंगे। आर्थिक रूप से आज का दिन अच्छा रहने वाला है। इसके साथ ही आज आप अपनी बुद्धिमत्ता से कोई लाभ का सौदा पाने में सफल रहेंगे। आज परिवार में जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। आपके बीच के संबंध प्रगाढ़ होंगे।

उपाय : आज माता दुर्गा को शहद और दूध मिश्रित करके चढ़ाएं। इसके बाद एक माला ऊं ह्रीं दुं दुर्गायै नमः मंत्र का जप करें। इससे मां दुर्गा की विशेष कृपा प्राप्त होगी।

तुला राशि –तुला राशि के जातकों के लिए आज बुधवार का दिन शुभ रहने वाला है। आज आपके खर्चों पर नियंत्रण होगा और संचित धन में बढ़ोतरी होगी। इसके साथ ही आज विदेश से जुडे.कार्यों में आपको असीम सफलता मिल सकती है। धन प्राप्ति के उपाय सफल होंगे और विदेश में पढ़ाई के लिए प्रयास करने वालों को कामयाबी मिल सकती है। आज फॉरेन ट्रैवल, वीजा, कंसल्टेंसी आदि के काम से जुड़े जातक विशेष लाभ अर्जित करेंगे। इसके साथ ही आज के दिन की सबसे अच्छी बात यह है कि आपका चंचल मन आज काबू में रहेगा और भगवान की भक्ति में लीन रहेगा। इससे आपको मानसिक शांति और दृढ़ता दोनों का अनुभव होगा। अगर सेहत को लेकर आप परेशान हो रहे थे तो आज आपको कुछ आराम मिलेगा। परिवार में आज माहौल मस्तीभरा रहने वाला है। बच्चों के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। जीवनसाथी के साथ प्रेम बना रहेगा।

उपाय : आज मां दुर्गा को गुलाब का फूल चढ़ाएं और 108 बार ऊं ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चै मंत्र का जप करें। इससे आपके कार्यों में आ रहीं बाधाएं दूर होंगी।

कुंभ राशि –कुंभ राशि वालों के लिए आज बुधवार का दिन बड़े बदलावों का साक्षी रहने वाला है। अगर आप नौकरी में बदलाव के लिए प्रयास कर रहे थे तो आज आपके खुशखबरी मिल सकती है। इसके अलावा आज के दिन कारोबार से जुड़े बड़े परिवर्तन भी आप देख सकते हैं। आप इन्हें जितनी सकारात्मकता के साथ लेंगे, आप उतने ही अच्छे से इनका फायदा उठा पाएंगे। आज टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइंस आदि के सेक्टरों से जुड़े जातकों को अतिरिक्त लाभ मिल सकता है। आज के दिन की सबसे अच्छी बात यह है कि आपके अंदर आत्मविश्वास कूट कूट कर भरा होगा जिससे आप जोखिम लेने से भी नहीं कतराएंगे। सोची समझी रणनीति के अनुसार लिए गए जोखिम आपको लाभ दिलाएंगे। इसके साथ ही आज परिवार से भी आपको विरासत में कोई कीमती चीज मिल सकती है। जिससे आपके अंदर सम्मान, जिम्मेदारी और खुशी तीनों तरह के भाव होंगे। वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा।

उपाय : आज सुबह स्नान ध्यान के बाद मां दुर्गा के मंदिर में जाकर घी का दीया जलाएं और दुर्गा सप्तशती का पाठ करें। इसके साथ ही मां को लाल चुनरी और शृंगार पिटारी चढ़ाएं। इससे आपके मनोरथ पूरे होंगे।

तुषार कपूर की एकलौती फिल्म मुझे कुछ कहना है मचाई धूम

7 करोड़ में बनी और कई गुना ज्यादा हुई कमाई

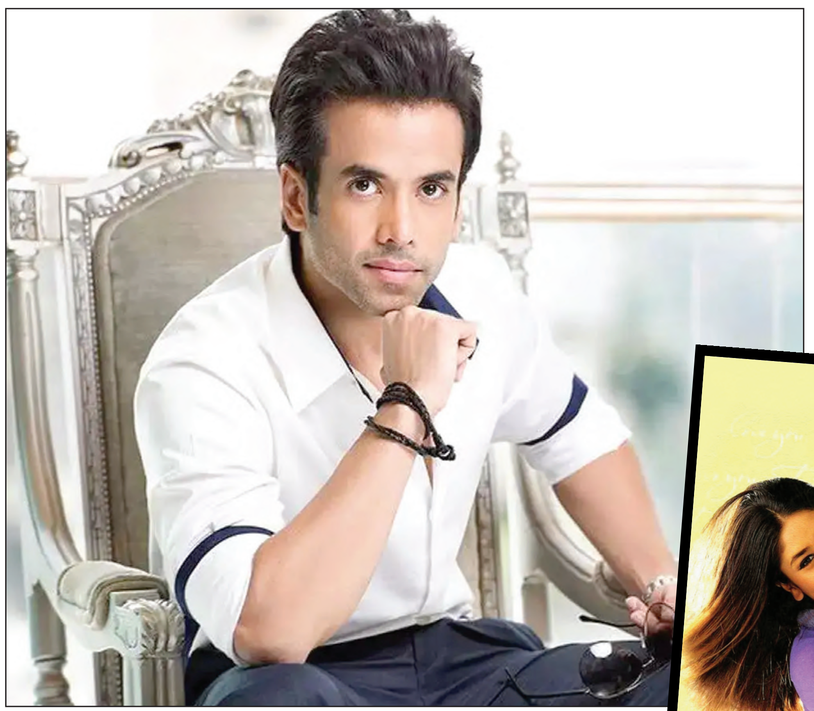

बॉलीवुड एक्टर तुषार कपूर का एक्टिंग करियर बतौर कॉमेडियन तो सफल रहा, लेकिन उन्होंने जब भी बतौर लीड एक्टर काम किया तो वो फिल्म नहीं चली। लेकिन ऐसा नहीं है कि तुषार के करियर में एक भी सोलो हिट फिल्म नहीं आई। तुषार कपूर की एकलौती सुपरहिट फिल्म जिसमें वो लीड एक्टर थे और उस फिल्म ने कमाई भी जबरदस्त की थी, उस फिल्म का नाम है 'मुझे कुछ कहना है'।

तुषार कपूर और करीना कपूर की इस सुपरहिट फिल्म के गाने भी हिट हुए थे और इसकी कहानी भी लोगों को पसंद आई थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर गजब की कमाई की थी और ये तुषार की एकलौती सोलो सुपरहिट फिल्म बन गई थी।

'मुझे कुछ कहना है' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

25 मई 2001 को रिलीज हुई फिल्म मुझे कुछ कहना है का निर्देशन सतीश कौशिक ने किया था जबकि इसके प्रोड्यूसर वाशु भगनानी थे। फिल्म में एक प्यारी सी लव स्टोरी दिखाई गई जिसे सतीष कौशिक ने ही लिखा था। फिल्म में तुषार कपूर और करीना कपूर लीड रोल में थे, वहीं अमरीश पुरी, रिंकी खन्ना, दलिप ताहिल, हिमानी शिवपुरी, हेमंत पांडे, आलोक नाथ जैसे कलाकारों ने भी अहम किरदार निभाए थे।

फिल्म मुझे कुछ कहना है (2001)

अब अगर कमाई की बात करें तो इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड 29|95 करोड़ का कलेक्शन किया था, जबकि इसका बजट महज 7 करोड़ रुपये था। फिल्म का वर्डिक्ट सुपरहिट था और ये तुषार कपूर की ऐसी सुपरहिट फिल्म थी, जिसमें वो हीरो थे।

यह भी पढ़ें- दिल्ली यूनिवर्सिटी में एडमिशन कैसे लें? यहां जानें स्टेप बाय स्टेप पूरा प्रोसेस

फिल्म मुझे कुछ कहना है में लगभग 10 गाने थे, जिनमें से 'आ रंग दे दुपट्टा मेरा', 'जब से देखा है तेरे हाथ का चांद', 'मैंने कोई जादू नहीं किया', 'मुझे कुछ कहना है', 'रब्बा मेरे रब्बा मेरे' और 'रहना है तेरे दिल में' जैसे गाने सुपरहिट थे। फिल्म में दिखाया गया है कि करण (तुषार कपूर) नाम का एक लड़का पूजा (करीना कपूर) से प्यार करता है, लेकिन बोल नहीं पाता।

पूरी फिल्म में उसके घरवाले और दोस्त उससे कहते रहते हैं कि वो बोल दे, लेकिन उसकी हिम्मत नहीं होती, लेकिन वो उससे प्यार बहुत करता है। पूजा भी उससे प्यार करने लगती है, लेकिन वो चाहती है कि करण ही उससे कहे। अब करण अपने प्यार का इजहार कब करता है, कब नहीं ये जानने के लिए आपको फिल्म देखनी चाहिए। इस फिल्म को ओटीटी पर देखने के लिए आपको अमेजन प्राइम वीडियो का सबस्क्रिब्शन लेना होगा। वैसे ये फिल्म यूट्यूब पर भी आपको फ्री में देखने को मिल सकती है।

कृष्णा श्रॉफ ने रूबी सिरेनेड कॉर्सेट ड्रेस में बिखेरा जादू

कृष्णा श्रॉफ ने हाल ही में एक पुरस्कार समारोह में अपनी शानदार उपस्थिति से सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। उन्होंने एक 'रूबी सिरेनेड कॉर्सेट ड्रेस' पहनी थी, जो ग्लैमर और एलिगेंस का बेहतरीन संगम थी। इस ड्रेस का स्ट्रक्चर्ड सिल्हूट न केवल स्टाइलिश था, बल्कि बेहद आरामदायक भी था, जिससे कृष्णा की पूरी मौजूदगी बेहद आकर्षक और प्रभावशाली लगी। उन्होंने अपने लुक को एक स्लीक हाई ब्रेड (ऊँची गूंथी चोटी) के साथ सिंपल लेकिन एलिगेंट रखा। उनके हीरे और रूबी जड़े हुए झुमके और हार ने पूरे लुक में नफासत और चमक का सही स्पर्श जोड़ा।

उनके पहनावे का गहरा, उग्र लाल रंग उनके आत्मविश्वास और सहजता को बखूबी उभार रहा था। मेकअप की बात करें तो, कृष्णा ने नम और ग्लोइंग स्किन के साथ सॉफ्ट ग्लैम लुक अपनाया, जिसमें आंखों पर खास फोकस था। विंग्ड आईलाइनर और हल्के शिमर ने उनके आउटफिट के लाल रंग को और भी ज़्यादा निखार दिया।

कुल मिलाकर कहा जाए तो, कृष्णा ने सिर से पाँव तक यह लुक पूरी तरह से कैरी किया। यह सिर्फ एक फैशन स्टेटमेंट नहीं था, बल्कि यह दर्शाता है कि सोच-समझकर चुना गया ग्लैमर भी बेहद प्रभावशाली हो सकता है। इस लुक के साथ, कृष्णा श्रॉफ ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि वे आधुनिक और सजग फैशन की नई मिसाल बन चुकी हैं।

आश्रम 3 की सफलता के बाद दर्शन कुमार ने बिहार में शुरू की सस्पेंस थ्रिलर की शूटिंग

वेब सीरीज आश्रम 3 की शानदार सफलता और द फैमिली मैन के अगले सीज़न की रिलीज़ का इंतजार कर रहे अभिनेता दर्शन कुमार अब अपने नए प्रोजेक्ट में पूरी तरह से व्यस्त हो गए हैं। उन्होंने अपने अगले अनटाइटल्ड सस्पेंस थ्रिलर की शूटिंग शुरू कर दी है, जो फिलहाल बिहार में चल रही है। हमेशा से ही अलग और दिलचस्प स्क्रिप्ट चुनने के लिए जाने जाने वाले दर्शन कुमार ने यह खास खबर सीधे अपने शूटिंग सेट से साझा की। उन्होंने कहा, बहुत उत्साहित हूँ यह खबर आप सबके साथ शेयर करने के लिए! एक सस्पेंस थ्रिलर के साथ कल से एक नया सफर शुरू हो रहा है, जो सचमुच एज-ऑफ-द-सीट होने वाला है। 'एनएच 10' और 'धोखा - राउंड डी कॉर्नर' के बाद, मैं एक ऐसी कहानी का इंतजार कर रहा था, जो सच में दिल को छू जाए, और यह वही कहानी है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए, दर्शन ने कहा, सबसे ज्यादा उत्साहित मैं इस बात को लेकर हूँ कि मेरा किरदार इस बार काफी चैलेंजिंग है, लेयर्ड है, इंटेंस है, और कुछ ऐसा है, जो मैंने पहले कभी नहीं किया। उन्होंने आगे कहा, यह किरदार मुझे एक एक्टर के रूप में पुश करेगा, और मैं इस किरदार को स्क्रीन पर लाने के लिए काफी उत्साहित हूँ।

इस फिल्म का निर्देशन राव देवेंद्र कर रहे हैं, और इसके निर्माता सागर श्रीवास्तव हैं। इसके सिनेमैटोग्राफर मशहूर अत्तर सिंह सैनी हैं, जो इस प्रोजेक्ट को एक विजुअली धमाकेदार थ्रिलर बनाने वाले हैं। बिहार में एक लंबे शेड्यूल के लिए शूटिंग की योजना बनाई गई है, और दर्शन इस नए प्रोजेक्ट में पूरी तरह से उतर गए हैं।

दर्शन ने एक भावनात्मक नोट के साथ अपनी बात खत्म करते हुए कहा, यह प्रोजेक्ट मेरे लिए बहुत स्पेशल है, और मुझे पूरा यकीन है कि आप सब सरप्राइज़ होने वाले हैं। जल्दी मिलते हैं और अपडेट्स शेयर करता रहूँगा। आप सबका प्यार और आशीर्वाद बना रहे। यह फिल्म दर्शन कुमार के करियर की एक और उपलब्धि है, जहाँ वे नए एक्सपेरिमेंट्स के साथ-साथ अपने एक्टिंग ग्राफ को और ऊपर ले जा रहे हैं, और दर्शकों के लिए कुछ नया तथा कुछ अलग लेकर आ रहे हैं।

गुजराती सिनेमा को नई पहचान देने में मेरा महत्वपूर्ण योगदान : मानसी

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री मानसी पारेख अपनी आने वाली गुजराती डार्क कॉमेडी थ्रिलर शुभचिंतक को लेकर चर्चा में हैं। वह इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने रीजनल सिनेमा के बदलते स्वरूप के बारे में बात की। उनका मानना है कि उन्होंने ऐसी फिल्मों में काम किया है जो महिलाओं की मजबूत भूमिकाएं दिखाती हैं और इस तरह उन्होंने गुजराती सिनेमा का स्तर ऊंचा उठाने में योगदान दिया है। अपनी नई फिल्म शुभचिंतक में अपने किरदार को लेकर बात करते हुए मानसी ने कहा कि उन्होंने अब तक कई तरह के अलग-अलग किरदार निभाए हैं।मानसी ने कहा, कच्छ एक्सप्रेस में मैंने एक बहुत सीधी-सादी और शांत स्वभाव वाली पत्नी का किरदार निभाया था। झमकुड़ी में मैं चुड़ैल बनी थी जो गांव में डर फैलाती है। डियर फादर में मैंने एक जिद्दी बहू का किरदार निभाया था, जो अपने ससुर की बातों को नहीं मानती। लेकिन शुभचिंतक में मेरा किरदार पहले से बिल्कुल अलग है। इसमें मैं एक ऐसी लड़की बनी हूं जो अपने भाई की मौत का बदला लेने के लिए एक अमीर लड़के को प्यार के जाल में फंसाती है। मैंने अब तक जितने भी किरदार निभाए हैं, वे सब एक-दूसरे से अलग थे, लेकिन ऐसा किरदार मैंने पहले कभी नहीं किया।उन्होंने बताया कि इस फिल्म में उन्होंने कई ऐसे एक्शन सीन किए हैं जो उन्होंने पहले कभी नहीं किए थे।एक्ट्रेस ने कहा, यह किरदार मेरे लिए एक कलाकार के तौर पर नई चुनौती थी। मेघना का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत खास और शानदार अनुभव रहा, और मैं इस मौके के लिए बहुत आभारी हूं।रीजनल सिनेमा के बदलाव को लेकर मानसी ने कहा, अब ज्यादा से ज्यादा लोग क्षेत्रीय भाषाओं की फिल्में देख रहे हैं। गुजराती सिनेमा में भी कई नई फिल्में बन रही हैं। मुझे लगता है कि मेरा योगदान ये रहा है कि मैंने ऐसी फिल्में चुनीं जिनमें महिलाएं मुख्य और मजबूत किरदार निभाएं। मैंने कोशिश की है कि औरतों को केंद्र में रखकर अच्छी कहानियां बनाई जाएं।उन्होंने आगे कहा कि पहले फिल्मों में महिलाओं को ज्यादा अच्छी भूमिकाएं नहीं मिलती थीं। आज भी कुछ दिक्कतें हैं, लेकिन वह चाहती हैं कि औरतों को मजबूत और अहम किरदार मिलें, इसलिए वह ऐसी फिल्में चुनती हैं जिनमें महिलाओं का किरदार सबसे ज्यादा मायने रखता हो।

कावेरी कपूर की 'डबलिन डायरीज़' ने फैंस को आयरलैंड घूमने के दिखाए ख्वाब

सिंगर, सॉन्गराइटर और अभिनेत्री कावेरी कपूर की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट ने ट्रैवल लवर्स को ज़बरदस्त वॉन्डरलस्ट में डाल दिया है। कावेरी इन दिनों डबलिन की शांत और सुरम्य फिज़ाओं का आनंद ले रही हैं और उन्होंने अपने 'डबलिन डायरीज़' पोस्ट के ज़रिए फैन्स को जबरदस्त ट्रैवल ऋजचज दे दिया। उन्होंने आयरलैंड की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक जीवंतता की कुछ दिल छू लेने वाली झलकियां साझा कीं। हरी-भरी वादियों पर छाए नाटकीय बादलों से लेकर, पूरी तरह खिले हुए चेरी ब्लॉसम्स, शांत झीलों के किनारे उगते और डूबते सूरज, पहाड़ों का साफ़ पानी में प्रतिबिंब, रंग-बिरंगी गलियाँ, और आइकोनिक पिंक 'लूसीज़ विंटेज़ लाउंज'-कावेरी की यह पोस्ट मानो हमें वर्चुअल टूर पर ले गई हो।

कावेरी इन दिनों इंडस्ट्री में छाई हुई हैं। हाल ही में उन्होंने कुणाल कोहली की 'बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी' से बहुप्रतीक्षित बॉलीवुड डेब्यू किया, जिसे ओटीटी पर खूब सराहा गया। उनकी परफॉर्मेंस को भी आलोचकों और दर्शकों से भरपूर तारीफ मिली। एक्टिंग के साथ-साथ कावेरी म्यूज़िक की दुनिया में भी अपनी छाप छोड़ रही हैं। अब तक वह चार म्यूज़िक वीडियोज़ कर चुकी हैं।

अपनी डेब्यू फिल्म का गाना 'एक धागा तोड़ा मैंने' भी उन्होंने खुद गाया है, जो उनका पाँचवाँ म्यूज़िक वीडियो बन गया है। इसके अलावा, कावेरी ने अपने क्रिएटिव सफर में एक और उपलब्धि जोड़ी है। उन्होंने हाल ही में 'एक धागा' का मूल अंग्रेज़ी वर्जन 'रेमिनिस' रिलीज़ किया। यह बेहद निजी ट्रैक उनके लिए खास महत्व रखता है, क्योंकि उन्होंने इसे तब लिखा था, जब वह सिर्फ़ 15 साल की थीं।

इस गाने में उन्होंने अपनी शुरुआती गीत लेखन क्षमता और भावनात्मक परिपक्वता का प्रदर्शन किया था। इस गाने को इंडस्ट्री से काफ़ी प्रशंसा मिल रही है। कावेरी की अगली फ़िल्म मासूम 2 है, जिसमें वह सिनेमा के दिग्गज नसीरुद्दीन शाह और शबाना आज़मी के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने के लिए तैयार हैं। इस फ़िल्म का निर्देशन उनके पिता और पद्म भूषण पुरस्कार विजेता शेखर कपूर करेंगे।

ब्राउन कटआउट ड्रेस में सामंथा ने चढ़ाया इंटरनेट का पारा

साउथ इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार सामंथा रुथ प्रभु एक बार फिर अपने लेटेस्ट लुक को लेकर चर्चा में आ गई हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर वोग ब्यूटी अवार्ड्स 2025 के रेड कार्पेट से अपनी तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में सामंथा ब्राउन कलर की डीप कटआउट बॉडीकॉन ड्रेस में बेहद ग्लैमरस और बोल्ड नजर आ रही हैं।सामंथा ने अपने इस शानदार लुक के साथ कैप्शन में लिखा, म्र वोगब्यूटी अवार्ड्स2025 । इस ड्रेस को डिज़ाइनर क्रेशा बजाज ने डिज़ाइन किया है। सामंथा का हेयर और मेकअप भी बेहद एलिगेंट और परफेक्ट लग रहा है जिसे अवनि रम्भिया और दक्ष निधि ने स्टाइल किया है। तस्वीरें विकृतस्मृतियाँ द्वारा क्लिक की गई हैं।सामंथा के इस अवतार पर फैंस और सेलेब्स जमकर प्यार लुटा रहे हैं। कमेंट सेक्शन में लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नजर आ रहे हैं। किसी ने उन्हें स्टनिंग क्वीन कहा तो किसी ने हॉटनेस ओवरलोडेड बताया। कुछ ही घंटों में पोस्ट को 3 लाख से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं।सामंथा का ये बोल्ड और क्लासी लुक साबित करता है कि वो सिर्फ एक शानदार एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि ट्रेंडसेटर भी हैं। हर बार की तरह इस बार भी उनका स्टाइल स्टेटमेंट फैशन लवर्स को इंस्पायर कर रहा है। वोग ब्यूटी अवार्ड्स 2025 में उनका यह लुक न केवल इंटरनेट पर वायरल हो गया है बल्कि इसने उन्हें एक बार फिर फैशन वर्ल्ड की टॉप डीवाज की लिस्ट में शुमार कर दिया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने वज़न पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा खाने से बचें। आज आपसे कोई पैसे उधार मांग सकता है पिता का तल्ख़ बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है। लेकिन हालात को नियंत्रण में रखने के लिए शांत रहें। इससे आपको फ़ायदा होगा। आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि कई मामलों में आपसी असहमति रह सकती है; और इससे आपके रिश्ते कमजोर होंगे। आपकी बातें आज आपके करीबियों को समझ नहीं आएंगी जिसकी वजह से आप परेशानी महसूस करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन–शैली में बदलाव लाने का सही समय है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। अगर आज आप ख़रीदारी के लिए निकलेंगे अपने जीवनसाथी के साथ सहीं भाषा में बात करना चाहिए । छोटे भाई के साथ आप के रिश्तों में प्रगाढ़ता आएगी। भगवती को गुलाब का फूल अर्पित करें जिससे दिन भर की दिक़्क़तें और मुश्किल से मुश्किल हालात भी आसानी से सुलझते हुई दिखाई देंगें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपकी शाम कई जज़्बातों से घिरी रहेगी और इसलिए तनाव भी दे सकती है। लेकिन ज़्यादा चिंता करने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि आपकी ख़ुशी आपकी निराशाओं के मुक़ाबले आपको ज़्यादा आनंद देगी। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। आज का दिन ख़ुशियों से भरा रहेगा, किसी कन्या को मिठाई खिलाए आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। आप के घर में आज शाम के वक्त स्वादिष्ट भोजन बन सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफ़ी संभावनाएँ हैं और इसके चलते आप शीघ्र ही खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख़्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। आप बच्चों के साथ में कहीं घूमने–फिरने जा सकते हैं जिससे जीवन में नयी ऊर्जा का संचार होगा आप के व्यक्तित्व मे ऐसा बदलाव देखकर परिवार मे आप का प्रभाव और भी बढ जाएगा ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

लाभ लेने के लिए बड़ों को अपनी अतिरिक्त ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करना चाहिए। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। किसी भी चीज़ को अंतिम रूप देने से पहले अपने परिवार की राय लीजिए। महज़ आपका अपना फ़ैसला कुछ दिक़्क़त खड़ी कर सकता है। बेहतर परिणाम पाने के लिए परिवार में तालमेल पैदा करें। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. परिवार और बच्चों के साथ बिताया समय आपको फिर ऊर्जा से लबरेज़ कर देगा। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल–खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं। काम की अधिकता आज आपको मानसिक रुप से परेशान कर सकती है। हालांकि शाम के वक्त थोड़ी देर ध्यान करके आप अपनी ऊर्जा वापस पा सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका सबसे बड़ा सपना हक़ीक़त में बदल सकता है। लेकिन अपने उत्साह को क़ाबू में रखें, क्योंकि ज़्यादा ख़ुशी भी परेशानी का सबब बन सकती है। जो लोग शेयर बाजार में पैसा लगाते हैं आज उनका पैसा डूब सकता है। वक्त रहते सचेत हो जाएं तो आपके लिए बेहतर रहेगा। बच्चे की तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। जीवनसाथी के ख़राब व्यवहार का नकारात्मक असर आपके ऊपर पड़ सकता है। किसी दोस्त की सहायता करके आज आप अच्छा महसूस कर सकते हैं। मंदिर मे नारियल का भोग अर्पित करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए अपना समय बर्बाद करने से बचे । बाहरी लोगों का हस्तक्षेप आपके वैवाहिक जीवन में परेशानी उत्पन्न कर सकता है। कहीं से उधार वापस मिल सकता है जिससे आपकी कुछ आर्थिक समस्याएं दूर हो जाएंगी। बंदरों को केला और चना डालें रुका हुआ पैसा आने लगेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने काम के लिए दूसरों पर दबाव न डालें। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा–खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। किसी दूर के रिश्तेदार से अचानक मिली ख़बर आपका दिन बना सकती है। आपने बीते दिनों कार्यक्षेत्र में कई काम अधूरे छोड़े हैं जिसका भुगतान आज आपको करना पड़ सकता है। आज आपका खाली वक्त भी ऑफिस के काम को पूरा करने में ही लगेगा। आज आपका आत्मविश्वास कमजोर रह सकता है। इसका कारण आपकी खराब दिनचर्या है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

कई लोग आज आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। एक लम्बा दौर जो काफ़ी समय से आपको दबोचे हुए था, ख़त्म हो चुका है । लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे। आज अचानक तबीयत खराब हो सकती है जिससे आप सारे दिन भर परेशान रह सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

सेहत अच्छी रहेगी। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। आज ही लंबे वक़्त से चले आ रहे झगड़ों को सुलझा लें, क्योंकि हो सकता है कि कल बहुत देर हो जाए। दिन अच्छा है दूसरों के साथ–साथ आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाएंगे। जीवनसाथी की ख़राब सेहत के चलते आप चिंताग्रस्त हो सकते हैं। आपकी तंदरुस्ती आज आपके घर वालों को खुशी देगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

ख़ुद को शारीरिक व्यायाम का मज़ा लेने दें आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। कुछ लोगों के लिए– परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर–ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है। ख़ुद तनावग्रस्त होने की झल्लाहट आप बेवजह अपने जीवनसाथी पर निकाल सकते हैं। आपके बच्चे शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा कर सकते हैं यदि आप उनका सहयोग करें तो।

आज का पंचांग

दिनांक : 04 जून 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी रात्रि 11:56 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी रात्रि 03:36 तक
योग : वज्र प्रात: 08:27 तक
करण : बालव प्रात: 10:53 तक
चन्द्र राशि : सिंह प्रात: 07:35 तक
सूर्योदय : 05:40 , सूर्यास्त 06:48 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:43 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:37 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:33 , सूर्यास्त 06:37 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दुर्गा नवमी, महेश नवमी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

रेशनलाइजेशन कमीशन ने सीएम सैनी को 18 रिपोर्टों का पहला सेट सौंपा

चंडीगढ़, 03 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को आज यहां आयोजित एक बैठक के दौरान रेशनलाइजेशन कमीशन, हरियाणा के अध्यक्ष राजन गुप्ता, आईएएस (सेवानिवृत्त) द्वारा 18 रिपोर्टों का पहला सेट प्रस्तुत किया गया। इन रिपोर्टों का मुख्य उद्देश्य सरकारी निकायों की दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ाना है, ताकि जनता को बेहतर सेवाएं प्रदान की जा सकें। राज्य सरकार ने विभिन्न सरकारी विभागों, बोर्डों और निगमों के पुनर्गठन की सिफारिश करने के लिए रेशनलाइजेशन कमीशन का गठन किया था। कमीशन द्वारा प्रस्तुत रिपोर्टों को स्वीकार करते हुए, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मुख्य सचिव और अन्य अधिकारियों को इन रिपोर्टों के कार्यान्वयन के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि इन रिपोर्टों के समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए पांच विभागों को पायलट आधार पर लिया जाएगा। इन विभागों में हरियाणा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, सिंचाई, खान एवं भूविज्ञान, बागवानी और शहरी स्थानीय निकाय शामिल हैं।

कमीशन द्वारा प्रस्तुत रिपोर्टों में 16 विभाग–विशिष्ट रिपोर्ट और दो सामान्य रिपोर्ट शामिल हैं। 16 रिपोर्ट में सभी इंजीनियरिंग विभागों के साथ–साथ परिवहन, शहरी स्थानीय निकाय, कृषि, उच्च शिक्षा और अन्य विभाग शामिल हैं। राजन गुप्ता ने मुख्यमंत्री को बताया कि 5 रिपोर्टों का एक और सेट लगभग पूरा हो चुका है और कुछ दिनों के भीतर प्रस्तुत कर दिया जाएगा।

अन्य 23 विभागों के संबंध में पुनर्गठन की कवायद अंतिम चरण में है। पदों की संख्या में वृद्धि, नए विभागों का प्रस्ताव: कमीशन ने अपनी रिपोर्ट में 88 नगर निगमों, परिषदों और समितियों के साथ–साथ 179 सरकारी कॉलेजों में से प्रत्येक के लिए संशोधित संरचना की संस्तुति की है। इसमें मौजूदा सिंचाई विभाग को दो अलग–अलग इकाइयों में विभाजित करके बाढ़ नियंत्रण के लिए एक स्वतंत्र जल निकासी और भूजल पुनर्भरण विभाग के निर्माण का भी प्रस्ताव किया गया है।

इसके अतिरिक्त, रिपोर्ट में कई विभागों में नए संस्थानों की स्थापना और अनावश्यक संस्थानों को बंद करने का सुझाव दिया गया है। दो या तीन विभागों को छोड़कर, लगभग सभी अन्य विभागों में पदों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। राज्य सरकार की मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, कमीशन ने उक्त 21 विभागों में मौजूदा 1,04,980 पदों के मुकाबले 1,05,832 पदों के सृजन की संस्तुति की है।

रेशनलाइजेशन कमीशन के अध्यक्ष राजन गुप्ता ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि आयोग की रिपोर्ट का उद्देश्य उन विभागों के निम्नतम स्तर को पूर्ण रूप से सशक्त बनाकर विभागीय दक्षता में सुधार करना है, जो सीधे जनता से संवाद करते हैं, ताकि वे अधिक उत्तरदायी और जवाबदेह बन सकें। कमीशन ने निम्नतम स्तर के कार्यालयों से लेकर विभाग प्रमुख के कार्यालय तक सभी विभागों का पुनर्गठन किया है। इसने प्रत्येक कार्यालय स्तर की आवश्यकताओं के अनुसार उनके कर्तव्यों की प्रकृति के आधार पर आईटी और अन्य तकनीकी कर्मचारियों सहित उपयुक्त जनशक्ति की सिफारिश की है। रिपोर्ट में प्रत्येक स्तर पर अतिरिक्त क्षमता के प्रावधान शामिल हैं, ताकि विभाग अतिरिक्त कार्यभार को प्रभावी ढंग से प्रबंधित कर सकें। आधुनिक तकनीकी उपकरणों के व्यापक उपयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रत्येक स्तर पर उपयुक्त आईटी कर्मियों की नियुक्ति पर भी जोर दिया गया है। उन्होंने बताया कि कमीशन ने मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली से संबंधित अपनी रिपोर्ट में इस प्लेटफॉर्म के पूर्ण पुनर्गठन की सिफारिश की है, जिसमें एचआरएमएस में विभागों के भीतर प्रत्येक कार्यात्मक और स्थापना कार्यालय के लिए स्वीकृत पद शामिल होने चाहिए। इससे कर्मचारियों की प्रभावी नियुक्ति सहित मानव संसाधन के सुचारू प्रबंधन में सुविधा होगी।

नायब सिंह सैनी से मिले रामबिलास शर्मा

चंडीगढ़, 03 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से आज चंडीगढ़ स्थित उनके संत कबीर कुटीर आवास पर हरियाणा के पूर्व कैबिनेट मंत्री रामबिलास शर्मा ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान अटेली विधानसभा क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। भेंटवार्ता के दौरान, रामबिलास शर्मा ने मुख्यमंत्री की जनहितैषी नीतियों की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से अटेली विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास से संबंधित अपने महत्वपूर्ण सुझाव मुख्यमंत्री के सामने प्रस्तुत किए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सभी सुझावों को गंभीरता से सुना और उनके शीघ्र क्रियान्वयन का आश्वासन दिया, जिससे क्षेत्र के विकास को गति मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री का आभार प्रकट करते हुए शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश की प्रगति के लिए किए जा रहे प्रयास अत्यंत सराहनीय हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश के विकास में अपना हरसंभव योगदान देने की प्रतिबद्धता भी जताई। यह भेंट दोनों नेताओं के बीच सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई और अटेली क्षेत्र के विकास को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई।

हरियाणा सीएमओ में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

राज नेहरू को मिली बड़ी जिम्मेदारी

चंडीगढ़, 03 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के प्रशासनिक ढांचे में सोमवार को एक बड़ा बदलाव देखने को मिला। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी की अगुवाई में मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) में अहम प्रशासनिक पुनर्गठन किया गया। इस बदलाव का सबसे प्रमुख चेहरा राज नेहरू बनकर उभरे, जिन्हें मुख्यमंत्री कार्यालय में नए विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) नियुक्त किया गया है।

अब मुख्यमंत्री कार्यालय में दो ओएसडी कार्यरत होंगे। राज नेहरू को फ्यूचर डिपार्टमेंट, हायर एजुकेशन और यूथ इम्पावरमेंट तथा आंत्रप्रन्योरशिप जैसे तीन अत्यंत महत्वपूर्ण विभागों का प्रभार सौंपा गया है।राज नेहरू कोई नया नाम नहीं हैं। वह प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के बेहद करीबी माने जाते हैं। साल 2016 में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में नियुक्त हुए थे। कौशल विकास के क्षेत्र में उनका व्यापक अनुभव रहा है। इस पुनर्गठन में एक और अहम बदलाव हुआ है। चीफ प्रिंसिपल सेक्रेटरी राजेश खुल्लर, जो वर्षों से मुख्यमंत्री कार्यालय में सबसे ताकतवर नौकरशाह माने जाते रहे हैं, उनके अधीन विभागों की संख्या में कटौती की गई है। अब उनके पास पहले के 21 की जगह 16 विभाग ही रहेंगे। खुल्लर पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के समय से इस पद पर बने हुए हैं और नायब सैनी के मुख्यमंत्री बनने के बाद भी उन्होंने अपना स्थान बरकरार रखा है।

एचसीएस अधिकारी विवेक कालिया को जनसंवाद और सीएम विंडो जैसे जनसंपर्क और शिकायत निवारण से जुड़े अहम दायित्व सौंपे गए हैं। इसके अलावा, आईएएस अधिकारी अरुण कुमार गुप्ता को 11 विभाग मिले हैं, जिनमें सिविल एविएशन, जेल, ट्रांसपोर्ट, पर्यावरण और मुख्यमंत्री घोषणाओं की क्रियान्वयन इकाई शामिल है। आईएएस साकेत कुमार को नौ विभागों की जिम्मेदारी दी गई है, जिनमें कृषि, पशुपालन, महिला एवं बाल विकास जैसे विभाग शामिल हैं। आईएएस यशपाल को आठ विभाग सौंपे गए हैं, जिनमें स्कूल शिक्षा, खेल और पर्यटन शामिल हैं। सुधांशु गौतम को छह विभाग मिले हैं, जबकि राकेश संधु को सीएम विंडो और शिकायत निवारण जैसे जिम्मेदारी वाले कार्य दिए गए हैं।

56 करोड़ के परियोजनाओं को मंजूरी

स्वास्थ्य और बिजली क्षेत्र में होगा सुधार

चंडीगढ़, 03 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज की अगुवाई में अंबाला छावनी में विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी कड़ी में, मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई हाई पावर परचेज कमेटी की बैठक में अंबाला छावनी के विकास के लिए लगभग 56 करोड़ की राशि को मंजूरी प्रदान की गई है। इस राशि का उपयोग बिजली के क्षेत्र में ढांचागत सुदृढ़ीकरण और स्वास्थ्य सेवाओं के बुनियादी ढांचे के निर्माण कार्यों के लिए किया जाएगा। अनिल विज ने बताया कि अंबाला छावनी में 100 बिस्तरों के एक आधुनिक अस्पताल का निर्माण किया जा रहा है। इस कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए क्झझउ बैठक में 17 करोड़ की राशि को मंजूरी मिली है। इस अस्पताल का उद्देश्य अंबाला छावनी के निवासियों को अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

यह अस्पताल कुल 7 मंजिलों का होगा, जिसमें एक ग्राउंड फ्लोर, दो बेसमेंट और चार मंजिलें ऊपर होंगी। इसमें एक क्रिटिकल केयर यूनिट (उउण) और एक आपातकालीन वार्ड होगा, जहाँ मरीजों को तत्काल उपचार मिलेगा। अपर बेसमेंट में एमपीजीएस प्लांट रूम होगा। ग्राउंड फ्लोर पर केयर लैब, एक्सरे रूम, केंद्रीकृत नर्सिंग क्षेत्र और नर्सिंग स्टेशन जैसी सुविधाएं होंगी।

अस्पताल के प्रथम तल पर बड़े वार्ड में नर्सिंग स्टेशन केंद्र, डॉक्टर कक्ष, नर्स कक्ष, प्रक्रिया कक्ष और एएचयू के साथ वार्ड होंगे। द्वितीय तल पर आइसोलेशन कक्ष (नेगेटिव दबाव वाले), एक छोटा नर्सिंग स्टेशन, सुपरस्पेशलिटी वार्ड और बर्न वार्ड (सकारात्मक दबाव वाले कमरे के साथ) की सुविधा होगी। तीसरे तल पर आईसीयू/एचडीयू, डायलिसिस की व्यवस्था (दो बेड पर आरओ पॉइंट के साथ), उपकरण भंडार, उपचार कक्ष, नर्स ड्यूटी रूम, प्रतीक्षा क्षेत्र और काउंसलिंग के लिए केबिन जैसी सुविधाएं होंगी। चौथे तल पर सुपरस्पेशलिटी ओटी कॉम्प्लेक्स और स्टाफ के लिए चेंजिंग रूम की व्यवस्था होगी।

ऊर्जा मंत्री ने यह भी बताया कि अंबाला छावनी को सुचारू रूप से 24 घंटे उच्च गुणवत्ता वाली बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए क्झझउ में 38.78 करोड़ की मंजूरी दी गई है। इस राशि से संशोधित वितरण क्षेत्र योजना के अंतर्गत अंबाला कैंट में बिजली के बुनियादी ढांचे का सुदृढ़ीकरण किया जाएगा।

जयपुर कोर्ट ने शकूर खान को 7 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा

आईएसआई के लिए जासूसी का आरोप

जयपुर, 03 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए शकूर खान को जयपुर कोर्ट ने 7 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। शकूर को जासूसी के आरोप में पुलिस ने कुछ दिन पहले ही हिरासत में लिया था।

दरअसल, शकूर खान को मंगलवार को जयपुर कोर्ट में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने उसे 7 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया। पूछताछ में पता चला कि वह दानिश के साथ नियमित संपर्क में था और पाकिस्तान में कई नंबरों पर व्हाट्सएप कॉल के जरिए आईएसआई के लोगों से बात कर रहा था। बता दें कि खुफिया विभाग ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में शकूर खान को बीते 28 मई को हिरासत में लिया था। वह जैसलमेर जिला रोजगार कार्यालय में क्लर्क के तौर पर काम कर रहा था।ङ्कएक अधिकारी ने बताया कि जिला रोजगार कार्यालय में काम करने वाले शकूर खान के डिवाइस में पाकिस्तान से जुड़े फोन नंबर स्टोर पाए गए। शकूर खान के बारे में ऐसी सूचनाएं थीं कि वह पाकिस्तान के लिए जासूसी कर सकता है। सूचनाओं के आधार पर उस पर निगरानी रखी जा रही थी और फिर उसे हिरासत में लिया गया।

शकूर खान से जैसलमेर में पूछताछ की गई, जिसके बाद खुफिया विभाग की टीम खान को लेकर जयपुर रवाना हो गई थी। सूत्रों के अनुसार, 'जासूस' शकूर खान राजस्थान की पिछली कांग्रेस सरकार में पूर्व मंत्री सालेह मोहम्मद के निजी सहायक के तौर पर काम कर रहा था।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने किया ऋण आवेदन पोर्टल का शुभारम्भ

जयपुर, 03 जून (एजेंसियां)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने मंगलवार को राजस्थान अनुसूचित जाति जनजाति वित्त एवं विकास सहकारी निगम लि. के ऋण आवेदन पोर्टल का शुभारम्भ किया। गहलोत ने सचिवालय स्थित अपने कक्ष में पोर्टल शुभारंभ के मौके पर कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दूरदर्शी और प्रगतिशील सोच के परिणामस्वरूप अनुजा निगम के ऋण पोर्टल में वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सफाई कर्मचारी, दिव्यांगजन एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदक स्वरोजगार के ऋण के लिए अब ऑनलाईन आवेदन कर सकेंगे।

गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा वंचित वर्ग के व्यक्तियों के स्वरोजगार के लिए इन निगमों को पहली बार राज्य सरकार की तरफ़ से ऋण उपलब्ध करवाया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वंचित तबके के उत्थान और कल्याण के लिए पूरी तरह संकल्पबद्ध है।सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने कहा कि इन वर्गों के आवेदक 31 अगस्त, 2025 तक ऋण के लिए ऑनलाईन आवेदन कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पारदर्शी और सुशासन की मंशा के चलते विभाग ने यह नवाचार किया है।

मुख्य सचिव ने की राइजिंग राजस्थान 2024 के दौरान एमओयू क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक

जयपुर, 03 जून (एजेंसियां)। प्रदेश के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के दौरान हस्ताक्षरित एमओयू के क्रियान्वयन की प्रगति की द्वि–साप्ताहिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में उन्होंने तीव्र भूमि आवंटन की प्रक्रिया को एमओयू क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया और जिला कलेक्टरों को निर्देश दिया कि वे अपने–अपने जिलों में भूमि बैंकों के निर्माण प्रक्रिया को तेज करें। पंत ने पर्यटन विभाग को निर्देश दिया कि वह उदयपुर, जैसलमेर, पुष्कर (अजमेर) आदि प्रमुख जिलों में सरकारी भूमि की नीलामी एवं आवंटन के लिए उपयुक्त प्रावधान तैयार करे। उन्होंने कहा कि भूमि की उपलब्धता के साथ–साथ विभागों को एमओयू के शीघ्र क्रियान्वयन को प्रोत्साहित करने तथा विभिन्न क्षेत्रों में नियामक ढांचे को सरल बनाने की दिशा में भी कार्य करना चाहिए। एमओयू क्रियान्वयन पर द्वि–साप्ताहिक समीक्षा बैठक के अतिरिक्त, पंत ने भारत सरकार द्वारा निर्देशित अनुपालन में कमी और विनियमन शिथिलीकरण अभ्यास की प्रगति की समीक्षा बैठक की भी अध्यक्षता की। विभागीय सचिवों ने पंत को केंद्रीय मंत्रिमंडल सचिवालय द्वारा निर्धारित प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु उठाए गए प्रमुख कदमों से अवगत कराया।

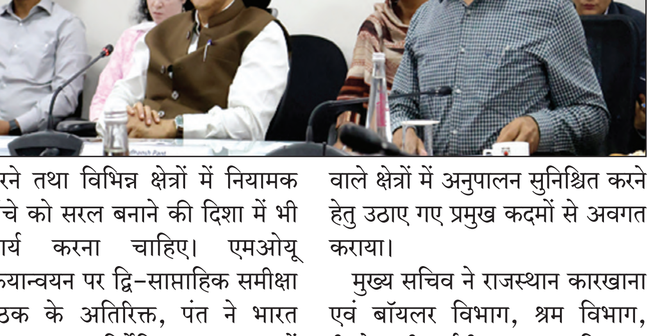

मुख्य सचिव ने राजस्थान कारखाना एवं बॉयलर विभाग, श्रम विभाग, रीको, बीआईपी, राजस्व विभाग, शहरी विकास एवं आवास विभाग (यूडीएच), राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (आरएसपीसीबी) सहित विभिन्न विभागों द्वारा उठाए गए कदमों की समीक्षा की। जिन प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर कार्य किया जा रहा है, उनमें उद्योगों के लिए जीआईएस–आधारित भूमि बैंक का विकास, भवन विनियमों में संशोधन, सिंगल विंडो अप्रूवल प्रणाली, लघु अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करना, कुछ वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को डी–लाइसेंस करना, महिलाओं को रात्रि शिफ्ट में और कुछ खतरनाक उद्योगों में कार्य की अनुमति देना आदि शामिल हैं।

मुख्य सचिव ने यह भी निर्देश दिया कि राज्य सरकार के विशिष्ट व्यापारिक सुधारों को भारत सरकार के ऑनलाइन पोर्टल पर 'बेस्ट प्रैक्टिस' के रूप में अपलोड किया जाए और अन्य राज्यों द्वारा अपनाए गए सुधारों से भी सीख ली जाए।यह उल्लेखनीय है कि 9 से 11 दिसंबर 2024 को आयोजित निवेश सम्मेलन के दौरान सरकार ने 35 लाख करोड़ के रिकॉर्ड निवेश प्रस्तावों पर हस्ताक्षर किए थे।

कैबिनेट में सीएम नीतीश ने 47 प्रस्तावों पर लगाई मुहर, कई विभाग में नए पदों के सृजन की मंजूरी

पटना (एजेंसियां)।

सीएम नीतीश कुमार ने कुल 47 प्रस्तावों को स्वीकृति दी। आगामी चुनाव से पहले नौकरी को लेकर किए गए अपने वादे को सीएम नीतीश कुमार हर हाल में पूरा करना चाहते हैं। इसी को देखते हुए उन्होंने कई विभागों में नए पदों के सृजन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

इनमें सबसे अधिक पद सृजन के प्रस्ताव शिक्षा विभाग से हैं। इसके अलावा अन्य कई विभाग में भी नए पदों के सृजन के प्रस्ताव पर स्वीकृति प्रदर्शन की गई है। आइए जानते हैं सीएम नीतीश कुमार ने और किन-किन प्रस्तावों पर स्वीकृति दी।

शिक्षा विभाग में सीएम नीतीश कुमार ने 935 पदों के सृजन के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी। इनमें बिहार राज्य शैक्षणिक आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड में विभिन्न कोटि के कुल 818 पदों तथा बिहार शिक्षा परियोजना परिषदब के लिए कुल 63 पदों

के सृजन की स्वीकृति दी गई। वहीं शिक्षा विभाग अन्तर्गत संचालित सरकारी विद्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों एवं कार्यालयों की भूमि का सत्यापन, भूमि के विवरण का संकलन एवं संरक्षण तथा विभाग के अन्य विकासात्मक गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए ससमय भूमि की उपलब्धता हेतु संविदा के आधार पर तीन वर्षों के लिए भू-सम्पदा पदाधिकारी के दो एवं सहायक भू-सम्पदा पदाधिकारी के 38 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई।

सीएम नीतीश कुमार ने कृषि विभाग के अन्तर्गत बिहार कृषि अधीनस्थ सेवा कोटि-9 (सांख्यिकी) (भर्ती, प्रोन्नति एवं सेवा शर्त) नियमावली, 2025 के गठन की स्वीकृति दी गई। बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड, पटना में प्रतिनियुक्ति संविदा के आधार पर कुल 653 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई।

वहीं समाज कल्याण विभाग के अधीन महिला एवं बाल विकास निगम अंतर्गत मुख्यालय (निगम) जिला, अनुमंडल स्तर पर कुल 390 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई। वहीं लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग में पांच नए प्रशाखाओं का सृजन हेतु बिहार सचिवालय सेवा के अवर सचिव के एक पद, प्रशाखा पदाधिकारी के पांच पद एवं सहायक प्रशाखा पदाधिकारी के 22 पद समेत कुल 28 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई।

मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अन्तर्गत राज्यपाल सचिवालय, बिहार, पटना के लिए चालक का दो पद के सृजन की स्वीकृति दी गई।

नगर विकास एवं आवास विभाग के अन्तर्गत बिहार शहरी आयोजन तथा विकास नियमावली, 2014 के प्रावधानों के आलोक में 07 आयोजन क्षेत्र प्राधिकार (बोधगया, गया, राज-गीर, बिहारशरीफ, आरा, मुजफ्फरपुर एवं सहरसा) में पूर्व से सृजित विभिन्न कोटि के 147 पदों को प्रत्यर्पित करते हुए राज्य के प्रत्येक जिला में एक जिला आयोजना क्षेत्र प्राधिकार का कार्यालय गठन करने एवं उक्त 38 कार्यालयों को सौंपे गये कार्यों एवं दायित्वों के समुचित निर्वहन के लिए एक सौ बारह करोड़ पांच लाख चौहत्तर हजार आठ सौ चौवालीस रुपये के अनुमानित वार्षिक लागत व्यय पर विभिन्न प्रकार के कुल 1350 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई।

स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत जितेन्द्र कुमार, औषधि निरीक्षक, पटना-05 सम्प्रति निलंबित के विरूद्ध आय से अधिक चल एवं अचल सम्पति के प्रत्यानुपातिक धर्नाजन, सरकारी पद पर कार्यरत अवधि में पद का भ्रष्ट उपयोग तथा निलंबन अवधि के लिए निर्धारित मुख्यालय में बिना यो-गदान किये ही अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने के आरोप / आरोपों के लिए उन्हें सरकारी सेवा से बर्खास्त करने की स्वीकृति दी गई। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के ही तहत जटाशंकर पाण्डेय, (बिहार अल्पसंख्यक कल्याण सेवा वरीयता क्रमांक 156/2013) तत्कालीन जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी, सिवान सम्प्रति जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी, जमुई को सेवा से बर्खास्तगी की स्वीकृति दी गई।

मध्य प्रदेश के दो पत्रकारों की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट तत्काल सुनवाई को सहमत

नई दिल्ली (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने मध्य प्रदेश में पुलिस अधीक्षक कार्यालय में कथित तौर पर दो पत्रकारों के साथ मारपीट करने के खिलाफ दायर उनकी याचिका पर शीघ्र सुनवाई के लिए सोमवार को सहमति व्यक्त की।

न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता की दलीलें सुनने के बाद मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई।

याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया कि अवैध रेत खनन गतिविधियों से संबंधित (रेत माफिया के बारे में) रिपोर्टिंग करने पर मध्य प्रदेश के कुछ पुलिस अधिकारियों ने उन पर हमला किया था।

पीठ ने हालांकि सुनवाई के लिए सहमति व्यक्त करने से पहले याचिकाकर्ताओं से सवाल किया कि उन्होंने राहत के लिए मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय का दरवाजा क्यों नहीं खटखटाया?

न्यायमूर्ति शर्मा ने सुनवाई के दौरान पूछा, क्या हमें देशभर के अग्रिम जमानत के मामलों पर केवल इसलिए विचार करना चाहिए क्योंकि इसमें एक पत्रकार शामिल है?

पत्रकारों का पक्ष रखने वाले वकील ने अदालत के समक्ष कहा कि दोनों को अपने जान पर खतरा मंडरा रहा है। उन पर 'झूठे और मनगढ़ंत' मामलों में गिरफ्तारी का खतरा है। उन्होंने कहा, यह बहुत गंभीर मामला है...उन्हें एक पुलिस कार्यालय में पीटा गया...वे अब शरण लेने के लिए दिल्ली पहुंचे हैं।

याचिका के अनुसार, मारपीट की यह घटना मई में भिंड जिले में हुई थी, जहां दो पत्रकारों को पुलिस अधीक्षक के कार्यालय के अंदर कथित रूप से पीटा गया था।

पीठ की ओर से यह पूछे जाने पर कि इस मामले में उच्च न्यायालय क्यों नहीं गए, वकील ने कहा, यह वास्तव में उन मामलों में से एक है...उनके पास साधन नहीं हैं।

वकील ने अदालत को यह भी बताया कि प्रेस क्लब ऑफ इंडिया ने कथित हमले की निंदा की है। उन्होंने संबंधित पत्रकारों के जान पर गंभीरता को जोरदार तरीके से उठाया है।

बिजली विभाग की लापरवाही
करंट से 22 वर्षीय युवक की मौत

पटना (एजेंसियां)।

रोहतास जिले के चुटिया थाना क्षेत्र के परछा गांव में मंगलवार की सुबह एक दर्दनाक हादसे में 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। युवक की पहचान मुकेश कुमार मेहता के रूप में हुई है, जो अपने माता-पिता की इकलौती संतान था। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है और परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मृतक के घर के ऊपर से हाई वोल्टेज विद्युत तार गुजरा हुआ है। मंगलवार को जब मुकेश छत पर लगे छज्जे की मरम्मत कर रहा था, तभी उसने एक लोहे का पाइप उठाया जो ऊपर से गुजर रहे हाई वोल्टेज तार से छू गया। करंट लगने से वह बुरी तरह झुलस गया। परिजन आनन-फानन में उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

परिजनों का आरोप है कि बिजली विभाग की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। उन्होंने बताया कि हाई वोल्टेज तार को हटाने के लिए पिछले कई महीनों से विभाग को आवेदन दिया जा रहा था। विभागीय अधिकारियों द्वारा स्थल निरीक्षण कर एक सप्ताह के भीतर तार हटाने का आश्वासन भी दिया गया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। परिजनों ने यह भी बताया कि मृतक के फूफा लल्लू महतो की भी बीते 5 मई को इसी प्रकार करंट लगने से मौत हो गई थी, बावजूद इसके विभाग ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

घटना की जानकारी मिलते ही चुटिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्प-ताल सासाराम भेज दिया। परिजनों के लिखित आवेदन पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मृतक के परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए और जिम्मेदार बिजली विभाग के अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं दोबारा न हों।

विश्व साइकिल दिवस पर डीएम और पुलिस अधीक्षक ने चलाई साइकिल

लोगों को किया साइकिल चलाने के लिए प्रेरित

शिवहर (एजेंसियां)।

विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर मंगलवार सुबह शिवहर जिला मुख्यालय में फिटनेस को बढ़ावा देने, साइकिलिंग के फायदों के प्रति जागरूकता फैलाने, पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से साइकिल रैली का आयोजन किया गया।

रैली की शुरुआत समाहरणालय परिसर से हुई, जिसे जिलाधिकारी विवेक रंजन मैत्रेय, पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार सिन्हा और एडीएम मेधावी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विशेष बात यह रही कि रैली को रवाना करने के बाद खुद डीएम, एसपी और अन्य अधिकारियों ने भी 5 किलोमीटर तक साइकिल चलाकर भाग लिया और लोगों को सेहतमंद जीवन के लिए प्रेरित किया।

इस रैली का आयोजन जिला स्वीप कोषांग द्वारा किया गया। इस मौके पर जिलाधिकारी ने कहा कि नियमित रूप से साइकिल चलाना न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, बल्कि यह मानसिक तनाव को कम करने और कई बीमारियों से बचाव में भी सहायक है। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए भी लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है ताकि वे स्वस्थ रहते हुए लोकतंत्र के पर्व में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करें।

साइकिल रैली समाहरणालय से शुरू होकर जीरो माइल चौक, रसीदपुर कमरौली, देकुली होते हुए डुबाघाट तक पहुंची। कुल 5 किलोमीटर की यह रैली पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ संपन्न हुई। रैली में जिला प्रशासन के अधिकारी, समाहरणालय के कर्मी, वन स्टॉप सेंटर की टीम, श्री नबाब सिंह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं प्रोजेक्ट बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राएं, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया।

डुबाघाट पहुंचने के बाद अधिकारियों ने रैली में शामिल सभी प्रतिभागियों विशेष रूप से स्कूली बच्चों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें साइकिल चलाने के लाभों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि साइकिल चलाना न केवल आर्थिक रूप से सस्ता साधन है, बल्कि यह पर्यावरण के अनुकूल भी है।

कार्यक्रम में डीएम विवेक रंजन मैत्रेय, एडीएम मेधावी, डीसीसी ब्रजेश कुमार, डीटीओ सिमरन कुमारी, एसडीएम अविनाश कुणाल, एसडीपीओ सुशील कुमार, भू-अर्जन पदाधिकारी सहित समाहरणालय के अन्य पदाधिकारी, स्कूली छात्र-छात्राएं और आमजन मौजूद रहे।

मुजफ्फरपुर दुष्कर्म कांड : पीड़िता की मौत पर सियासत तेज, कांग्रेस-राजद समेत विपक्षी दल सड़कों पर

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर जिले के कुढ़नी थाना क्षेत्र में 26 मई को एक नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म और फिर गला रेतकर हत्या के मामले में अब सियासत तेज हो गई है। विपक्षी दलों ने इस घटना को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस, राजद, सीपीआई, वीआईपी सहित कई विपक्षी पार्टियों ने सरकार के खिलाफ सड़कों से लेकर सदन तक विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, मुजफ्फरपुर जिले में एक सप्ताह के भीतर दो नाबालिग बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं सामने

आई, जिनमें से एक बच्ची की इलाज के अभाव में मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना ने राज्यभर में आक्रोश की लहर पैदा कर दी है।

राहुल गांधी ने इस घटना पर ट्वीट कर गहरी नाराजगी जताई, जिसके बाद बिहार कांग्रेस सड़कों पर उतर आई और विरोध प्रदर्शन शुरू किया। इसके बाद राजद भी सक्रिय हो गई और अपने सभी विंग्स के साथ विरोध-प्रदर्शन में शामिल हो गई। छात्र विंग, महिला विंग और जिला स्तरीय कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ पुतला दहन करते हुए नाराजगी जताई।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कुढ़नी पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की और सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने इस घटना के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि बिहार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।

प्लूरल्स पार्टी की प्रमुख पुष्पम प्रिया चौधरी ने भी इस मामले पर सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह सरकार 'गुंडाराज' को बढ़ावा दे रही है और राज्य की बेटियां असुरक्षित महसूस कर रही हैं।

वहीं सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया ने भी इस कांड के विरोध में मुजफ्फरपुर में मार्च निकाला और सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ जिलाधिकारी सुब्रत सेन को ज्ञापन सौंपा। पार्टी ने चेतावनी दी है कि यदि ऐसे मामलों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो विरोध और उग्र होगा। बिहार में इंडिया गठबंधन के तमाम घटक दल अब इस मुद्दे को लेकर सरकार को चौतरफा घेरने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। लगातार हो रही दुष्कर्म की घटनाओं पर सरकार की चुप्पी और कार्रवाई की धीमी गति को लेकर विपक्ष लगातार हमलावर है।

मसौढ़ी जेल में कैदियों द्वारा शराब और गांजा पीने का वीडियो वायरल, जेल प्रशासन पर उठे सवाल

जहानाबाद (एजेंसियां)।

जहानाबाद जिले से सटे पटना जिले के मसौढ़ी अनुमंडल जेल से एक सनसनीखेज वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ कैदी शराब और गांजा का सेवन करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में कैदी न सिर्फ खुलेआम शराब पीते दिख रहे हैं, बल्कि गांजे का भी धुआं उड़ाते नजर आ रहे हैं। इस वायरल वीडियो ने बिहार की जेल व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गौरतलब है कि बिहार में शराबबंदी कानून लागू है और न सिर्फ शराब का सेवन, बल्कि इसका भंडारण और बिक्री भी पूरी तरह प्रतिबंधित है। ऐसे में सुरक्षा के घेरे में रहने वाले जेल परिसर में नशे की ये सामग्री आखिर पहुंच कैसे रही है? यह एक गंभीर जांच का विषय है।

जैसे ही यह वीडियो सामने आया, पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। हालांकि अभी तक इस वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है कि यह कब और किस तारीख का है। जब इस वीडियो को लेकर उपकारा मसौढ़ी के जेल अधीक्षक और जेलर से प्रतिक्रिया मांगी गई, तो उन्होंने इसे पुराना वीडियो बताकर अपना पल्ला झाड़ लिया और कहा कि

इसका वर्तमान में जेल प्रशासन से कोई संबंध नहीं है।

लेकिन वीडियो में स्पष्ट रूप से कैदियों को कहते हुए सुना जा सकता है कि वे उपकारा मसौढ़ी में बैठकर शराब और गांजा पी रहे हैं, जिससे यह जाहिर होता है कि वीडियो मसौढ़ी उपकारा का ही है। यह सीधे-सीधे जेल नियमों और कानूनों का उल्लंघन है। अब बड़ा सवाल यह उठता है कि जेल के भीतर इतनी सख्त सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद शराब और गांजा आखिर कैसे पहुंच रहा है? क्या इसमें जेल प्रशासन की मिलीभगत है या सुरक्षा व्यवस्था में कोई बड़ी चूक? इन सवालों का जवाब तलाशना अब जरूरी हो गया है।

इस पूरे मामले को जेल आईजी ने गंभीरता से लेते हुए उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। यदि निष्पक्ष जांच हुई, तो निश्चित रूप से दोषियों की पहचान हो सकेगी और इस बात का खुलासा होगा कि आखिर जेल में नशे की सामग्री किस रास्ते से पहुंची और इसमें कौन-कौन लोग जिम्मेदार हैं।

फिलहाल जेल प्रशासन की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं और आम जनता में भी इस घटना को लेकर आक्रोश है। लोग जानना चाहते हैं कि जब बाहर शराबबंदी कानून का सख्ती से पालन कराया जा रहा है, तो फिर जेल के भीतर यह कानून कैसे ठेंगे पर रखा जा रहा है।

तिलक समारोह से लौट रहे युवक की गोली मारकर हत्या, इलाके में तनाव

मोतिहारी (एजेंसियां)।

मोतिहारी जिले के चिरैया व शिकारगंज थाना क्षेत्र की सीमा पर स्थित अंबरिया मंदिर के समीप सोमवार देर रात एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान गांव निवासी सुभाष पांडेय के पुत्र आकाश कुमार के रूप में की गई है। वह एक तिलक समारोह से लौट रहा था। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, आकाश कुमार अपने अन्य साथियों के साथ गंगा पीपर गांव से तिलक समारोह में शामिल होकर घर लौट रहा था। इसी दौरान अंबरिया मंदिर के पास घात लगाए अपराधियों ने उसे घेर लिया और सीने में गोली मार दी। बताया जाता है कि घटना से पहले आकाश ने अपने भाई को फोन कर मारपीट और विवाद की सूचना दी थी। सूचना मिलते ही उसका भाई और चाचा मौके पर पहुंचे, जहां मंदिर के पास पोखर के किनारे आकाश जमीन पर घायल अवस्था में पड़ा मिला। उसकी सांसें धीमी चल रही थीं। परिजन तुरंत उसे इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल ढाका ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना के संबंध में चिरैया डीएसपी अशोक कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आपसी रंजिश का प्रतीत हो रहा है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसआईटी टीम का गठन किया गया है। परिजनों के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी और शीघ्र ही मामले का उद्भेदन कर लिया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com